3 | राजधानी
10वीं, 12वीं की कक्षाएं शुरू होंगी आज से

6 | अभिमत
लोकतंत्र में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमाएं

11 | विदेश
बाइडन के प्रशासन में 20 भारतीय-अमेरिकी

12 | कॅरियर
आकलन करें और अपनाएं

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 9 अंक 73
नई दिल्ली, सोमवार, 18 जनवरी, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

वाशिंगटन सुंदर ने ठाकुर के साथ जगाई उम्मीद
स्पोर्ट्स-10

कोविड-19 टीकाकरण अभियान का दूसरा दिन

पहले ही दिन भारत ने अमेरिका ब्रिटेन और फ्रांस को छोड़ा पीछे

● शनिवार और रविवार दो दिन में 2.24 लाख लोगों का हुआ वैक्सीनेशन, 447 केसों में मामूली प्रतिकूल प्रभाव

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि देशव्यापी टीकाकरण अभियान के दौरान पहले दो दिन में 2.24 लाख लोगों को कोविड-19 टीका लगाया गया। इस दौरान टीकाकरण के बाद 447 मामलों में प्रतिकूल प्रभाव देखा गया।

सरकार ने यह भी उल्लेख किया कि शनिवार को पहले ही दिन अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस जैसे विकसित देशों को पीछे छोड़ते हुए भारत में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चला। मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मनोहर अगनानी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा '16 और 17 जनवरी को कुल 447 प्रतिकूल प्रभाव वाले मामले सामने आए।

प्रतीकात्क चित्र

इसमें से केवल तीन को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत पड़ी। इसमें ज्यादातर बुखार, सिरदर्द और उल्टी जैसे मामूली केस थे। उन्होंने कहा, 'इसमें से एक केस एम्स ऋषिकेश में डॉक्टरों की निगरानी में है और उसकी हालत स्थिर है।

दो अन्य को दिल्ली के उत्तरी रेलवे अस्पताल और एम्स दिल्ली से छुट्टी दी जा चुकी है। अगनानी ने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक कुल 2,24,301 स्वास्थ्यकर्मियों और फ्रंटलाइन वर्करों का 17 जनवरी तक टीकाकरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इसमें 2,07,229 लोगों का अभियान के पहले दिन ही टीकाकरण कर दिया गया। हालांकि अधिकारियों ने प्रतिकूल प्रभाव मामलों का राज्यवार आंकड़ा नहीं दिया लेकिन शनिवार शाम तक मिली विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक दिल्ली (52), महाराष्ट्र (22), पश्चिम बंगाल (14), राजस्थान (21) तथा तेलंगाना (11) में प्रतिकूल प्रभाव वाले केस सामने आए थे। कुछ (शेष पेज 9)

कोविशील्ड व कोवैक्सीन के सभी आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग

● डॉक्टरों के फोरम पीएमएसएफ ने केंद्र को सौंपा ज्ञापन, टीकों को मंजूरी दिए जाने में अनियमितता बरतने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश भर के डॉक्टरों के एक नेटवर्क ने सरकार से कोरोना के दोनों टीकों कोविशील्ड और कोवैक्सीन से संबंधित सभी तरह के आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की है। डॉक्टरों के इस समूह ने आरोप लगाया है कि दोनों वैक्सीन को आपात इस्तेमाल की मंजूरी देने में कई अनियमितताएं बरती गई हैं।

प्रोग्रेसिव मेडिकोज एंड साइंटिस्ट्स फोरम (पीएमएसएफ) के बैनर तले चिकित्सा पेशेवरों ने कहा कि यदि सरकार यदि वैक्सीन का डेटा जारी करती है तो इससे वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को स्वयं और समुदाय के लिए टीकों का विकल्प चुनने में काफी मदद मिलेगी। डॉक्टरों ने वैक्सीन के आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति वापस लेने और स्वास्थ्यकर्मियों को बिना डर अपनी पसंद की वैक्सीन लगवाने की छूट दिए जाने की मांग भी उठाई है।

पीएमएसएफ के अध्यक्ष डॉ. हरजीत सिंह भट्टी ने सरकार को दिए ज्ञापन में कहा कि वैक्सीन थोपने के बजाय लोगों को विकल्प देने की रणनीति अधिक कारगर साबित होगी। उन्होंने यह भी कहा कि कोविड टीकाकरण के लिए हेल्थकेयर वर्कर्स के रूप में काम करने की (शेष पेज 9)

26 जनवरी को बाहरी रिंग रोड पर निकालेंगे ट्रैक्टर परेड: किसान नेता

● गणतंत्र दिवस परेड में नहीं डालेंगे खलल, ट्रैक्टरों पर लगाएंगे राष्ट्रीय ध्वज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में सिंघू बार्डर पर धरना दे रहे किसानों के कपड़ों पर प्रेस करते स्वयं सेवक

केंद्र के कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहीं किसान यूनियनों ने रविवार को कहा कि वे गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली में अपनी प्रस्तावित ट्रैक्टर परेड निकालेंगे। लेकिन यह परेड बाहरी रिंग रोड पर होगी। गणतंत्र दिवस परेड में कोई खलल नहीं डालेंगे।

यूनियन नेता योगेंद्र यादव ने सिंघू सीमा स्थित प्रदर्शन स्थल पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'हम गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में बाहरी रिंग रोड पर एक ट्रैक्टर परेड करेंगे। परेड बहुत शांतिपूर्ण होगी। गणतंत्र दिवस परेड में कोई भी व्यवधान नहीं होगा। किसान अपने ट्रैक्टरों पर राष्ट्रीय ध्वज लगाएंगे।' प्राधिकारियों ने किसानों द्वारा प्रस्तावित ट्रैक्टर मार्च या ऐसे किसी अन्य प्रकार के विरोध प्रदर्शन पर रोक की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय का रुख किया है ताकि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में किसी तरह की बाधा न आये। यह मामला अदालत में लंबित है। एक अन्य किसान यूनियन नेता दर्शन पाल सिंह ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) उन लोगों के खिलाफ मामले दर्ज कर रही है जो विरोध प्रदर्शन का हिस्सा हैं या इसका समर्थन कर रहे हैं।

पाल ने कहा, 'सभी किसान यूनियन इसकी निंदा करती हैं।' पाल का इशारा एनआईए द्वारा उन समन की ओर था जिन्हें प्रतिबंधित संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस संगठन से जुड़े एक मामले में किसान यूनियन नेता को कथित तौर पर जारी किया गया है। मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के हजारों किसान दिल्ली के विभिन्न बार्डर पर एक महीने से ज्यादा समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने इन कानूनों को किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से प्रमुख कृषि सुधारों के रूप में प्रस्तुत किया है, लेकिन प्रदर्शनकारी किसान चिंता जता रहे हैं कि ये कानून न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और 'मंडी' व्यवस्था को कमजोर करेंगे उन्हें बड़े कोरपोरेट की दया पर छोड़ देंगे। सरकार का कहना है कि ये आशंकाएं गलत हैं। सरकार कानूनों को निरस्त करने से इनकार कर चुकी है।

शीर्ष न्यायालय की नियुक्त समिति कल करेगी बैठक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नए कृषि कानूनों पर उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति के यहां पूसा परिसर में 19 जनवरी को अपनी पहली बैठक करने का कार्यक्रम है। समिति के सदस्यों में शामिल अनिल घनवट ने रविवार को यह जानकारी दी। शीर्ष न्यायालय ने केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों के क्रियान्वयन पर 11 जनवरी को अगले आदेश तक के लिए रोक लगा दी थी। साथ ही, न्यायालय ने गतिरोध का हल निकालने के लिए चार सदस्ईय एक समिति भी नियुक्त की थी। हालांकि, भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह मान पिछले हफ्ते समिति से अलग हो गए थे। नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसान दिल्ली की सीमाओं पर 50 से अधिक दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। घनवट के अलावा, कृषि-अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी और प्रमोद कुमार जोशी समिति के दो अन्य सदस्य हैं। शेतकारी संगठन (महाराष्ट्र) के प्रमुख घनवट ने कहा, हम लोग पूसा परिसर में 19 जनवरी को बैठक कर रहे हैं। भविष्य की रणनीति पर फैसला करने के लिए सिर्फ सदस्य ही बैठक में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि समिति के चार सदस्यों में एक ने समिति छोड़ दी है। यदि शीर्ष न्यायालय कोई (शेष पेज 9)

ब्रिटेन ने जी-7 में भाग लेने के लिए मोदी को न्योता भेजा

● जून में होगी शिखर बैठक, इससे पहले बोरिस जानसन कर सकते हैं भारत का दौरा

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने जी7 के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। जॉनसन ने 11 से 13 जून के बीच कॉर्नवॉल तटीय क्षेत्र में होने वाले उच्चस्तरीय शिखर सम्मेलन का ब्योरा रविवार को दिया, जिसकी अध्यक्षता ब्रिटेन करेगा। जॉनसन ने पिछले साल फोन करके मोदी को न्योता दिया था।

तब भारत को दक्षिण कोरिया तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ इस सम्मेलन का अतिथि देश चुना गया था। रविवार को मोदी को औपचारिक निमंत्रण भेजा गया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने जी7 शिखर-सम्मेलन से पहले भारत यात्रा की अपनी योजना दोहराई। इससे पहले उनका भारत में गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने का कार्यक्रम कोरोना वायरस संकट की वजह से रद्द हो गया। जी7 समूह में ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और अमेरिका हैं। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने कहा कि दुनिया की फार्मेसी के तौर पर भारत पहले ही दुनिया भर के 50 प्रतिशत से अधिक टीकों की आपूर्ति करता है और ब्रिटेन तथा भारत ने महामारी के दौरान मिलकर काम किया है।

ब्रिटेन की सरकार की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के लिए स्थाई सीट की वकालत करने वाला ब्रिटेन पी5 देशों का पहला सदस्य था। वह 2005 में जी7 शिखर-सम्मेलन में भारत को आमंत्रित करने वाला जी7 समूह का पहला सदस्य था। ब्रिक्स का मौजूदा अध्यक्ष और 2023 में जी20 का अध्यक्ष बनने जा रहा भारत दुनियाभर में बेहतरी के लिए बहुपक्षीय सहयोग में प्रमुख भूमिका निभाएगा। विदेश कार्यालय के अनुसार भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया को निमंत्रण बहुपक्षीय संस्थाओं में आज की दुनिया का बेहतर प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की ब्रिटेन की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

औरंगाबाद का नाम बदलने के मुद्दे पर शिवसेना-कांग्रेस में ठनी

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

औरंगाबाद शहर का नाम बदलने को लेकर महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार में शामिल शिवसेना और कांग्रेस के बीच ठन गई है। दोनों दलों में रविवार को तीखी बहस हुई। जहां शिवसेना ने तल्ख तेवर दिखाते हुए कहा कि यदि किसी को क्रूर एवं धर्मांध मुगल शासक औरंगजेब प्रिय लगता है तो इसे धर्मनिरपेक्षता नहीं कहा जा सकता। वहीं, पलटवार करते हुए कांग्रेस ने शिवसेना और विपक्षी भाजपा पर नाम बदलने को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष बालासाहेब थोराट ने हालांकि कहा कि राज्य में शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस की एमवीए सरकार स्थिर है। सरकार न्यूनतम साझा कार्यक्रम (सीएमपी) के अनुसार काम करती है और भावुकता की राजनीति के लिए कोई गुंजाइश नहीं है। राज्य की पूर्ववर्ती सरकार में सहयोगी रहीं शिवसेना और भाजपा औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति शिवाजी (शेष पेज 9)

धूम्रपान करने वालों, शाकाहारियों में कोविड-19 के लिए सीरो पॉजिटिविटी कम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सीएसआईआर सर्वेक्षण

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा अपने करीब 40 संस्थानों में किए गए अखिल भारतीय सीरोसर्वे के अनुसार धूम्रपान करने वालों और शाकाहारियों में कम सीरो पॉजिटिविटी पाई गई जो यह दर्शाता है कि उन्हें कोरोना वायरस से संक्रमित होने का कम जोखिम हो सकता है। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि रक्त समूह ओ वाले लोग संक्रमण के प्रति कम संवेदनशील हो सकते हैं, जबकि बी और एबी रक्त समूह वाले लोग अधिक जोखिम में हो सकते हैं।

सीएसआईआर ने एसएआरएस-सीओवी-2 के प्रति एंटीबॉडी की मौजूदगी का आकलन करने के अपने अध्ययन के लिए अपनी प्रयोगशालाओं या संस्थानों में काम करने वाले 10,427 वयस्क व्यक्तियों और उनके परिवार के सदस्यों के स्वैच्छिक आधार पर नमूने लिए। सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी), दिल्ली द्वारा संचालित अध्ययन में कहा गया है कि 10,427 व्यक्तियों में से 1,058 (10.14 प्रतिशत) में एसएआरएस-सीओवी -2 के प्रति एंटीबॉडी थी। आईजीआईबी में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्ययन के सह-लेखक शांतनु सेनगुप्ता ने कहा कि नमूनों में से 346 सीरो पॉजिटिव व्यक्तियों की तीन महीने के बाद की गई जांच में पता चला कि उनमें एसएआरएस-सीओवी -2 के प्रति एंटीबॉडी स्तर स्थिर से लेकर अधिक था लेकिन वायरस को बेअसर करने के लिए प्लाज्मा गतिविधि में गिरावट देखी गई।

उन्होंने कहा कि 35 व्यक्तियों की छह महीने में दोबारा नमूने लिए जाने पर एंटीबॉडी के स्तर में तीन महीने की तुलना में गिरावट जबकि बेअसर करने वाली एंटीबॉडी का स्तर स्थिर देखा गया। हालांकि सामान्य एंटीबॉडी के साथ ही बेअसर करने वाला एंटीबॉडी का स्तर जरूरत से अधिक था। अध्ययन में कहा गया है, हमारा निष्कर्ष कि धूम्रपान करने वालों के सीरो पॉजिटिव (शेष पेज 9)

लचीला रुख अपनाएं किसान नेता: तोमर

● कानूनों की हर धारा पर चर्चा के लिए आएं आगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नये कृषि कानूनों को लेकर 19 जनवरी को होने वाली दसवें दौर की वार्ता से पहले कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने रविवार को किसान नेताओं से फिर आग्रह किया कि वे नए कृषि कानूनों पर अपना 'अड़ियल' रुख छोड़ दें और कानूनों की हर धारा पर चर्चा के लिए आएं।

तोमर ने मध्य प्रदेश में अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र मुरैना रवाना होने से पहले पत्रकारों से कहा, 'अब जबकि उच्चतम न्यायालय ने इन कानूनों के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है तो ऐसे में अड़ियल रुख अपनाने का कोई सवाल हीं नहीं उठता है।' उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि किसान नेता 19 जनवरी को होने वाली अगली बैठक में कानून की हर धारा पर चर्चा के लिए आएं। उन्होंने कहा कि कानूनों को निरस्त करने की मांग को छोड़कर, सरकार 'गंभीरता से और खुले मन के साथ' अन्य विकल्पों पर विचार करने के लिए तैयार है। तोमर हजूर साहिब नांदेड़-अमृतसर सुपरफास्ट एक्सप्रेस द्वारा अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए रवाना हुए। उन्हें सिख समुदाय के सह-यात्रियों से लंगर साझा करते हुए देखा गया। गौरतलब है कि केन्द्र के नये कृषि कानूनों के खिलाफ किसान विशेषकर हरियाणा और पंजाब के किसान दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे हैं।

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र के तीन नये कृषि कानूनों के क्रियान्वयन पर 11 जनवरी को अगले आदेश तक के लिए रोक लगा दी थी। साथ ही, न्यायालय ने गतिरोध का हल निकालने के लिए चार सदस्यीय एक समिति भी (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	49,034	
निफ्टी	14,433	
सोना	48,690	/10g
चांदी	65,157	/kg

क्विक न्यूज

उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान का निधन, मोदी ने जताया शोक

मुंबई। महान भारतीय शास्त्रीय संगीतकार और पद्म विभूषण से सम्मानित उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान का रविवार की दोपहर यहां उनके आवास पर निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। खान की पुत्रवधू नम्रता गुप्ता खान ने बताया कि उनका निधन दोपहर 12 बजकर 37 मिनट पर उनके बांद्रा स्थित आवास पर हुआ। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खान के निधन पर दुख जताया और कहा कि उनके निधन से सांस्कृतिक दुनिया को एक बड़ी क्षति हुई है। नम्रता ने बताया, 'आज सुबह वह ठीक थे। हमने उनकी देखरेख के लिए घर पर 24 घंटे नर्स रखी हुई थी। मालिश के दौरान उन्हें उल्टी हो गई और मैं तुरंत आई तो उनकी आंखे बंद थीं और वह धीरे-धीरे सांस ले रहे थे।

शताब्दी बनाई गईं तृणमूल की बंगाल इकाई की उपाध्यक्ष

● बागी तेवर दिखाने वाली सांसद को शीर्ष नेतृत्व ने नई जिम्मेदारी देकर मनाया

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता

विधानसभा चुनाव से पहले एक के बाद एक मजबूत नेताओं को खो रही तृणमूल कांग्रेस अब नींद से जागी है। कुछ दिन पहले बागी तेवर दिखाने वाली सांसद शताब्दी रॉय को पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

रॉय के बारे में संभावना जताई जा रही थी कि वह शीघ्र भाजपा में शामिल हो सकती हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर खुद ही अटकलों को हवा दी थी। इससे बीरभूम से तीन बार लोकसभा चुनाव जीतने वाली शताब्दी के भी साथ छोड़ने की आशंका से तृणमूल कांग्रेस में खलबली मच गई और उन्हें मनाने की कोशिशें तेज हो गईं। आनन-फानन में वरिष्ठ नेताओं ने उनसे संपर्क साधना शुरू कर दिया।

शुक्रवार शाम को उनकी मुलाकात डायमंड हार्बर सांसद और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी से हुई। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष भी उनसे मिले और पार्टी नहीं छोड़ने के लिए बातचीत की थी। अभिषेक के साथ करीब (शेष पेज 9)

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक पहुंचना हुआ और आसान

● प्रधानमंत्री ने संपर्क सुविधा में सुधार के लिए आठ ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

पायनियर समाचार सेवा। अहमदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के विभिन्न हिस्सों को गुजरात के केवड़िया से जोड़ने वाली आठ ट्रेनों को रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हरी झंडी दिखाई। मोदी ने जिन आठ ट्रेनों को हरी झंडी दी हैं, वे केवड़िया को वाराणसी, दादर, अहमदाबाद, हजरत निजामुद्दीन, रीवा, चेन्नई और प्रतापनगर से जोड़ेंगी। केवड़िया में ही सरदार पटेल की प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी है। उन्होंने अतीत में देश में कामकाज के तौर तरीकों का उदाहरण देते हुए समर्पित माल ढुलाई गलियारे (डेडिकेटिड फ्रेट कॉरिडोर) का जिक्र किया। मोदी ने कहा, कुछ ही समय पहले मुझे पूर्वी और पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई गलियारे के एक बड़े खंड का लोकार्पण करने का मौका मिला। इस परियोजना पर लगभग आठ वर्ष में सिर्फ कागजों पर ही काम हुआ था। वर्ष 2006 से 2014 तक एक किलोमीटर तक भी पटरी नहीं बिछाई गई थी। अब आगामी कुछ महीनों में 1,100 किलोमीटर का काम पूरा हो जाएगा। मोदी ने तीन रेलवे स्टेशनों और डभोई को केवड़िया से जोड़ने वाली एक ब्रॉड गेज लाइन का भी रविवार को वीडियो लिंक के माध्यम से लोकार्पण किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, रेलवे के इतिहास में संभवत: पहली बार ऐसा हो रहा है, जब एक साथ देश के अलग-अलग कोने से एक ही जगह के लिए इतनी ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई गई हो। मोदी ने कहा कि एक सर्वेक्षण के अनुसार आवागमन की सुविधाएं बढ़ने से रोजाना एक लाख से अधिक लोग केवड़िया आ सकेंगे। उन्होंने कहा कि देश के रेलवे बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए हालिया वर्षों में किया गया कार्य अभूतपूर्व है। मोदी ने कहा कि अतीत में सोचने के नए तरीकों और प्रौद्योगिकी पर कम ध्यान दिया जाता था, लेकिन अब रेलवे प्रणाली में कई मोर्चों पर बड़े बदलाव किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार रेलवे विनिर्माण और (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 18 जनवरी 2021

गाजियाबाद शहर को प्रदूषणमुक्त करेंगी जिले की नामी कंपनियां

इसी वर्ष गार्बेज फैक्ट्री लगाएगा नगर निगम

अशोक निर्वाण। गाजियाबाद

बैठक में भाग लेते विभिन्न कंपनियों के अधिकारी।

देश की नामी ग्रामी कंपनियां अब गाजियाबाद को प्रदूषणमुक्त करने की जिम्मेदारी निभाएंगी। नगर निगम ने मीटिंग के बाद रविवार को यह जिम्मेदारी सौंपी। नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि निगम द्वारा शहर को कचरा मुक्त बनाने तथा कचरे को प्रोसेस कर उसको सही उपयोग में लाने की योजनाएं बनाई जा रही हैं, जिसमें बायो वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट तथा शहर के कूड़ा डलाव घरों को विलुप्त कर फैक्ट्री भी लगाई जा रही हैं।

इसी के क्रम में नगर आयुक्त ने भारत की सर्वश्रेष्ठ कंपनियां बिसलरी, कोका कोला, एशियन पेंट, बिंग रिस्पांसिबल, जेम इनवायरों मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, आईसीआईसीआई बैंक, हल्दीराम, मदर डेयरी, पारले एग्रो, रेकार्ट, हिंदुस्तान युनिलीवर लिमिटेड, जीरो वेस्ट मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, धर्मपाल सत्यपाल लिमिटेड व अन्य कंपनियों के साथ बैठक कर वार्ता की।

उन्होंने बताया कि कंपनियों को अपने कचरे को शहर से इकट्ठा कर निगम को देने की योजना बनाई जिससे कंपनियां स्वयं अपना कचरा एकत्र कर निगम को देंगी तथा शहर को स्वच्छ करने में कंपनियों का निशुल्क सहयोग प्राप्त होगा। इससे गाजियाबाद शहर से कूड़ा बड़ी मात्रा में कम हो जाएगा। खास बात यह है कि इस कचरे से निगम विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनायेगा।

कूड़ा निस्तारण नहीं करने पर लगाया 72 हजार का जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- ग्रेनो प्राधिकरण चला रहा है अभियान

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा एक अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें कूड़े का सही तरीके से निस्तारण नहीं करने पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत शनिवार को ग्रेटर नोएडा के कासना में स्थित रेडिसन ब्लू होटल पर 72 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नरेंद्र भूषण के आदेश पर ओएसडी शिव प्रताप शुक्ला, जीएम कौशिक और वैभव नागर ने की है।

प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी नरेंद्र भूषण का कहना है कि शहर की साफ-सफाई रखने का ध्यान सिर्फ प्राधिकरण का ही नहीं बल्कि पूरे शहर का जिम्मा है। जो भी लोग शहर में गंदगी फैलाते हैं उनके खिलाफ प्राधिकरण द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है।

इसी कड़ी में रेडिसन ब्लू होटल पर यह कार्रवाई कूड़े का ठीक तरीके से निस्तारण नहीं करने पर की गई है। अगर 72 हजार रुपए का जुर्माना लगाने के बावजूद भी कूड़े का निस्तारण ठीक तरीके से नहीं होता है, तो प्राधिकरण फिर बड़ी कार्रवाई करेगा।

एक्टिव सिटीजन टीम के सदस्य हरेंद्र भाटी का कहना है कि ग्रेटर नोएडा शहर भारत की टॉप हाईटेक शहर में गिना जाता है। लेकिन ऐसे में भी अगर लोग गंदगी फैलाकर शहर को खराब करेंगे तो ग्रेटर नोएडा का नाम टॉप हाईटेक शहर में क्यों होगा। उन्होंने शहर के सभी लोगों से अपील की है कि सभी लोग अपने आसपड़ोस में सफाई रखें। अगर कोई भी व्यक्ति गंदगी फैलाता है, तो तुरंत इस मामले की शिकायत ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को दें।

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस की तैयारी

नोएडा हाट पहुंचकर अफसरों ने किया निरीक्षण

- 24 से 26 जनवरी तक होगा कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा हाट में निरीक्षण करते अधिकारी। फोटो : दीपक यादव

लखनऊ की तर्ज पर आगामी 24 जनवरी से 26 जनवरी का जनपद गौतमबुद्धनगर में भी उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस का कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आने की भी प्रबल संभावना हैं। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के कार्यक्रम को कराने के लिए जनपद में नोएडा हाट का चयन किया गया है जहां कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन, पुलिस कमिश्नरेट एवं प्राधिकरण के अधिकारी पूर्ण क्षमता के साथ जुटे हुए हैं ताकि जनपद में ऐतिहासिक उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस का कार्यक्रम सकुशल संपन्न कराया जा सके। कार्यक्रम को मूर्त रूप प्रदान करने एवं सभी व्यवस्थाओं को अंजाम देने के उद्देश्य से रविवार को नोएडा विकास प्राधिकरण की एसीईओ एवं पुलिस कमिश्नरेट से डीसीपी वृंदा शुक्ला द्वारा कार्यक्रम स्थल का संयुक्त रुप से स्थल निरीक्षण किया गया।

दोनों अधिकारियों के द्वारा उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस की तैयारियों एवं सुरक्षा के संबंध में सभी व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के संबंध में संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। स्थल निरीक्षण के दौरान यमुना विकास प्राधिकरण ओएसडी शैलेंद्र भाटिया, नोएडा विकास प्राधिकरण ओएसडी संतोष उपाध्याय, जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मवीर सिंह जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी हेमंत कुमार जिला समाज कल्याण अधिकारी एसबी सिंह तथा विकास से जुड़े हुए अन्य संबंधित अधिकारीगण मौके पर उपस्थित रहे।

नकली सामान बेचने वाला युवक गिरफ्तार, 96 हीटर बरामद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

पुलिस गिरफ्त में आरोपी युवक।

महानगर की नामचीन हीटर निर्माता कंपनियों के नकली रेपर लगाकर बाजार में हीटर बेचने वाले एक कारखाना मालिक को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से पुलिस ने 96 नकली हीटर बरामद किए हैं।

गिरफ्तार आरोपी का नाम प्रवीण सिंघल है और वह थाना सिहानी गेट स्थित नेहरूनगर का निवासी है। पुलिस को इसके सबंध में गार्ड होम एप्लिऐसिन्स के मालिक दिलीप कुमार ने थाना सिहानी गेट में रिपोर्ट दर्ज कराकर उनकी कम्पनी के नाम से हीटर बनाने वाले प्रवीण सिंघल की शिकायत की थी। पुलिस ने नेहरू नगर में छापा मारकर प्रवीण को गिरफ्तार कर बड़ी संख्या में हीटर भी बरामद किए हैं।

डायरेक्टर्स इलेवन की टीम ने जीता मैच

नोएडा। शारदा विवि में चल रही क्रिकेट चैंपियनशिप में शनिवार को चांसलर और डायरेक्टर्स इलेवन के बीच मुकाबला हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति की गेंदबाजी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी। उन्होंने 3 ओवर में 8 रन दिए जबकि एक ओवर मैडन रहा। डायरेक्टर्स इलेवन की टीम चार विकेट से विजयी रही।

यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता डॉ अजीत कुमार ने बताया कि क्रिकेट चैंपियनशिप के तहत शनिवार को चांसलर और डायरेक्टर्स इलेवन के बीच मुकाबला हुआ। टॉस जीतने के बाद चांसलर के कप्तान अजीत कुमार ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम 80 रन पर ऑलआउट हो गई।

नोएडा के सेक्टर-73 स्थित गांव सर्फाबाद में सफाई अभियान चलाते नवऊर्जा युवा संस्था से जुड़े पदाधिकारी।

स्वच्छता अभियान चलाकर दिया गंदगी से दुष्परिणाम का संदेश

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- गांव के युवाओं ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

सेक्टर-73 के सर्फाबाद गांव में गंदगी से परेशान लोगों ने रविवार सुबह स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान में निवासियों ने अपनी समस्याओं को भी रखा। रविवार को नव ऊर्जा युवा संस्था एवं युवा टीम सर्फाबाद ने एकजुट होकर गांव में स्वच्छता अभियान चलाया।

अभियान की शुरूआत, नव ऊर्जा युवा संस्था के अध्यक्ष पुष्कर शर्मा द्वारा झाडू लगाकर की। अभियान के बीच गांव के लोगों ने अपनी समस्याओं के बारे में भी बताया। युवा टीम सर्फाबाद की तरफ से रविकांत शर्मा, दिपु यादव, सोनू यादव ने कहा कि आज सर्फाबाद ग्राम में स्वच्छता अभियान चलाने का मकसद ग्रामवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना एवं अपने कूड़े को अलग-अलग करके गांव में सफाई कर्मचारियों का साथ देना है।

भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखवीर पहलवान ने बताया कि यह राष्ट्र हमारा घर है, इसे गंदा करके हम अपने को गंदा कर रहे हैं।

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को दस वर्ष का कारावास

नोएडा। जिला न्यायालय ने एक किशोरी से दुष्कर्म के मामले में दोषी को दस वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। दोषी ने वर्ष 2014 में किशोरी के साथ दुष्कर्म किया गया था। इस केस की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश निरंजन कुमार ने की।

विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो जेपी भाटी ने बताया कि नोएडा सेक्टर 39 कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली एक किशोरी से वर्ष 2014 में पड़ोस में रहने वाले संजय ने दुष्कर्म किया था। दोषी संजय पीड़िता को दुकान पर चॉकलेट दिलाने का झांसा देकर बहला-फुसलाकर ले गया था। जिसके बाद संजय ने किशोरी से दुष्कर्म किया और फरार हो गया था।

संक्षिप्त समाचार

राम मंन्दिर निर्माण के लिए सहयोग राशि की रसीद काटते पूर्व मेयर।

राम मंदिर के लिए किया धन संग्रह

गाजियाबाद। महानगर के राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव में रविवार सुबह नगर निगम के पूर्व मेयर आशु वर्मा ने राम मंदिर निर्माण के लिए सहयोग राशि संग्रह किया। इस अवसर पर उन्होंने आरडब्ल्यू के पदाधिकारियों के साथ एन्क्लेव में निवास करने वाले लोगों से मिलकर अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के लिए सहयोग राशि देने की अपील की। बता दें कि अयोध्या में श्रीराम जन्म भूमि में भव्य मंदिर का निर्माण कार्य शुरु होने के साथ-साथ ही हिन्दू समाज के लोगों में उत्साह बना हुआ है। इसी उत्साह को समर्पण भाव में परिवर्तित करने के लिए आरएसएस व हिंदूवादी संगठनों ने मंदिर निर्माण के लिए धन संग्रह कार्यक्रम की योजना बनाई थी। इस योजना के तहत आरएसएस कार्यकर्ता व हिन्दू समाज के लोग घर-घर जाकर मंदिर निर्माण के लिए सहयोग राशि एकत्रित कर रहे हैं। रविवार सुबह गुलमोहर के कम्युनिटी हॉल में पूर्व मेयर आशु वर्मा सहयोग राशि एकत्रित करने पहुंचे।

न्याय पंचायत संगठन सभा की बैठक को संबोधित करते कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष बिजेंद्र यादव।

न्याय पंचायत संगठन सभा की बैठक आयोजित

गाजियाबाद। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में चलाए जा रहे न्याय पंचायत स्तरीय कार्यक्रम के तहत रविवार सुबह मुरादनगर विधानसभा के मुरादनगर ब्लॉक के धेधा न्याय पंचायत में न्याय पंचायत संगठन सर्जन सभा आयोजित की गई। इस मौके पर न्याय पंचायत सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष बिजेंद्र ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने ग्राम पंचायत और न्याय पंचायत की स्थापना की। ग्राम पंचायत के माध्यम से ग्रामीणों को राजनीतिक ताकत दी जिसके कारण ही गांवों का समुचित विकास हो पाया। कांग्रेस पार्टी के नेता पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने गांवों को ग्राम पंचायत और न्याय पंचायतों के माध्यम से सशक्त बनाया। जिला अध्यक्ष ने कहा कि 2022 में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार आने पर गांवों के युवाओं, किसानों, मजदूरों और महिलाओं के सपनों को साकार किया जाएगा और उनके उत्थान के लिए काम किया जाएगा।

गरीब व निराश्रितों को बांटे कंबल

गाजियाबाद। महानगर में इस समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। वहीं शहर में एक वर्ग ऐसा भी है जो खुले आसमान के नीचे अपनी जिंदगी बसर कर रहा है। नया सवेरा नामक एक सामाजिक संगठन ने दर्जनों लोगों को कंबल वितरित किए। जिसमें सड़क पर जो भी निराश्रित व्यक्ति जहां मिला उसके ऊपर कार्यकर्ता कंबल डाल रहे थे। नया सवेरा के जितेन्द्र बच्चन ने बताया कि यह अभियान कड़ाके की ठंड में जारी रहेगा।

हत्या के मामले में गृह मंत्रालय ने दिया दखल

सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिला था पीड़ित परिवार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

मोहित भाटी व उमेश भाटी केस

ग्रेटर नोएडा के सनसनीखेज मोहित भाटी और उमेश भाटी हत्याकांड में नया मोड़ आया है। मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दखल दी है। गृह मंत्रालय की ओर से गौतमबुद्धनगर के पुलिस कमिश्नर आलोक कुमार सिंह और अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश कुमार अवस्थी को पत्र भेजे गए हैं।

दरअसल, पीड़ित परिवार ने केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी। उन्हें जानकारी दी और मामले की सीबीआई से जांच करवाने की मांग की। इस पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने गृह मंत्रालय को पत्र भेजा था। अब गृह मंत्रालय की ओर से राज्य सरकार और गौतमबुद्धनगर पुलिस को निर्देश भेजे गए हैं।

इस मामले में पैरवी कर रहे मोहित भाटी के पिता महेश भाटी ने बताया, उन्होंने पिछले साल नवंबर महीने में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी। उन्हें पूरे घटनाक्रम के बारे में बताया था। मामले की जांच सीबीआई से करवाने की मांग की थी। इस पर राजनाथ सिंह ने कार्यवाही का आश्वासन दिया था। इसके बाद रक्षामंत्री ने एक पत्र गृह मंत्रालय को भेजा गया था। अब गृह मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश सरकार और गौतमबुद्ध नगर पुलिस को पत्र लिखकर मामले में कार्यवाही करने का आदेश दिया है।

महेश भाटी का कहना है कि उनके बेटे की वर्ष 2018 में हत्या कर दी गई थी। उस हत्याकांड के मुख्य गवाह और उनके भाई उमेश भाटी की भी पिछले साल अक्टूबर 2020 में हत्या कर दी गई है। मामले में पुलिस ने दुर्घटना का मुकदमा दर्ज किया। जबकि मौका-ए-वारदात से मिले सबूतों के आधार पर यह मामला दुर्घटना का नहीं है। महेश भाटी का कहना है कि उनका भाई, बेटे की हत्या में मुख्य गवाह था। उसकी सुरक्षा के लिए पुलिस-प्रशासन और सरकार से गुहार लगाई थी, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं की गई। अब महेश भाटी इन दोनों हत्याकांड की जांच सीबीआई से करवाना चाहते हैं।

तमंचे से फायर कर दहशत फैलाने वाला आरोपी दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर थानाक्षेत्र के अबूपुर गांव में पांच दिन पूर्व तमंचे से फायर कर दहशत फैलाने वाले आरोपी को निवाड़ी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित से एक तमंचा व 1 किलो नशीला पदार्थ बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी नशीले पदार्थ की तस्करी भी करता था। निवाड़ी थानाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि गांव अबूपुर में 13 जनवरी को युवक द्वारा तमंचे से ताबड़तोड़ फायरिंग करने की सूचना मिली थी। फायरिंग से लोगों में दहशत फैल गई थी। पुलिस के वहां पहुंचने से पहले ही आरोपी फरार हो गया था। पुलिस ने तुरंत आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना पर दबिश देकर आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

बी के सिन्हा बने नीलगिरी के अध्यक्ष

नोएडा। सेक्टर-34 के नीलगिरी-3 अपार्टमेंट केचुनाव सम्पन्न हुए। जिसमें समस्त कार्यकारिणी का निर्विरोध निर्वाचन चुनाव पर्यवेक्षक एवं सेक्टर 34 आरडब्ल्यूए महासचिव धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि अध्यक्ष पद पर बी के सिन्हा, उपाध्यक्ष पद पर ईश कुमार, सचिव पद पर एल बी एस यादव, कोषाध्यक्ष पद पर राजकुमार, बोर्ड मेम्बर सी जी नायडू निर्वाचित हुए।

चुनाव धर्मेन्द्र शर्मा चुनाव पर्यवेक्षक एवं सुनील गुलाटी चुनाव अधिकारी की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

गोशालाओं में लापरवाही से हो रही पशुओं की मौत

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- जांच कराने की बात कह रहे हैं अधिकारी

यहां भोजपुर ब्लाक के डीलना गांव स्थित गोशाला में एक सप्ताह में सर्दी और बीमारी के चलते तीन पशुओं की मौत हो गई। एक गाय तो पूरे दिन तड़पती रही, लेकिन उसे उपचार नहीं मिल सका। इसी कारण उसकी मौत हो गई। जबकि, गायों के रखरखाव के लिए चारा-पानी आदि के लिए सरकार द्वारा मोटी रकम खर्च की जाती है।

गौरतलब है कि खंड विकास विभाग की तरफ से डीलना गांव में एक गोशाला बनाई गई थी जहां फिलहाल 60 से ज्यादा गाय, बछड़े, बछियाएं व सांड हैं। पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए गोशाला में पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। साथ ही इनकी समुचित देखभाल ग्राम सचिव द्वारा नहीं की जा रही है।

गोवंशों की देखरेख में लगाए लोग शायद अपनी जिम्मेदारी का पालन सही से नहीं कर रहे हैं। यही वजह है कि गोशाला में पशु लगातार बीमार हो रहे हैं। एक दर्जन से ज्यादा पशु गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं।

लापरवाही के कारण पिछले एक सप्ताह में तीन पशुओं की मौत भी हो चुकी है। हद तो तब हो गई जब एक गाय जमीन पर गिरकर तड़पती रही मगर उसे उठाने की बात तो दूर, उसको ना तो उपचार दिलाया गया और न ही उसकी चारा-पानी की व्यवस्था कराई गई। ऐसे में गाय की मौत हो गई।

भोजपुर खंड विकास अधिकारी फैसल आलम ने बताया है कि ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली है। यदि ऐसा कुछ है तो ग्राम सचिव से जवाब-तलब किया जाएगा और गायों के रखरखाव की भी जांच की जाएंगी।

ऑनलाइन गोष्ठी में बोलते हुए वक्ता।

कर्म, भक्ति और ज्ञान योग का समन्वय है गीता : प्रो. मनोज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- त्रिमार्ग की अवधारणा विषय पर गोष्ठी संपन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में भगवद गीता में त्रिमार्ग की अवधारणा विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन जूम पर किया गया। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के प्रो. मनोज तंवर ने कहा की श्रीमद् भगवद गीता के अट्ठारह अध्याय के 700 श्लोकों में भगवान श्रीकृष्ण ने कर्म योग, भक्ति योग और ज्ञान योग का विस्तृत मार्गदर्शन किया है। किसी भी धमग्रंथ में मार्ग की अवधारणा को इतनी सूक्ष्मता से दर्शाया नहीं गया जैसा कि भगवद गीता के माध्यम से दर्शाया गया है।

इसी क्रम में उन्होंने आगे बताया कि सांसारिक मनुष्य का अस्तित्व शरीर, मन और बुद्धि से बना है। कर्म, भक्ति व ज्ञान इन तीनों मार्ग की गहन समझ और घनिष्ट दृढ़ता ही मनुष्य में योग की भूमिका का निर्माण करती है। गीता के सन्देश आज भी जीवन की चुनौतियों को सुलझाने में रामबाण हैं। आज के युग में गीता की महत्ता व प्रासंगिकता और अधिक बढ़ गई है। हमें उत्तम ग्रंथों का निरन्तर स्वाध्याय करना चाहिए।

इसी क्रम में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि श्रीमद्भागवत गीता निरन्तर कर्म करने का संदेश देती है,धर्म के उपदेश के साथ ही जीवन जीने की कला भी सिखाती है। महाभारत के युद्ध से पूर्व अर्जुन और योगिराज श्रीकृष्ण के बीच का संवाद आज भी लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत है जो गीता के उपदेश के रुप में है।

नोएडा में औद्योगिक प्लॉट आवंटन प्रक्रिया में होगा बदलाव

व्यवस्था में आएगी पारदर्शिता, उद्यमियों को मिलेगी बड़ी राहत-आज होगी बोर्ड बैठक

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

नोएडा विकास प्राधिकरण औद्योगिक भूखंडों के आवंटन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। प्राधिकरण का मानना है कि इससे उद्यमियों को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी और आवंटन प्रक्रिया को छोटा करने में मदद मिलेगी। मौजूदा आवंटन प्रक्रिया जटिल है, जिसकी वजह से औद्योगिक भूखंडों के आवंटन में लंबा समय लग जाता है।

यह ईज ऑफ डूइंग और ईज ऑफ बिजनेस के सिद्धांतों को भी पूरा नहीं कर रही है। उम्मीद है कि आने वाली बोर्ड बैठक में यह प्रस्ताव पास करवाया जाएगा। प्राधिकरण से मिली जानकारी के मुताबिक औद्योगिक भूखंडों के आवंटन की प्रक्रिया में बदलाव करने की तैयारी है। अब 2 एकड़ से बड़े भूखंडों का आवंटन इंटरव्यू के आधार पर होगा। अभी तक 5 एकड़ से बड़े भूखंडों के आवंटन पर यह व्यवस्था लागू होती थी। इंटरव्यू के साथ-साथ निर्धारित ऑब्जेक्टिव अहर्ता जैसी कंपनियों का अनुभव और टर्न ओवर आदि चीजें लागू होंगी।

इस प्रस्ताव को 18 जनवरी को होने वाली बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। अगर यह प्रस्ताव बोर्ड बैठक में पास हो गया तो अगले दो-तीन दिन में करीब 15 भूखंड की घोषणा लॉन्च कर दी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा करीब दो दर्जन और प्रस्ताव बैठक में रखे जाएंगे।

सोमवार (आज) 18 जनवरी को नोएडा प्राधिकरण की 201वीं बोर्ड बैठक सेक्टर-6 स्थित प्राधिकरण कार्यालय में सुबह से शुरू होगी। बैठक की अध्यक्षता नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन और औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टंडन करेंगे। इससे पहले 3 दिसंबर 2020 को बोर्ड बैठक हुई थी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 18 जनवरी, 2021

टीका केंद्रों की संख्या जल्द 175 होगी: जैन

वैक्सीनेशन के पहले दिन दिल्ली में 53 फीसदी लोगों ने अपनाया इंतजार करो एवं देखो का रुख

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि कोरोना वायरस टीकाकरण के लिए कुछ लोग आखिरी समय में नहीं पहुंचे। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार किसी को अनिवार्य रूप से टीका लगवाने के लिए नहीं कह सकती। दिल्ली में टीकाकरण केंद्रों की संख्या 81 से बढ़ाकर जल्द ही 175 की जाएगी।

सत्येंद्र जैन ने कहा कि दिल्ली में शनिवार को कोविड-19 टीकाकरण के पहले दिन कुल 4,319 स्वास्थ्य कर्मियों ने टीका लगवाया जो टीकाकरण के लिए पंजीकरण कराने वाले कर्मियों का 53.3 प्रतिशत हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार पहले दिन महज 53 फीसदी लोगों के कोविड-19 का टीका लगवाने का मुख्य कारण लोगों द्वारा इंतजार करो और देखो का रूख, संवाद की कमी और कोविन ऐप में खामियां थीं।

पूरे देश में इसी तरह की स्थिति रही और पहले दिन पंजीकरण कराने वालों में से केवल करीब 50 प्रतिशत ने टीका लगवाया। कोविड-19 टीकाकरण अभियान के पहले दिन शनिवार को दिल्ली में जिन स्वास्थ्यकर्मियों को कोरोना वायरस का टीका लगाया गया, उनमें एईएफआई (टीकाकरण के बाद प्रतिकूल प्रभाव) का एक गंभीर और 51 मामूली मामले सामने आए। स्वास्थ्य मंत्री ने दावा किया है कि राज्य में कोरोना की तीसरी लहर अब खत्म हो रही है। इधर वैक्सीनेशन ड्राइव की शुरुआत हुई तो वहीं कोरोना संक्रमण के कम होते खतरे से दिल्ली वाले राहत महसूस कर रहे हैं।

राजीव गांधी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के चिकित्सा निदेशक बी. एल. शेरवाल ने कहा, कुछ संशय है (टीके के बारे में)। साथ ही भारत में लोग महत्वपूर्ण मामलों में इंतजार करो और देखो का रूख अपनाते हैं, चाहे वह नई कार खरीदनी हो या नया उपकरण। लोग फैसला लेने से पहले दूसरों के अनुभव देखते हैं।

शनिवार को टीके से जुड़ा कोई बड़ा दुष्प्रभाव देखने को नहीं मिला, जिससे दूसरे भी टीका लेने के लिए प्रोत्साहित होंगे। उन्होंने कहा, पोलियो के उन्मूलन में 20 वर्षों तक काफी प्रयास करना पड़ा। इसका विरोध हुआ। कोविड-19 टीकाकरण अभियान में इसी तरह के प्रयास की जरूरत होगी। लोक नायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल के चिकित्सा निदेशक सुरेश कुमार ने कहा कि कोविन ऐप में खामियां भी लोगों के पहले दिन टीका नहीं लगवाने का कारण हो सकता है। कोविन, कोविड-19 टीका आपूर्ति पर निगरानी रखने का ऑनलाइन मंच है। एलएनजेपी अस्पताल में शनिवार को महज 32 लोगों को टीका लगाया जा सका।

कोरोना के 246 नए मामले, 8 की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में रविवार को कोरोना वायरस के 246 नए मामले सामने आए और नए मरीजों की यह संख्या करीब आठ महीनों में सबसे कम है। वहीं, आठ और संक्रमितों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि यहां संक्रमण की दर भी गिरकर 0.36 फीसदी रह गई है। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी में संक्रमण के कुल 6,32,429 मामले हो गए हैं तथा संक्रमण के कारण मरने वालों की संख्या 10,746 पर पहुंच गई है। नए साल के पहले महीने में यह 14वीं बार है जब संक्रमण के नए मामलों की संख्या 500 से कम रही है तथा लगातार आठवीं बार नए मामलों की संख्या 400 से कम है। दिल्ली में 16 जनवरी को कोविड-19 के 299 मामले आए थे और 15 जनवरी को 295 मरीज सामने आए थे। 14 जनवरी को संक्रमण के 340 नए मामले सामने आए थे और चार लोगों की मौत हुई थी।

उषा श्रीवास्तव पंचतत्व में विलीन नम आंखों से दी अंतिम विदाई

अंत्येष्ठि के दौरान मौजूद रहे परिजन, पायनियर समूह के सदस्य, साथी और बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी

● केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावेड़कर समेत कई लोगों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वहां मौजूद हर एक चेहरे पर गम की स्याह लकीर देखी जा सकती थीं। ये सभी लोग अपनी अजीज हिंदी पायनियर दिल्ली संस्करण की स्थानीय संपादक और वरिष्ठ पत्रकार उषा श्रीवास्तव को अंतिम विदाई देने के लिए रविवार सुबह लोदी रोड स्थित श्मशान घाट पहुंचे थे।

खामोशी भरे माहौल में सिर्फ दो आवाजें सुनाई दे रही थीं। उनमें से एक आग से चटकती लकड़ियों की और दूसरी सहकर्मियों, साथियों और परिजनों के सिसकियों की आवाज थी। ये सचमुच बेहद कठिन समय था। आंसुओं के सैलाब में डूबे परिजन, पायनियर समूह के सदस्य और मीडियाकर्मी उन्हें पंचतत्व में विलीन होते देख रहे थे।

काश! ये एक डरावना सपना होता.. काश! वे एक बार फिर उठकर खड़ी हो जातीं और कहती चलो अभी बहुत काम करना है। लीवर की बीमारी से ढाई माह तक जूझने के बाद शनिवार सुबह उषा जी ने साकेत मैक्स में अंतिम सांसें ली थीं। दूसरे दिन भी उनके निधन पर शोक संदेशों का तांता लगा रहा। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर समेत कई लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कड़ाके की ठंड के बीच उनको अंतिम विदाई देने के लिए भारी संख्या में लोग जुटे। इस दौरान कई साथियों को फफक-फफक कर रोते हुए देखा गया। हर किसी से ऐसा अपनापन आम लोगों की बस की बात नहीं। ऐसे लोग कुछ खास होते हैं और दुनिया में अपनी कभी न भूलने वाली यादें छोड़कर चले जाते हैं। उषा जी भी उनमें से एक थीं। उनके सादगी भरे व्यक्तित्व को देखकर कोई अंदाजा नहीं लगा सकता था कि इतनी बड़ी संख्या में उनके शुभचिंतक होंगे।

उनकी पूरी बीमारी के दौरान हमेशा ये आस बंधी रही कि वे एक बार फिर हमारे बीच लौटकर आएंगी। लेकिन नियति को यही मंजूर था। उषा जी आप इस दुनिया से जरूर चली गईं हैं लेकिन हमारी यादों में आप हमेशा जिंदा रहेंगी।

राजधानी में आज से 10वीं और 12वीं कक्षाएं शुरू होंगी

● बोर्ड परीक्षा को लेकर शिक्षा निदेशालय ने लिया था फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लंबे समय के बाद राजधानी के स्कूल आज से खुलेंगे। हालांकि बोर्ड परीक्षा को देखते हुए अभी केवल दसवीं और बाहरवीं की कक्षा ही लगेंगी। स्कूलों ने इसके लिए कई दिनों की तैयारी भी कर ली है। स्कूलों को व्यापक पैमानों पर सैनिटाइज किया गया है। स्कूलों की तरफ से साफ कर दिया गया है कि छात्रों की उपस्थित अनिवार्य नहीं है।

माता-पिता की अनुमति के बाद ही छात्रों को स्कूल में प्रवेश दिया जाएगा। ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल के एक प्रतिनिधि ने बताया कि छात्रों को एक साथ नहीं बुलाया जा रहा। इसे छात्रों के अलग-अलग ग्रुप बनाये गए है ताकि कक्षा में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जा सके। वहीं मॉडन स्कूल शालीमार बाग की प्रिसिंपल अलका कपूर ने कहा कि बच्चों को स्कूल भेजने का सबसे अच्छा तरीका निजी वाहन है। वहीं स्कूलों में एक कक्षा में केवल 15 छात्रों के प्रवेश की अनुमति होगी। ज्ञात हो कि शिक्षा निदेशालय ने 11 माह बाद स्कूलों को फिर से खुलने की अनुमति दी है।

कोरोना पीड़ित 572 महिलाओं ने स्वस्थ्य बच्चों को दिया जन्म

● 11 माह में एलएनजेपी अस्पताल मे 224 प्रसव ऑपरेशन से हुए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के लोकनायक जयप्रकाश नारायण (एलएनजेपी) अस्पताल में पिछले साल मार्च महीने से अब तक 500 से अधिक गर्भवती महिलाओं ने कोरोना वायरस संक्रमण का उपचार कराने के दौरान बच्चों को जन्म दिया।

राजधानी में नोवेल कोरोना वायरस का पहला मामला एक मार्च को सामने आया था। संक्रमण का प्रकोप बढ़ने के साथ ही मध्य दिल्ली स्थित एलएनजेपी अस्पताल को विशिष्ट कोविड-19 केंद्र के रूप में तब्दील किया गया था। इसे दिल्ली में टीकाकरण के लिए चिह्नित 81 स्थलों में शामिल किया गया है।

अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुरेश कुमार ने कहा, हमने कोविड-19 से संक्रमित गर्भवती महिलाओं का इलाज किया और ऐसी सैकड़ों महिलाओं का सफलतापूर्वक प्रसव कराया। अस्पताल के अधिकारियों द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार अस्पताल से अब तक 10,851 रोगियों को सफलतापूर्वक इलाज के बाद छुट्टी दी जा चुकी है और कई अन्य स्वस्थ होने के करीब हैं। एक वरिष्ठ डॉक्टर ने अस्पताल के सरकारी आंकड़ों के हवाले से कहा, हमारे अस्पताल में कोविड-19 संक्रमित महिलाओं में से 527 ने बच्चों को जन्म दिया जिनमें से 224 प्रसव सीजेरियन से हुए। इसके अलावा 1,986 कोविड डायलिसिस सत्र आयोजित किए गए। डॉ कुमार ने कहा, हमने मुश्किल लड़ाई लड़ी और टीकाकरण की शुरुआत उत्साह की बात है। हमने आज तक करीब 11 हजार रोगियों का सफलतापूर्वक इलाज किया है, जो देश में किसी भी अस्पताल में सर्वाधिक संख्या है।

दिल्ली में ठंड बढ़ी, न्यूनतम तापमान गिरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में रविवार को न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया हालांकि भारत मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक अगले दो दिन में हवाओं की दिशा बदलने की वजह से तापमान में वृद्धि होने का अनुमान है। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को न्यूनतम तामपान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

सफदरजंग वेधशाला जहां से पूरे शहर के प्रतिनिधि आंकड़ें मिलते हैं, वहां रविवार सुबह तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी के अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में पूर्वी दिशा से आने वाली हवाएं बह रही है जो बर्फ से ढके पश्चिमी हिमालय से आने वाली ठंडी उत्तर पश्चिमी हवाओं के मुकाबले अधिक सर्द नहीं होती हैं। उन्होंने कहा, इसलिए अगले दो दिनों में दिल्ली के न्यूनतम तामपान में कुछ वृद्धि होने की उम्मीद है व सोमवार को शहर का न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

दिल्ली में शनिवार को अनुकूल गति से हवाएं बहने और प्रदूषकों के छितराव से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में मामूली सुधार आया है और यह गंभीर श्रेणी से बेहद खराब श्रेणी में आ गया है। दिल्ली में रविवार सुबह नौ बजे एक्यूआई 347 दर्ज किया गया जबकि शनिवार को 24 घंटे का औसत एक्यूआई 407 था।

किराए की बाइक से कर सकेंगे दिल्ली दर्शन

● आवेदकों को परमिट देने की तैयारी में दिल्ली सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में पर्यटक जल्द ही किराए की बाइक से दिल्ली दर्शन कर सकेंगे। दरअसल, दिल्ली सरकार का परिवहन विभाग शहर में किराए पर बाइक देने की सेवाएं शुरू करने के लिए लाइसेंस जारी करने की योजना को सुदृढ़ करने में जुटा हुआ है।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। परिवहन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आगे की चर्चा के लिए अगले हफ्ते परिवहन मंत्री के समक्ष मसौदा योजना की प्रस्तुति दिए जाने की संभावना है। उन्होंने बताया, यह प्रस्तुति इस महीने की शुरूआत के लिए ही निर्धारित की गई थी लेकिन यह टाल दी गई थी। किराए पर बाइक सेवा के लिए मसौदा प्रस्ताव को राज्य परिवहन प्राधिकरण की मंजूरी की जरूरत होगी।

अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित योजना में उन आवेदकों को लाइसेंस प्रदान किया जा सकता है जिनके पास आवश्यक परमिट और बीमा कवर के साथ कम से कम पांच बाइक हों तथा वाहनों की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए मजबूत वित्तीय स्थिति हो। साथ ही, प्रतिष्ठान का कुशल प्रबंधन भी हो। अधिकारियों ने बताया कि ये लाइसेंस पांच साल के लिए दिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि बाइक का समुचित रखरखाव नहीं करने और ग्राहकों के साथ दुर्व्यवहार करने की स्थिति में लाइसेंसिंग प्राधिकरण के पास संचालक का लाइसेंस निलंबित करने की शक्ति होगी। सरकार पूरी प्रक्रिया की रूपरेखा बना रही है।

हादसे में बच्चे की मौत पर माता और पिता को मुआवजे का हक: हाईकोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि माता-पिता जीवन के किसी चरण में अपने बच्चों पर आश्रित होते हैं और सड़क हादसे में अपनी संतान को खोने वालों को मुआवजा देने से इनकार करना न्यायविरुद्ध होगा।

न्यायमूर्ति जे आर मिधा ने कहा कि माता-पिता बच्चों के दुर्घटनाग्रस्त होने के समय उन पर आश्रित नहीं हों तो भी वे बाद में कभी न कभी अपनी संतान पर आर्थिक और भावनात्मक रूप से निश्चित रूप से निर्भर रहेंगे जिस तरह बच्चे अपने जीवन के प्रारंभिक समय में अपने माता-पिता पर निर्भर थे। उच्च न्यायालय ने 2008 में एक सड़क दुर्घटना में अपने 23 वर्षीय बेटे को खोने वाली महिला को मुआवजा दिए जाने का आदेश देते हुए यह टिप्पणी की।

अदालत ने मुआवजा राशि 2.42 लाख रुपए से बढ़ाकर 6.80 लाख रुपए कर दी। टक्कर मारने वाले वाहन की तेज और अंधाधुंध रफ्तार की वजह से दुर्घटना हुई थी।

मादक पदार्थ जब्ती मामले में आरोपी को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रतिबंधित मादक पदार्थों की जब्ती के एक मामले में आरोपी व्यक्ति को जमानत देते हुए मोबाइल सर्विस प्रदाताओं को तीन वर्ष से भी अधिक पहले के कॉल डेटा रिकॉर्ड निकालने तथा मोबाइल नंबरों की लोकेशन का पता लगाने का निर्देश दिया। व्यक्ति के पास कथित तौर पर प्रतिबंधित मादक पदार्थ मिले थे जिसके बाद 2017 में उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत ने मामले में तथ्यों एवं परिस्थितियों पर विचार करने के बाद कहा कि उन्हें ऐसा लगता है कि घटनाक्रम में कुछ गड़बड़ है और व्यक्ति को इस मामले में फंसाया गया है।

निगम ने किया बुजुर्गों का सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने तिमारपुर में महापौर के आवास पर आयोजित एक समारोह में लोहड़ी, संक्रांति और पोंगल त्योहारों के अवसर पर स्मृति चिन्ह देकर वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर जय प्रकाश ने बताया कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों से वरिष्ठ नागरिकों को आमंत्रित किया गया और समाज में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। पूर्व महापौर महेश चंद शर्मा को भी इस मौके पर सम्मानित किया गया । हम लागे अपने बड़ों के कारण ही जीवन में आगे बढ़ते हैं क्योंकि वे जीवन जीने के लिए समय-समय पर मार्गदर्शन करते हैं और कठिन समय में सही राह दिखाते हैं। उनका ज्ञान, कौशल और अनुभव जीवन को सरल बनाता है। इसलिए हमेशा बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए।

करोड़ों की ठगी में कंपनी का मालिक गिरफ्तार

● फर्जीवाड़ा कर बुजुर्ग के खाते से 5.16 करोड़ रुपये अपनी कंपनी के खाते में कराए ट्रांस्फर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने करोड़ों की ठगी में रूप श्री इन्फोटेक नाम की कंपनी के मालिक विक्रम सिंह को गिरफ्तार किया है।

आरोपी ने बीमा के नाम पर फर्जीवाड़ा कर बुजुर्ग के खाते से 5.16 करोड़ रुपये अपनी कंपनी के खाते में स्थानांतरित करा दिया था। सिंह और और गिरोह के सदस्य इस प्रकार से और भी लोगों के साथ फर्जीवाड़ा कर चुके हैं। ठगी के मामले में पुलिस आठ लोगों सेमत एक नाबालिग को पहले ही दबोच चुकी है। दो अन्य ठगों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। संयुक्त आयुक्त डॉ. ओपी मिश्रा, ने बताया कि 86 साल के बुजुर्ग सतीश रॉय कपूर की बेटी ने ठगी की शिकायत पुलिस में की थी। उन्होंने बताया कि उनके पिता का एचडीएफसी बैंक की साकेत शाखा में पांच खाते हैं। इस खाते को उनके पिता, अमेरिकी में रहने वाले उनके भाई और बहन के संयुक्त रूप से खुलवाया था। उसके पिता के खाते से अज्ञात लोगों ने करोड़ों रुपये अन्य खाते में स्थानांतरित करवा लिए।

उन्होंने इस काम में बीमा एजेंट और एचडीएफसी बैंक के कर्मचारियों की मिलीभगत का शक जाहिर किया। दरअसल बीमा एजेंट ने पीड़ित बुजुर्ग से 85 लाख बीमा राशि के लिए चेक लिए थे और कागजातों पर हस्ताक्षर करवाए थे। बाद में उन खातों से 5.16 करोड़ रुपये निकाल लिए गए।

शिकायत पर पुलिस ने वर्ष 2019 में मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू की तो पता चला कि रुपये रूप श्री इन्फोटेक नाम की कंपनी के खाते में स्थानांतरित किए गए हैं। कंपनी का खाता राजस्थान जोधपुर स्थित भारतीय स्टेट बैंक में था। विक्रम सिंह उक्त कंपनी का मालिक था। पुलिस ने जब कंपनी के खाते की जांच की तो पता चला कि विक्रम व उसके साथी बीमा के नाम पर कई लोगों से ठगी कर चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

नारायणा के 2 स्कूलों में बांटे 32 सौ राशन किट

नई दिल्ली। स्कूलों में मिड-डे मील के राशन किट बांटने के दिल्ली सरकार की योजना को जारी रखते हुए राजेन्द्र नगर विधायक राघव चड्ढ़ा ने नारायणा के 2 स्कूलों बाबा बाग स्कूल और सर्वोदय कन्या विद्यालय में करीब 32 सौ छात्रों को राशन किट दिए। हर किट में चावल, दाल और रिफाइंड तेल है। इस मौके पर चड्ढ़ा ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य और विकास के लिए पोषण काफी जरूरी है। अच्छा खाने-पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। उन्हें भरोसा कि ये राशन किट उन परिवारों की मदद करेंगे जो कोविड-19 महामारी की वजह से मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। राघव चड्ढ़ा ने मिड-डे मील के राशन किट वितरण के लिए नारायणा के 2 स्कूलों, बाबा बाग स्कूल और सर्वोदय कन्या विद्यालय का दौरा कर राशन किट दिए। उन्होंने कहा कि ये साबित हो चुका है कि कुपोषण सभी के स्वास्थ्य और जीवन के लिए हानिकारक है। ऐसे समय में जब स्कूल पूरी तरह से खुले नहीं है, बच्चों को बना हुआ गर्म खाना नहीं मिल पा रहा है। चावल, दाल और तेल का वितरण कर के उनकह कोशिश है कि वह लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाएं, बच्चों को स्वस्थ बनाएं। पिछले महीने दिल्ली सरकार ने स्कूलों में मिड-डे मिल योजना के तहत राशन का वितरण शुरू किया था।

युवा अधिकार के साथ कर्तव्य भी जानें: दीपा मलिक

नई दिल्ली। शहीद भगत सिंह (सांध्य) महाविद्यालय के वुमेन डेवलपमेंट सेल ने भारतीय सैन्य दिवस के मौके पर शैक्षणिक सत्र के प्रथम कार्यक्रम का सफलतपूर्वक आयोजन किया। पद्मश्री दीपा मलिक ने युवा केवल अपने अधिकारों की बातें ही ना करते रहें , बल्कि कर्तव्यों को भी जानने का प्रयत्न करें। पर्यावरण परिवर्तन की कार्यकर्ता रिद्धिमा पांडे को प्रशस्ति पत्र दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. सिन्हा, संयोजिका डॉ. कविता यादव, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सतीश कुमार, डॉ. छवि शर्मा, डॉ. पूनम चौधरी, डॉ. शालू सूरी शामिल हुए।

फायर ब्रिगेड ने बचाई 3600 से अधिक पक्षियों की जान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लेखा जोखा साल 2020

राजधानी में दमकल कर्मियों ने पिछले साल जनवरी से दिसंबर के बीच 3,600 से अधिक पक्षियों को बचाया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

इस तरह के सर्वाधिक मामले अगस्त में स्वतंत्रता दिवस के आसपास आए जब लोग परंपरागत रूप से पतंग उड़ाते हैं और पेड़ों तथा बिजली के खंभों में उलझे उनके मांझे में फंसकर पक्षियों की मौत हो जाती है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में दमकल कर्मियों ने पिछले साल समस्याओं से संबंधित 25,416 फोन कॉल सुने जिनमें से 3,691 फोन पक्षियों को बचाने के लिए और 2,902 पशुओं को बचाने के लिए थे। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में पक्षियों और पशुओं को बचाने के लिए सबसे ज्यादा फोन कॉल आए क्योंकि इस महीने में स्वतंत्रता दिवस के आसपास पतंगें उड़ाई जाती हैं।

डीएफएस ने बताया कि अगस्त के महीने में उन्हें सबसे अधिक संख्या में कॉल मिली। इस महीनें उन्होंने 882 पक्षियों की जान बचाई वहीं 345 जानवरों को भी बचाने में मदद की। विभाग के अनुसार दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पंतगबाजी खूब होती है और पक्षी उड़ते हुए डोर में उलझ कर बिजली के नंगे तारों पर गिर या फंस जाते है। विभाग के पास केवल पक्षियों में कौवे, कबूतर, तौते जैसे पक्षी, वहीं जनवरों में गाय, मवेशी, कुत्ते और बिल्लियों को बचाव के लिए सूचना मिलती है।

कई बार राहत और बचाव में दल को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है क्योंकि दिल्ली की अधिकांश कालोनियों या संकीर्ण या फिर बंद। कई बार गहरे गड्ढों में भी पक्षी गिर जाते है जिससे बचाव के लिए खासी मेहनत करनी पड़ती है।

साल 2020 के जुलाई और सिंतबर के महीनों में बहुत अधिक वृद्धि हुई। दिल्ली के दमकलकर्मियों ने 458 पक्षियों को बचाया।

लूटपाट का विरोध करने पर होटल कर्मचारी से मारपीट

नई दिल्ली। गाजीपुर इलाके में लूटपाट का विरोध करने में बदमाशों ने होटल कर्मचारी के साथ जमकर मारपीट की। घायल युवक को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए सफदरजंग अस्पताल में रेफर कर दिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान रौशन के रूप में हुई है. वह परिवार के साथ त्रिलोकपुरी में रहता था और दिल्ली से सटे गाजियाबाद के कौशाम्बी के एक होटल में काम किया करता था।

बीती रात को 11 बजे के बाद रोशन कौशाम्बी से अपने घर लौट रहा था. घरवालों को सुबह करीब 5 बजे किसी ने बताया कि रौशन गाजीपुर अंडरपास में बुरी हालत में पड़ा हुआ है।

मानव उत्थान सेवा समिति ने वृद्धाश्रम में बांटे कंबल

पायनियर समाचार सेवा। रोहतक

मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वावधान में मानवधर्म के प्रणेता सद्गुरुदेव सतपालजी महाराज की प्रेरणा से महात्मा रोशनी बाई के नेतृत्व में जन सेवा वृद्धाश्रम के वृद्धों को कंबल वितरण किया गया। इस दौरान बुजुर्गों को कंबल वितरित करके उन्हें ठंड से बचने का प्रबंध किया गया। समिति के सदस्यों ने बुजुर्गों को मानव धर्म और हंसादेश पत्रिकाओं का वितरण भी किया गया।

इस मौके पर महात्मा रोशनी बाई ने कहा कि सेवा का कोई स्वरूप नहीं होता। वह किसी भी रूप में की जा सकती है। किसी के पांव का कांटा निकालना भी सेवा है। किसी बीमार या बुजुर्ग को सड़क पार कराना भी। ये ऐसे सेवा कार्य है, जिन्हें हम बिना कुछ सोचे समझे कर सकते हैं। किसी भी सेवा का फल हमें जीवन में जरूर मिलता है। इसलिए हमें सेवा कार्यों में जरूर भाग लेना चाहिए।

जन सेवा वृद्धाश्रम संस्थान में कंबल वितरित करते मानव उत्थान सेवा समिति के सदस्य।

मानव उत्थान सेवा समिति के वरिष्ठ कार्यकर्ता राममेहर शर्मा, कृष्ण शर्मा, रामफल सूबेदार, मानव सेवा दल जिला प्रमुख डा. विरेंद्र कुमार, राजेश भट्टी, परमजीत राय ने कहा कि बुजुर्गों और सुविधाओं से वंचितों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। इसलिए हम सबको समय-समय पर ऐसे स्थानों पर पहुंचकर उन्हें सम्मान देना चाहिए।

अभयपुर में बेसहाराओं को बांटे कपड़े और खाद्य सामग्री

सोहना। स्वामी विवेकानद के जन्मदिन के उपलक्ष में ग्राम सुधार समिति अभयपुर ने द अर्थ सेवियर फाउंडेशन में रहने वाले अनाथ ओर बेसहारा लोगो के लिए कपड़े और खाद्य सामग्री पहुंचाई। दान इक्ठा करने के लिए गांव में चार दिन तक अभियान चलाया गया। स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस के उपलक्ष में समिति के कार्यकारिणी सदस्यों ने ग्रामीणों से सहयोग की अपील की थी।

ग्रामीणों को अपने घरों में रखे कपड़े व खाद्य सामग्री दान करने के लिए कहा। यह अभियान 12 से 15 जनवरी तक चला। जिसमें ग्रामीणों ने कपड़े, जैसे रजाई, गर्म कपड़े या कोई भी प्रतिदिन प्रयोग किया जाने वाला समान जैसे साबुन तेल तौलिया या खाद्य सामग्री चीनी चावल गेंहू आदि दान में दिया। समिति के अध्यक्ष महेश खटाना ने बताया कि स्वामी जी के आदर्शों को मानकर और उनके बताए रास्ते पर चलकर हम अपने जीवन को साकार बना सकते है। उपाध्यक्ष गजेंद्र बोहरा व सतपाल सिंह ने इस नेक कार्य के लिए सभी ग्रामीणों का धन्यवाद किया। मोनू राघव व जोगेन्दर पहलवान खेल प्रकोष्ठ, ने कहा कि हमारे घरों में जो कपड़े बर्तन आदि अतिरिक्त हो जाते हैं। हम लोग बाहर फेंक देते हैं। समिति के सदस्य गिरिराज, भंवर, अनूप, जितेंद्र राहुल, प्रेम, अभय, जयबीर, अनिल, करतार, श्याम, विकास के अनुरोध पर ग्राम वासियों द्वारा कपड़े और अन्य खाद्य सामग्री भेंट की। जिसमें प्रवीण, सुनील, राजू, लखमिंदर अधिवक्ता द्वारा समिति के सदस्यों का मनोबल बढ़ाया।

गांव अभयपुर में ग्रामीणों द्वारा बेसहारा और अनाथों के लिए इक्ठा किया चंदा।

वजीराबाद में श्मशान घाट के विरोध में ग्रामीण हुए एकजुट

श्मशान घाट निर्माण का विरोध कर रहे ग्रामीणों का पूर्वमंत्री ने पहुंच कर किया समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सरकार द्वारा गांव वजीराबाद की 24 एकड जमीन में बनाए जा रहे श्मशान स्थल के विरोध में धरने पर बैठे ग्रामीणों का पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने धरना स्थल पर पहुंचकर समर्थन किया। कैप्टन अजय यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी तन-मन-धन से गांव के साथ है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन को भी अपना हठीला रवैया छोड़कर किसी दूसरी जगह पर यह श्मशान स्थल बनवाना चाहिए। गांव से दूर भी बेहतर जगह है। उस जगह पर ग्रामीण भी राजी हैं तो बीच का रास्ता निकालकर वहां पर श्मशान स्थल बनवाना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वसन दिया कि विपक्ष में होने के नाते हम वजीराबाद के मुद्दे को विधानसभा में उठाएंगे। श्री सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार की आदत हो चुकी है जनता के विपरित कार्य करने की। पहले भी नोटबंदी, जीएसटी, गलत लॉकडाउन जैसे जन विरोधी कार्य यह सरकार कर चुकी है।

गुरुग्राम के गांव वजीराबाद में 24 एकड़ जमीन पर बनाए जा रहे श्मशान घाट के विरोध में धरने पर मौजूद पूर्व मंत्री कैप्टन अजय यादव और ग्रामीण।

अब देश के अन्नदाताओं को सड़कों पर लाकर छोड़ दिया। दूसरी तरफ युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ भी यह सरकार करने में लगी है। इस मौके पर उनके साथ राव कमलबीर, सुधीर चौधरी, लाल सिंह यादव, जगमोहन सरपंच, वर्धन यादव, विनोद उर्फ मीनु शर्मा, विकास यादव, सुमीत चक्करपुर इत्यादि मौजूद रहे।

12-12 लाख रुपये में ग्राम सचिव का पेपर बेचा: पूर्व मंत्री

अभी पिछले सप्ताह ग्राम सचिव की हुई लिखित परीक्षा को रद्द करके इस सरकार ने अपनी हेरा-फेरी स्वीकार कर ली है। युवाओं की परीक्षा केंद्र 150-150 किलोमीटर दूर देकर बेरोजगार युवाओं को परेशान किया। दूसरी तरफ 12-12 लाख रुपये में पेपर को बेचा गया। इस तरह इस सरकार को जनता की समस्या से कोई सरोकार नहीं है। अजय सिंह ने कहा कि अब जनता की परेशानी खत्म होने में थोड़ा समय ही बचा है।

कार सवार बदमाशों ने पनीर व्यापारी से 97 हजार की नकदी लूटी

सोहना। भोंडसी में दिन दहाड़े कार सवार तीन बदमाशों ने पनीर व्यापारी से 97 हजार 400 रुपये लूट लिए। व्यापारी दिल्ली से पनीर बेचने के बाद वापस आ रहा था। लूट होने के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोग घर से बाहर निकलने से भी डर रहे हैं।

जिला नूंह के गांव अगोन निवासी पनीर व्यापारी मुस्तफा पुत्र मौहमदा ने भोंडसी थाना पुलिस को लूट की शिकायत दर्ज कराई है। व्यापारी ने पुलिस को बताया कि वह रविवार की सुबह दिल्ली पनीर बेचने के बाद वापस अपने घर आ रहा था। उसके साथ उसकी पिकअप गाड़ी में इरसाद पुत्र नवाब खा निवासी लडडुका तहसील कामा और असलम पुत्र खुर्शीद निवासी गांव भादाका तहसील पहाड़ी जिला भरतपुर राजस्थान भी थे। जब वे लोग गुरूग्राम- सोहना के बीच भोंडसी में सती मंदिर के पास पहुंचे थे। तभी उनकी गाड़ी के आगे एल्टो कार आकर रुकी। जिसमें से तीन नौजवान बदमाश उतरे। एक बदमाश ने उसके मुंह पर मुक्का मारा। दूसरे ने उसको गाड़ी से नीचे खिंच लिया। तीसरा बदमाश गाड़ी में सीट पर रखी 97 हजार 400 रुपये की नकदी को उठा लिया। जाते समय बदमाश उसे जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

सदैव किसानों के साथ खड़ा रहकर लड़ाई लड़ेंगे: अवतार भड़ाना

प्रेस वार्ता को संबोधित करते अवतार भड़ाना और अन्य।

पलवल। यूपी के मीरपुर विधानसभा से भाजपा विधायक व फरीदाबाद लोकसभा के पूर्व सांसद अवतार सिंह भड़ाना ने पलवल के विश्रामगृह में प्रेसवार्ता की। उन्होंने खुलकर किसान आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा देश की जनता को विधानसभा के सदस्यों को व लोकसभा के सदस्यों को किसानों की आवाज को उठाना चाहिये। किसान मजबूत होगा तो देश मजबूत होगा यदि किसान कमजोर पड़ गया तो देश भी कमजोर हो जायेगा। वो अब यूपी की विधानसभा में नहीं जायेंगे, इस्तीफा स्वीकार करना विधानसभा अध्यक्ष काम है।

अवतार सिंह भड़ाना का कहना है कि कृषि कानूनों को रद्द कराने के लिये कई महीनों से किसान, महिलाएं और बच्चे सड़कों पर हैं। उनसे उनका दुख नहीं देखा गया। उन्होंने कहा कि आज हमारे विधानसभा व लोकसभा के प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी बनती है कि वो किसानों की आवाज उठाने का काम करें। किसान अब पीड़ा में हैं और राष्ट्र से बड़ा कोई नहीं है। किसान सड़कों पर परेशान हैं तो किसानों के बेटा-बेटी जो पुलिस व सेना में ड्यूटी दे रहे हैं, वो अपने कर्तव्य को कैसे निभा पाएंगे।

सरकार को किसानों के साथ न्याय करना चाहिये। चौधरी देवीलाल ने हरियाणा में सरकार बनाई और देश की राजनीति को बदलकर दिखाया था। आज किसान मजदूर एक साथ खड़ा है। अब तक प्रदेश में एसवाईएल पर सभी ने राजजीति हुई है। आज पंजाब और हरियाणा का किसान एक साथ खड़ा है। अब ये लोग बटने वाले नहीं हैं और हम भी किसानों के साथ हैं।

पेयजल लाइन टूटने से दर्जन भर कॉलोनियों में आपूर्ति ठप

सोहना। सोहना के अस्पताल मार्ग पर पेयजल आपूर्ति की लाइन टूटने से शहर की करीब दर्जनभर कॉलोनियों में पानी की सप्लाई ठप हो गई। पानी की लाइन जीयो नेटवर्क की लाइन अंडर ग्राउंड डालने के दौरान खुदाई करने के दौरान टूटी।

रविवार की सुबह पांच बजे नगर के अस्पताल मार्ग पर पानी ही पानी हो गया। यह पानी पेयजल आपूर्ति की लाइन टूट जाने से सड़क के ऊपर आ गया। सड़क पर पानी जमा होने से रविवार की सुबह उपभोक्ताओं के घरों में पानी की एक बूंद नहीं पहुंची। जैसे ही जन स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को पाइप लाइन टूट जाने की सूचना मिली। वैसे ही पानी की सप्लाई को बंद कर दिया। सुबह 9 बजे के बाद जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने टूटी हुई पाइप लाइन पर मरम्मत का कार्य शुरु कर दिया। जो करीब दो से तीन घंटा में टूटी हुई लाइन को जोड़ दिया गया।

केवल दबाने के दौरान टूटी लाइन

जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ ओमप्रकाश ने बताया कि शहर में जीयो नेटवर्क की केवल दबाने का कार्य चल रहा है। शनिवार को जीयो नेटवर्क की केवल दबाने के दौरान अस्पताल मार्ग पर गड्ढा खोदा गया। गड्ढा खुदाई के दौरान पेयजल आपूर्ति की लाइन टूट गई। जिससे रविवार की सुबह जैसे ही पानी की सप्लाई छोड़ी।

रविवार तक शुरू नहीं हुई पेयजलापूर्ति

पेयजल आपूर्ति की लाइन टूट जाने रविवार की सुबह 4 से शुरु नहीं हो सकी। जिससे शहीद भगतसिंह फव्वारा चौक, अनाज मंडी, आईटीआई कॉलोनी, बस स्टैंड कॉलोनी, फ्रैड्स न्यू और ओल्ड कॉलोनी, शिव कॉलोनी, अंबेड़कर कॉलोनी, हरीनगर कॉलोनी के करीब 6000 घरों में पानी नहीं आया।

बस स्टैंड के शौचालय बना कबाड़खाना

सोहना का सामान्य बस स्टैंड आम लोगों में बना हुआ है चर्चा का कारण

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना बस स्टैंड पर कर्मचारी से लेकर अधिकारी यात्रियों की सुख सुविधा में बाधाओं पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। शौचालय में कबाडा भरा होने के चलते महिला यात्रियों को शौचालय के लिए परेशान होना पड़ रहा है। ये भी कारण है जो आए दिन सोहना का सामान्य बस स्टैंड आम लोगों की चर्चा का कारण बना हुआ है।

सोहना सामान्य बस स्टैंड परिसर में कभी सफाई व्यवस्था को लेकर तो कभी रोडवेज की बसें बूथ पर न लगना, रात के समय कभी चौकीदार का नदारद रहना तो कभी शौचालयों पर ताले लटके होना। जिससे यहा आने वाले यात्रियों को दी जाने वाली सुविधाओं में बाधाएं पहुंचाने की लगभग कर्मचारियों और अधिकारियों की आदत बन गई है। बस स्टैंड परिसर में महिलाओं के लिए बने शौचालय अब कबाड़ खाने बन गए है। बस स्टैंड परिसर में महिलाओं की सुख-सुविधा के लिए एक मात्र शौचालय बना है। जिसमें बस स्टैंड परिसर में काम करने वाले सफाई कर्मचारियों ने स्टोर बनाया हुआ है। इस शौचालय में कूड़ा उठाने वाली रेहड़ी से लेकर अन्य कबाड़े का सामान रखा जाता है। जिससे महिलाओं को शौच करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सोहना बस स्टैंड परिसर में महिला शौचालय में रखा कबाड़ा।

गंदगी का आलम

गुरुग्राम-सोहना के बीच रोजाना सफर करने वाली महिला कांता का कहना है कि बस स्टैंड परिसर के अंदर बना महिला शौचालय में कबाड़े के सामान से भरा होता है। वैसे तो अंदर तीन से चार सीट लगी है, लेकिन कबाड़ा भरा होने से एक या दो ही शौचालय चालू हालात में है। दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रही छात्रा ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि महिला शौचालय की सफाई भी नहीं होती है। अंदर बदबू होने से शौच करने का मन भी नहीं करता है। लेकिन मजबूरवश करना ही पड़ रहा है।

कोई अधिकारी कुछ कहने वाला नहीं: प्रभारी

इस संबंध में जब बस स्टैंड प्रभारी गणेश यादव से जानकारी लेना चाहा तो उसने रौबदार रवैया दिखाते हुए कहा कि अपना कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। दो माह के बाद रिटायर्ड हो जाऊंगा। कोई अधिकारी कुछ कहने वाला नहीं है।

सिरसा नई-दिल्ली एक्सप्रेस गाड़ी का रूट ने बदलें

भिवानी। सिरसा नई-दिल्ली एक्सप्रेस गाड़ी दैनिक यात्रियों एवं व्यापारियों की लाइफ लाइन है। रेलवे द्वारा अगर इस गाड़ी के रूट के साथ छेड़छाड़ की गई तो दैनिक रेल यात्री संघ विभिन्न समाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर जन आंदोलन करेगा।

यह बात भिवानी जंक्शन पर सिरसा एक्सप्रेस गाड़ी का रूट ना बदलकर उसे पहले की तरह निर्धारित रूट पर सुचारु रूप से चलाने की मांग को लेकर रेलवे मंत्री एवं मंडल प्रबंधक उतर पश्चिम रेलवे बीकानेर के नाम स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौपते हुए दैनिक रेल यात्री जनकल्याण संघ के प्रधान महाबीर डालमिया ने कहीं। डालमिया ने बताया की सिरसा एक्सप्रेस गाड़ी पिछले 25 वर्षों से इस रूट पर चलने वाली सबसे कामयाब गाड़ी हैं। इस गाड़ी में निम्न एवं मध्यम वर्ग के लगभग 7000 के करीब देनिक यात्री अपनी रोजी-रोटी के लिए दिल्ली आते जाते हैं। इस गाड़ी का अगर रूट बदला जाता हैं तो सिरसा, भट्ठू, आदमपुर, हिसार, हांसी, बवानी खेडा, भिवानी के देनिक यात्रिओं को जहां एक और 50 किलोमीटर का एक्स्ट्रा सफर तय करना पड़ेगा।

उद्योगों की समस्याएं दूर करने को योजनाबद्ध तरीके से हो रहा कार्य

जीआईए हाउस में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस वर्कशाला में भाग लेते उद्योगपति और अधिकारी।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा सरकार के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और निवेश के एजेंडे के मद्देनजर जिला उद्योग केंद्र गुरुग्राम ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस वर्कशॉप का आयोजन जीआईए हाउस में व मानेसर के एचएसआईआईडीसी ऑडिटोरियम में किया गया। वर्कशॉप की अध्यक्षता उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त निदेशक वजीर सिंह ने की।

इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों व औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभागिता की। वजीर सिंह ने हरियाणा सरकार द्वारा औद्योगिक इकाइयों के लिए किए गए सुधारों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार उद्योग जगत से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिए योजनाबद्ध रूप से कार्य कर रही है। उद्योग जगत से जुड़े लोगों को चाहिए कि वे अपनी समस्याओं के समाधान की जानकारी पाकर इनका लाभ प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत सभी प्रमुख विभागों की मुख्य सेवाओं जैसे फैक्ट्री लाईसेंस, ऑनलाइन शिकायतों के निवारण के लिए ऑनलाइन शिकायत पोर्टल प्रारम्भ किये जा चुके हैं, जिसके माध्यम से शीघ्र आति शीघ्र औद्योगिक इकाइयों की शिकायतों का निस्तारण किया जा रहा है।

प्रमुख विभागों की मुख्य सेवाओं जैसे फैक्ट्री लाईसेंस, ऑनलाइन शिकायतों के निवारण के लिए ऑनलाइन शिकायत पोर्टल प्रारम्भ किये जा चुके हैं

वजीर सिंह ने हरियाणा सरकार की नई औद्यौगिक नीति-2020 के विषय में भी विस्तार से बताया। उन्होंने औद्योगिक इकाईयों को मिलने वाले प्रमुख लाभ के विषय में जानकारी दी, जिसमें टैस्टिंग इक्यूपमेंट जैसे विषय शामिल रहे। इस बैठक में जीआईए एसोसिएशन के प्रधान जेएन मंगला, आईएमटी मानेसर एसोसिएशन के प्रधान पवन यादव ने मुख्य अतिथि का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। इस बैठक में गुरुग्राम इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अन्य प्रतिनिधियों के साथ-साथ कई उद्योगपतियों ने भी भाग लिया। अंत में जिला उद्योग केन्द्र गुरुग्राम के संयुक्त निदेशक राजेश खेड़ा ने इस कार्यमक्रम का हिस्सा बनने के लिए सबका धन्यवाद किया।

संक्षिप्त समाचार

सिल्वर पदक जीतकर लौटे शुभम का भव्य स्वागत

फर्रूखनगर। दिल्ली के नजफगढ़ में हुई दो दिवसीय 10वीं थाई मुक्केबाजी प्रतियोगिता में फर्रूखनगर के मुक्केबाज शुभम सैनी ने सिल्वर पदक जीतकर इलाके का नाम रोशन किया है। पदक विजेता शुभम सैनी का फर्रूखनगर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। शुभम सैनी वूशु हरियाणा स्टेट में भी पहले कई पदक जीत चुके हैं। कोच कुलदीप कटारिया ने बताया कि प्रतियोगिता में 160 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। शुभम सैनी ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए सिल्वर पदक जीतकर फर्रूखनगर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। शुभम के सम्मान समारोह में बिग-बी फिटनेस जिम के संचालक प्रवीण बागड़ी, विशाल मधु दुग्गल, सोमबीर सिंह, तरुण शर्मा, जितेंद्र, संजू लोहट, पवन गुप्ता, ज्योति आदि मौजूद रहे।

आर्मी दिवस पर हुईं खेलकूद प्रतियोगिताएं

गुरुग्राम। आर्मी दिवस पर राजकीय महाविद्यालय जाटोली में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सैनिक प्रमोद चौहान ने की। इस मौके पर प्राचार्य रविंद्र अंतिल, पूर्व कप्तान जनक चौहान, मास्टर सुरेंद्र चौहान समारोह में मौजूद रहे और खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया। प्राचार्य डॉ. रविंद्र अंतिल ने कहा कि हमें देश की सीमाओं पर रक्षा कर रहे सैनिकों का सदैव दिल से सम्मान करना चाहिए, जिनकी वजह से हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। देश के असली रक्षक सैनिक ही होते हैं। पूर्व कप्तान जनक चौहान ने कहा कि आज के युवा के अंदर भी एक सैनिक जैसा जज्बा होना चाहिए। सदैव देश की रक्षा के लिए तत्पर रहना चाहिए। मास्टर सुरेंद्र ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ हमें बच्चों का सर्वांगीण विकास करना चाहिए। बच्चों को देश के लिए कुछ कर गुजरने की ललक पैदा करनी चाहिए।

दामन-चोली अभियान के तहत बाजारों में हुए कार्यक्रम

गुरुग्राम। स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 में गुरुग्राम को नम्बर-1 रैंक दिलाने के लिए नगर निगम गुरुग्राम द्वारा तेजी से तैयारियां की जा रही हैं। नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन शाखा के संयुक्त आयुक्त धीरज कुमार द्वारा शुरू किए गए दामन-चोली का साथ अभियान के तहत शनिवार को निगम की स्वच्छता शाखा ने विभिन्न बाजार क्षेत्रों में विशेष ड्राइव चलाकर रेहड़ियों तथा दुकानों पर दो डस्टबिन प्रथा को सुनिश्चित किया। दामन-चोली अभियान का तात्पर्य यही है कि रेहड़ी व दुकान पर दो डस्टबिन होना अनिवार्य है। निगम के इस अभियान में सभी निगम पार्षदों, बाजार एसोसिएशन तथा दुकानदारों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। निगम टीमों द्वारा रंगोली आदि के माध्यम से बाजारों में सुंदरता भी बढ़ाने का काम किया जा रहा है।

पुलिस ने सरेआम जुआ खेलते दो युवक पकड़े

सोहना। सोहना सिटी थाना पुलिस ने सरेआम तख्त पर बैठकर जुआ खेल रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से 5600 रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है। सिटी थाना में तैनात हवलदार अनिल को शहर में गश्त के दौरान सूचना मिली कि वार्ड-17 में मंदिर के पास तख्त पर बैठकर दो युवक सरेआम ताश के पत्तों पर नकदी लगाकर जुआ खेल रहे हैं। हवलदार अनिल ने अपनी टीम के साथ जुआ खेल रहे युवकों को पकड़ लिया। जिनकी पहचान राजेश निवासी वार्ड-18 तथा संस्कार उर्फनोनू निवासी वार्ड-17 के रुप में हुई है। पुलिस टीम ने जब छापा मारा तो उस समय ताश के पत्तों के पास 100-100 के 22 नोट पड़े हुए थे। इसके अलावा राजेश से तलाशी के दौरान 1600 तथा संस्कार उर्फ नोनू के पास से 1800 रुपये की नकदी बरामद हुई। हवलदार अनिल ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

इलाके की उन्नति को फर्रूखनगर बने उपमंडल: ग्रामीण

फर्रूखनगर। फर्रूखनगर खंड को उपमंडल बनाने की मांग को लेकर क्षेत्र के लोग लगातार लामबद्ध हो रहे हैं। लोग अपने इस क्षेत्र के विकास के लिए उपमंडल बनना जरूरी मान रहे हैं। लोगों का कहना है कि फर्रूखनगर के उपमंडल बनने से इलाके के विकास को तो पंख लगेंगे ही, साथ में लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। क्षेत्रवासियों द्वारा फर्रूखनगर खंड को उप मंडल बनाने की मांग जाइज है। क्षेत्र के मौजिज व्यक्ति धर्मपाल प्रधान पातली, नपा पार्षद मुरारी लाल सैनी, पूर्व नगर पार्षद नीरू शर्मा, राव महेंद्र सिंह माजरी, गजे सिंह नम्बरदार बावडा बाकीपुर, किशन लाल सैनी आदि का कहना है कि किसी भी प्रकार की बड़ी परियोजना, उद्योग और दर्जा मिलना सौभाग्य की बात तो होती है। साथ में इलाके का मान भी बढ़ता है। क्षेत्र के विकास को फर्रूखनगर को उपमंडल बनाने की उनकी मांग जायज है। रोजगार के संसाधनों की बढ़ोतरी इलाके में खुशहाली का प्रतीक मानी जाती है। फर्रूखनगर जैसे पिछड़े इलाके को सरकार उपमंडल का दर्जा देती है तो यह इलाके के लिए किसी पर्व मनाने की खुशी से कम नहीं होगी। उन्होंने बताया कि इलाका राजनीतिक दृष्टि से काफी पिछड़ा हुआ है। रोजगार के नाम पर कृषि ही शेष है। जमीन का खारी पानी और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के दौर में भी कृषि में भी कुछ खास फायदा नहीं रहा। यहां की हस्तकला मुड्ढा उद्योग भी दम तोड़ रहा है। उन्होंने बताया कि इलाके के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए फर्रूखनगर खंड, तहसील के बाद अब दर्जा बढ़ाकर उपमंडल का दर्जा देना चाहिए। इलाके के लोगों द्वारा चलाई जा रही उप मंडल की मुहिम धीरे-धीरे जन आंदोलन का रूप लेती जा रही है। गांव में हस्ताक्षर अभियान, जनप्रतिनिधियों के लिए ज्ञापन देना इस मुहिम का मात्र शुरुआत है।

रविवार सर्दी का सबसे से ठंडा दिन रहा

सोहना। रविवार को सर्दी के प्रकोप ने आज जनजीवन को हिलाकर रख दिया। पूरे दिन में सूर्य देवता के दर्शन न होने से सर्दी से बचाव के लिए आग का सहारा लेना पड़ा। रविवार इस साल सर्दी का अब तक का सबसे ठंडा दिन रहा। रविवार को सूर्य देवता के दर्शन न होने से पूरा दिन ठिठुरन बनी रही। दुकानदार से लेकर आम घरों में अलाप का सहारा लेकर नागरिकों ने दिन को गुजारा। बाजारों में दुकानदारों ने पूजा पाठ करने के साथ आग जलाकर बैठ गए। बाजार में सर्दी के प्रकोप के कारण ग्राहक कम आए। झुग्गी-झोंपड़ियों रहने वाले मजदूर परिवार के सदस्य भी पूरा दिन आग के सहारे बैठकर बिताया। दुकानदार विपिन जैन ने बताया कि दुकानदारी के मामले में भी रविवार मंदा रहा। सर्दी के कारण छोटें दुकानदार ही सामान लेने आए। राह चलते या आम ग्राहकों की संख्या नाममात्र ही रही। पौध बिक्रेता दुकानदार संजीत का कहना है कि पूरे दिन में एक भी ग्राहक पौध लेने के लिए नहीं आया।

धुंध, स्मॉग और शीत लहर ने बढ़ाई शहर की मुश्किलें

अलाव से सर्दी हुई दूर, प्रदूषण को मिल गया बढ़ावा

कोहरे की चादर में लिपटा रहा शहर, अलाव के सहारे गुजारा दिन

कविता। फरीदाबाद

रविवार को शहर दिनभर कोहरे की चादर लिपटा रहा। घने कोहरे की वजह से सड़कों पर वाहन भी रेंगते रहे। रविवार दिन मौसम का सबसे सर्द दिन साबित हुआ। वहीं, शीतलहर से लोग ठिठुरते रहे। लोगों ने सर्दी से बचाव के लिए जगह-जगह आग जलाई हुई थी। वहीं कुछ लोगों ने पेड़ों की टहनियों को काटकर सर्दी को दूर भगाने का प्रयास किया। लेकिन इस चक्कर में शहर में प्रदूषण का स्तर बढ़ गया। जिससे सांस रोगियों की परेशानियां बढ़ गई। घरों से बाहर निकले लोगों का सांस लेना दुर्भर हो गया। रविवार को शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स 297 दर्ज किया गया। जो खराब श्रेणी में आता है।

छाया रहा कोहरा

रविवार को दिन भर हल्की धुंध छाई रही और दिन में एक बार भी सूर्य देव के दर्शन नहीं हुए। पूरे दिन शीत लहर चलती रही। इससे ठंड बढ़ गई है। रविवार को जिले का न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे बचाव के लिए लोगों ने जगह-जगह आग जलाई। लेकिन आग और गाड़ियों से निकले धूएं से प्रदूषण का स्तर खराब हो गया। जिससे श्वास रोगियों का सांस लेना दुर्भर हो गया।

रात से चली हवा

शनिवार रात से ही ठंडी हवाएं भी चलना शुरू हो गई थी, लेकिन धुंध पर हवाओं का कोई असर दिखाई नहीं दिया। सुबह 10 बजे तक काफी धुंध रही, लेकिन बाद में यह थोड़ा हल्की हो गई। दोपहर तीन बजे के बाद एक बार फिर से धुंध ने बढ़ना शुरू कर दिया। ठंडी हवाएं चलने का सिलसिला लगातार जारी रहा। शाम को दोपहर की तुलना में ठंड अधिक रही।

इंडिया मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट की वेबसाइट के अनुसार रविवार को फरीदाबाद का न्यूनतम तापमान 6 डिग्री व अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वेबसाइट के अनुसार आने वाले दिनों में भी तापमान इसी के आस -पास बने रहने की संभावनाएं हैं।

एयर इंडेक्स 297

रविवार को शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स 297 दर्ज किया गया। यह खराब श्रेणी में ही आता है। हालांकि हवा से कुछ राहत थी। लेकिन धुंध के साथ हल्के स्मॉग से लोगों को आंखों में जलन की समस्या का सामना करना पड़ा। बल्लभगढ़ क्षेत्र की हवा फरीदाबाद की तुलना में अधिक साफ रही। यहां का एयर क्वालिटी इंडेक्स 204 दर्ज किया गया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के रीजनल ऑफिसर दिनेश ने बताया कि हवा चलने से प्रदूषण के स्तर में हल्का सुधार देखा गया है। लेकिन धुआं प्रदूषण बढ़ा सकता है।

वाहनों के पार्ट्स चोरी करने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। चोरी की बढ़ती हुई वारदातों को देखते हुए पुलिस आयुक्त ओपी सिंह द्वारा अपराधियों की धरपकड़ करके वारदातों पर रोक लगाने के आदेशों व पुलिस उपायुक्त अपराध मुकेश मल्होत्रा व सहायक पुलिस उपायुक्त अनिल कुमार के दिशा निर्देशों पर कार्य करते हुए क्राइम ब्रांच डीएलएफ प्रभारी उप निरीक्षक अनिल कुमार व उनकी टीम ने वाहनों के पार्ट्स चोरी करने वाले शातिर चोर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया है जिसकी पहचान अनिल पुत्र सतबीर सिंह निवासी गाँव खेड़ी कलां, फरीदाबाद के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ चोरी के 3 मुकदमे दर्ज हैं जिसमें 1 थाना सेक्टर 58, 1 एसजीएम नगर और 1 मुकदमा थाना डबुआ का शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेत्री की बेटी की रहस्यमय हालत में मौत

फरीदाबाद। आइपी कालोनी में शनिवार को बाथरूम में नहाते समय 13 वर्षीय किशोरी की रहस्यमय हालत में मौत हो गई। बच्ची के शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार रविवार सेक्टर-37 स्थित स्वर्गाश्रम में कर दिया। भाजपा की जिला सचिव भारती भाकुनी आइपी कालोनी में रहती है। उनके पति भुवन भाकुनी स्कूल संचालक है। उनकी बेटी जिया भाकुनी सातवीं कक्षा की छात्रा थी। शनिवार की दोपहर को जिया भाकुनी बाथरूम में नहाने गई, तो करीब एक घंटे तक बाहर नहीं आई। जिस पर शक हुआ और परिजनों ने आवाज लगाई, लेकिन भीतर से कोई जवाब नहीं आई। बाथरूम का दरवाजा तोड़कर अंदर देखा तो जिया बेसुध में पड़ी थी। उसे तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए बीके भेज दिया। वहीं दूसरी तरफ बच्ची की मौत से परिजनों व भाजपा नेताओं में शोक की लहर है। परिजनों का कहना है कि चिकित्सकों ने उसकी मौत का कारण उसकी हार्ट बीट रूकना बताया है। जिया भकुनी की मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सकों व पुलिस का अनुमान है कि गैस गीजर के कारण बाथरूम में ऑक्सीजन की कमी हो गई और कार्बन मोनोऑक्साइड गैस बन गई। इससे बच्ची की मौत हुई। फिलहाल विसरा जांच के लिए भेजा गया है। उसकी रिपोर्ट से ही बच्ची की मौत का सही कारण पता चलेगा।

सर्दियों में रखें हड्डियों का विशेष ख्याल: डॉ. अनुज

फरीदाबाद। एनएच-तीन स्थित वेदांता अस्पताल में निशुल्क जांच फ्री हेल्थ चैकअप कैम्प का आयोजन किया गया। यह कैम्प सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक अस्पताल परिसर में लगाया गया। कैम्प का उद्घाटन एसीपी रमेश चंदर ने किया। इस मौके पर मुख्यातिथि के रूप में मौजूद एसीपी रमेश चंदर ने कहा कि इस तरह के कैम्पों का आयोजन समय समय पर होता रहना चाहिए, ताकि जो लोग मधुमेह और बीपी की समस्या से ग्रस्त है, वह फ्री में समय-समय पर अपनी जांच करवा सके। उन्होंने इस मौके पर स्वयं भी जांच करवाई। कैम्प की जानकारी देते हुए वेदांता अस्पताल के ओर्थोपैड्रिक कंसलटेंट डॉ. अनुज धींगरा ने बताया कि इसमें हड्डी रोग से पीड़ित मरीजों की जांच की गई और उन्हें सर्दियों में होने वाली परेशानी से अवगत करवाया गया और उन्हें सर्दियों में हड्डियों का खास ख्याल रखने के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होंने बताया कि कैम्प में स्त्री एवं प्रसुति विशेषज्ञ डॉ. पूनम कटारिया और डॉ. स्वेता ने महिलाओं की परेशानियों को दूर किया। वहीं बच्चों की परेशानियों को बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. धनसुख ने दूर किया। सांस व शुगर और अन्य सामान्य रोगियों की परेशानियां डॉ. कमल गेरा ने दूर की। वहीं नेत्ररोगियों की जांच डॉ. उपासना ने सुलझाई। दांतों के मरीजों की जांच कैम्प में डॉ. सुचि धींगरा ने की। आहार विशेषज्ञ के रूप में डॉ. चंचल और भौतिक चिकित्सा के लिए डॉ. रिया मौजूद रही। उन्होंने बताया कि कैम्प में करीब 300 मरीज अपनी जांच को आए। जिनका पहले बीपी, शुगर, ईसीजी, लंग्स की पीएफटी जांच मुफ्त में किया गया। सभी चिकित्सकों ने अपने-अपने कक्ष में मरीजों की जांच की, ताकि कोरोना काल में भीड़ न रहे। वहीं दूसरी तरफ लैब जांच मे 50 प्रतिशत डिसकाउंट उपलब्ध करवाया गया।

रक्तदान व चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

फरीदाबाद। भारती चैरीटेबल ट्रस्ट द्वारा प्याली चौक स्थित जाट धर्मशाला में सिविल अस्पताल बादशाह खान के सहयोग से एक रक्तदान एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक नगेन्द्र भड़ाना, भाजपा मंडल अध्यक्ष कविन्द्र फागना मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। इस अवसर पर आए हुए अतिथियों का ट्रस्ट के संस्थापक एवं अध्यक्ष डा. धर्मेन्द्र सिंह नांदल ने फूल-मालाओं एवं पगड़ी बांधकर स्वागत किया। इस शिविर में 26 युवाओं तथा एक मातृ शक्ति ने रक्तदान किया। इस शिविर के मंच का संचालन दीपक मदान द्वारा किया गया। दीपक मदान ने रक्तदान के शुभारंभ अवसर पर ऐ मालिक तेरे बंदे हम, ऐसे हो हमारे कर्म गाना प्रस्तुत कर युवाओं ने रक्त दान के लिए जोश भरा। उपस्थित रक्तदाताओं को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक नगेन्द्र भड़ाना एवं कविन्द्र फागना ने कहा कि इस कड़कड़ाती ठण्ड में शहर के सिविल अस्पताल में रक्त की कमी को देखते हुए भारती चैरीटेबल ट्रस्ट द्वारा लगाया गया यह शिविर एक मील का पत्थर है। क्योंकि ठण्ड के सीजन में कम ही रक्तदान शिविर लगते है जिससे शहर में रक्त की कमी बनी रहती है। इस अवसर पर संस्थापक एवं अध्यक्ष डा. धर्मेन्द्र सिंह नांदल ने कहा कि उनकी संस्था इस वर्ष करीबन 10 रक्तदान शिविरों का आयोजन करेगी। वहीं राजकुमार अरोड़ा द्वारा 20 लोगों को एक्यूप्रेशर चिकित्सा सेवा का भी लाभ दिया। इस अवसर पर जिला रैडक्रास सोसायटी के सचिव विकास कुमार, कोर्डिनेटर विमल खण्डेलवाल, बीबी कथूरिया, आम आदमी पार्टी के नेता राजकुमार, भाजपा नेता डा. आरएन शेर, शेर सिंह भाटिया, जाट संस्था के प्रधान दलजीत सिंह मोर, जय शर्मा, भारती चैरीटेबल ट्रस्ट के नरेश शर्मा, जितेन्द्र शर्मा, वीरभद्र नाथ, नवीन ग्रोवर, विनोद भाटी, यश सक्सेना, सतपाल खत्री, धारा सिंह, मामचंद भड़ाना, डालचंद, भोले, सरिता नांदल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

ओमैक्स में पतंगबाजी का आयोजन

फरीदाबाद। सेक्टर 79 स्थित ओमैक्स वर्ल्ड स्ट्रीट में ओमेक्स ग्रुप ने पतंगबाजी का आयोजन किया। इस पतंगबाजी की खास बात रही कि गुजरात के राजकोट जिले से आए प्रसिद्ध पतंगबाज आनंद काईट क्लब रहा। जिसने तरह-तरह के रंग बिरंगी पतंग उड़ाई जैसे स्पाइडर मैन, तिरंगे वाली, बिच्छू वाली आदि अनेकों पतंगे थी। इस मौके पर वहां मौजूद शॉप्स कीपर, आसपास के सोसाइटी में रह रहे सैकड़ों लोग मौजूद रहे। जिन्होंने पतंगबाजी का लुफ्त उठाया और पूरे दिन छुट्टी का मजा लिया। इस दौरान लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग, ग्लब्स, मास्क, सैनिटाइजर का प्रयोग किया। इस बेहतरीन माहौल को लोगों ने मोबाइल के कैमरे में कैद किया और इस आयोजन को लेकर लोगों ने सराहना करते हुए कहा कि ऐसी अनोखी पतंगों को उड़ाने में मजा आ रहा है।

रिफलेक्टर से दुर्घटना पहले ही रोकी जाए: डॉ. अरोड़ा

फरीदाबाद। स्पेशल रिफलेक्टर टेप लगाने का विशेष अभियान फरीदाबाद के डिप्टी कमिश्नर यशपाल यादव के आदेशानुसार एवं जितेंद्र कुमार गहलावत डीटीओ फरीदाबाद के निर्देशानुसार पिछले कई दिन से जिले में चलाया जा रहा है। इस कड़ी में रिफलेक्टर टेप लगाने का विशेष अभियान सूर्या ऑर्थो ट्रामा हॉस्पिटल मोड एनआईटी में आयोजित किया गया। जिसमें डॉ सुरेश अरोड़ा चेयरमैन सूर्य ऑर्थो हॉस्पिटल व उनके डॉक्टरों की टीम ने रिफ्लेक्टर टेप लगाने में सहयोग किया। अभियान में साईकिल, आटो, ई-रिक्शा पर रिफ्लेक्टर टेप लगाई गई और सब ही मौके पर डाक्टर पुनीता हसीजा अध्यक्ष आईएमए ने कहा की यह सबसे अच्छा अभियान है, जहां एक डॉक्टर एक दुर्घटनाग्रस्त रोगी की जान बचाता है और उससे बढ़कर रिफ्लेक्टर टेप लगाकर दुर्घटना को रोकने का प्रयास किया जाए और इससे बड़ा कोई इलाज नहीं। हम सब को हमेशा सड़क नियमो का पालन करना चाहिए। इस जागरूकता अभियान में ट्रैफिक पुलिस एसआई प्रहलाद व उनकी टीम एवं सूर्या ऑर्थो से डॉ. राजीव जैन, डॉ. अजय कपूर, डॉ. संजीव डुडेजा, पवन नागपाल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से अधिवक्ता अर्चना गोयल, रोड सेफ्टी ओमनी फ़ाउंडेशन से बिजेंद्र सैनी, देवेंद्र सिंह, राकेश सैनी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

पीएम मोदी के राज में हो रहे जनहितैषी कार्य : गुर्जर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में सरकार हर वर्ग के हित में अनेक जनहितैषी कार्य करके एक मिशाल कायम कर रही है। भाजपा के पिछले 6 वर्षों के विकास कार्य कांग्रेस के 70 साल के विकास कार्यों के मुकाबले भारी पड़ रहे हैं।

केन्द्रीय रान्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर रविवार को गांव चन्दावली में लगभग एक करोड़ रुपये की धनराशि से बने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और 50 लाख रुपये की धनराशि से बने वाले आईएमटी पार्क का उद्घाटन करने उपरांत उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जजर ने की। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

हरियाणा भण्डारण निगम के चैयरमैन एवं विधायक नयन पाल रावत ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। इस अवसर पर सरपंच मंजू यादव, संजु, अशोक शर्मा, जोगेंद्र रावत, धुले, विष्णु दत्त, भीम सिंह सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री पण्डित मूलचंद शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार की कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं है। देश के प्रधानमंत्री मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर की जोड़ी ने फरीदाबाद के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे बिजली देने का काम किया। नहर के ऊपर लगभग एक दर्जन पुल बनाने का काम किया। सभी गांव की फिरनी पक्के करने सहित अनेक विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। इसके अलावा खेल स्टेडियम बनवाएं। उन्होंने कहा कि दिल्ली से बड़ोदरा जाने वाला रास्ता फरीदाबाद के बाईपास होकर से गुजरेगा। उन्होंने कहा फरीदाबाद को कमिश्नरी बनवाई और एफएमडीए बनाने का काम किया। इससे फरीदाबाद की भूमि अधिग्रहण किए जाने वाला पैसे का विकास अब फरीदाबाद में ही किया जाएगा। बीजेपी सरकार ने किसानों के लिए अनेक जनहितैषी फैसले लेकर उन्हें क्रियान्वित करने का काम किया जा रहा है।

हरियाणा भण्डारण निगम के चेयरमैन एवं विधायक नयन पाल रावत ने कहा कि प्रदेश सरकार के पास विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है।सरकार प्रदेश का चहुंमुखी विकास करवाने के लिए प्रयासरत है।

आज 15 स्वास्थ्य केन्द्रों पर शुरू होगा टीकाकरण

फरीदाबाद। जिले में शनिवार को जहां पांच स्वास्थ्य केन्द्रों पर 5 सेशन चलाकर टीकाकरण किया गया था। वहीं रविवार को स्वास्थ्य विभाग की तरफ से संदेश देकर कर्मियों के लिए सोमवार को 15 अस्पतालों व स्वास्थ्य केन्द्रों पर 17 सेशन चलाकर टीकाकरण के कार्यक्रम निर्धारित किए गए है। जिसमें जिला स्वास्थ्य विभाग ने सरकारी अस्पतालों के साथ निजी अस्पतालों में टीकाकरण करने की योजना बनाई गई है। जिसमें शनिवार वाले पांच स्वास्थ्य केन्द्र जिसमें सेक्टर 30 स्थित एफआरयू वन, सेक्टर 3 स्थित एफआरयू टू, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेड़कोला, तिगांव व कौराली में एक-एक सेशन के साथ एनआईटी 3 स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में टीकाकरण के 2 सेशन चलाए जाएंगे।

इसके अलावा मुजेसर स्वास्थ्य केंद्र पर एक सेशन, पाली स्वास्थ्य केंद्र पर एक सेशन, सेक्टर 16 स्थित मेट्रो अस्पताल में एक सेशन, सर्वोदय अस्पताल में एक सेशन, अल-फलाह मेडिकल कॉलेज में एक सेशन, सेक्टर 10 स्थित पार्क अस्पताल में एक सेशन, नीलम - बाटा रोड स्थित फोर्टिस अस्पताल में एक सेशन, क्यूआरजी अस्पताल में 2 सेशन, पाली स्थित स्वास्थ्य केंद्र में एक सेशन व सेक्टर 21 स्थित एशियन अस्पताल में टीकाकरण का एक सेशन चलाया जाएगा।

गेस्ट हाउस की छत से कूद कर व्यवसायी ने दी जान

कमरे से एक चाकू और खून भी मिला

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 31 स्थित एक गेस्ट हाउस की तीसरी मंजिल से कूद कर एक व्यवसायी ने आत्महत्या कर ली। मृतक के गेस्टहाउस स्थित कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने दो लोगों पर आत्महत्या के लिए विवश करने का आरोप लगाया है। मृतक के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के मुताबिक आईपी कालोनी निवासी आरके सिंह ने गतदिवस सेक्टर 31 इलाके में स्थित एक गेस्टहाउस का कमरा किराये पर लिया था। गतदिवस उन्होंने गेस्टहाउस की तीसरी मंजिल से कूद कर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी। मृतक के कमरे से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उसने बृजेश यादव और पप्पू पर आत्महत्या के लिए विवश करने का आरोप लगाया है। पुलिस की सूचना पर मृतक के बेटे नितेश सिंह ने मौके पर पहुंच कर बताया कि उनके पिता आरके सिंह आइसक्रीम की फैक्ट्री चलाते थे। लाकडाउन में कारोबार में काफी घाटा हो गया था। इसके बाद उन्होंने बेकरी का काम शुरू किया। बेकरी के लिए बृजेश यादव से मशीनें लीं। आरोप है कि बृजेश ने उन्हें खराब मशीनें बेच दीं, जिससे उन्हें फिर घाटे का सामना करना पड़ा।

आरके सिंह द्वारा शिकायत करने पर बृजेश उन्हें धमकी देता था। उनके पिता का पप्पू नामक व्यक्ति से प्लाट को लेकर भी विवाद चल रहा था। पप्पू भी उन्हें प्रताड़ित करता था। नितेश के अनुसार शनिवार को उनके पिता पप्पू से मिलने की बात कहकर शाम को घर से निकले थे। इसके बाद एक बार उनकी फोन पर बात भी हुई थी। सुबह पुलिस ने उन्हें गेस्टहाउस की छत से छलांग लगाने की सूचना दी, तो वे मौके पर पहुंचे। कमरे से एक चाकू और खून भी मिला है। पुलिस का मानना है कि मृतक ने पहले नस काटने का प्रयास किया। सफल न होने पर छत से छलांग लगा दी।

प्रवीण मर्डर केस का आखिरी आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जून 2020 में हुए प्रशांत हत्याकांड का बचे हुए आखिरी आरोपी मंजीत को क्राइम ब्रांच डीएलएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी रेवाड़ी में किसी मुकदमे के चलते जेल में सजा काट रहा था जिसे प्रोडक्शन वारंट पर फरीदाबाद लाकर 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था जिसमें उससे वारदात में प्रयोग पिस्तौल बरामद किया गया है।

वर्ष 2018 में प्रशांत ने आरोपी व उसके साथियों को अवैध हथियार के मुकदमे में गिरफ्तार करवाया था जिसका बदला लेने के लिए जून 2020 में आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर प्रशांत की गोली मारकर हत्या कर दी थी। प्रशांत के भाई की शिकायत पर थाना एसजीएम नगर में हत्या, षड्यंत्र रचने और अवैध हथियार के जुर्म के तहत आरोपियों के खिलाफ मुकदमा नंबर 198 दर्ज किया गया था। प्रशांत की हत्या करने व आरोपियों को भगाने में आरोपी मंजीत, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के मास्टरमाइंड शार्पशूटर राहुल उर्फ सांगा उर्फ बाबा उर्फ सुन्नी, मनीष उर्फ मुल्ला, रोहित, भारत व आशीष उर्फ आशु का नाम शामिल था जिसमें मंजीत को छोड़कर बाकी सभी आरोपियों को अगस्त 2020 में गिरफ्तार किया गया था।

मोदी सरकार में किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित : राजेश नागर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

तिगांव से भाजपा विधायक राजेश नागर ने आज गांव घरौड़ा में करीब 80 लाख रुपये के विकास कार्यों की शुरुआत करवाई। जहां उनका गांववालों ने जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर राजेश नागर ने लोगों से कहा कि वह किसानों के मुद्दों पर किसी प्रकार के बहकावे में न आएं। हमारी मोदी सरकार किसानों को अपना अन्नदाता मानती है।

मोदी जी स्पष्ट कहते हैं कि वह किसानों की बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं। किसानों के हाथ में देश की तकदीर होती है। हम किसी भी प्रकार से किसानों को कष्ट नहीं दे सकते हैं। नागर ने कहा कि किसानों की आशंकाओं को मोदी सरकार ने निरंतर दूर किया है। उनकी हर आशंका को कानून में बदलाव करने की बात कही है और जब तक किसान पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो जाते, तब तक किसान बिल को लागू भी नहीं किया गया है। विधायक ने कहा कि किसानों के पीछे से कुछ देशविरोधी ताकतें कार्य कर रही हैं। उनका मकसद देश को विकास पथ पर ले जा रहे मोदी सरकार को डांवाडोल करना है। श्री नागर ने कहा कि ऐसे षड्यंत्र करने वाले लगातार बेनकाब हो रहे हैं।राजेश नागर ने गांववालों का उन्हें विधानसभा पहुंचाने पर धन्यवाद किया और आगे भी इसी प्रकार का सहयोग बनाए रखने की अपील की।

श्री नागर ने कहा कि आपके क्षेत्र में समुचित विकास होगा, इस बात की गारंटी केवल भाजपा सरकारें ही दे सकती हैं। उन्होंने गांव वालों की सरकारी स्कूल में ट्रेक निर्माण, डिसपेंसरी निर्माण, बेटियों के लिए ओपन जिम, पुस्तकालय, हाईमास्ट लाइट, पीएनजी गैस कनेक्शन, मंदिर से प्याऊ तक रास्ता बनाने आदि मांगों को भी जल्द पूरा करने की बात कही। इस अवसर पर पूर्व सरपंच रविश्वर त्यागी, संजय त्यागी, सुरेंद्र त्यागी, रूपचन्द नम्बरदार, चरण सिंह जोशी, जगबीर कसाना, सचिन त्यागी, अजय त्यागी, पूर्ण यादव आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

आरएमसी सड़क व पार्क के नवीनीकरण का शिलान्यास

फरीदाबाद। हरियाणा के परिवहन एवं खनन विभाग के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ स्मार्ट शहर बनने जा रहा है। शहर में हर भरे रोड के किनारे पेड़, आरएमसी रोडों के ऊपर दूधिया रोशनी, कैमरे, कॉलोनियों में सीवर और मीठा पानी देकर विकास कार्यों को पूरा किया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा रविवार को सेक्टर-2 में लगभग 65 लाख रुपये की धनराशि से बनाई जाने वाली आरएमसी सड़कों और पार्क के नवीनीकरण का शिलान्यास समारोह में उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहरलाल द्वारा बल्लभगढ़ में कराए गए विकास कार्यों को गिनाया और मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।

भाजपा की जनविरोधी नीतियां कार्यकर्ता करें उजागर : नागर

तिगांव विधानसभा क्षेत्र महिला कांग्रेस की कार्यकारिणी हुई घोषित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

महिला कांग्रेस की अध्यक्षा प्रियंका भारद्वाज कक्कड़ ने तिगांव विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व विधायक ललित नागर की सहमति के उपरांत तिगांव महिला कांग्रेस की कार्यकारिणी की घोषणा कर दी। इस दौरान पूर्व विधायक ललित नागर के सेक्टर-17 स्थित निवास पर पहुंची महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नागर ने नियुक्ति पत्र बांटते हुए सभी नवनियुक्त महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मुंह मीठा कराया और उम्मीद जताई कि वह संगठन को मजबूत करने के लिए एकजुटता से कार्य करेंगी। इस मौके पर महिला जिलाध्यक्ष प्रियंका भारद्वाज कक्कड़ ने बताया कि तिगांव महिला कार्यकारिणी में एक अध्यक्ष, चार उपाध्यक्ष, तीन महासचिव, कोषाध्यक्ष, सात सचिव नियुक्त किया गया है, जिनमें माया नागर को महिला कांग्रेस तिगांव विधानसभा क्षेत्र का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि सपना नागर, रजनी पाराशर, खुशबू ठाकुर, गीता सरदाना, आशा नागर को उपाध्यक्ष, मंजू सरदाना, प्रीति सरदाना, सरोज सरदाना को महासचिव, सरोज को कोषाध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी गई है तथा विशम्भरी नागर, संगम नागर, आशा रानी, दीपिका नागर, संतोष नागर, प्रियंका भारद्वाज, नसीमा शेख को सचिव नियुक्त किया गया है। इस मौके पर पूर्व विधायक ललित नागर ने महिला कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन पार्टी की रीढ़ होता है और पार्टी को सत्ता तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में प्रदेश की मनोहर सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है, चाहे महंगाई का मुद्दा हो या किसानों का या फिर बेरोजगारी का, सरकार की जनविरोधी नीतियों से आज हर वर्ग अपने आपको उपेक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता जन-जन में जाकर भाजपा का असली चेहरा लोगों के समक्ष उजागर करेंगे ताकि आने वाले चुनावों में इस गूंगी बहरी सरकार को सत्ता से बेदखल किया जा सके। इस अवसर पर महिला कांग्रेस अध्यक्षा प्रियंका भारद्वाज कक्कड़ ने कहा कि आज तिगांव विधानसभा क्षेत्र की कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है और जल्द ही फरीदाबाद की पांचों विधानसभाओं की कार्यकारिणी घोषित कर दी जाएगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि आज जिन महिलाओं को कार्यकारिणी में जगह दी गई है, वह कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने में कोई कसर बाकि नहीं छोड़ेंगी।

कोरोना से एक मौत, 24 पॉजिटिव से आंकड़ा 46041

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

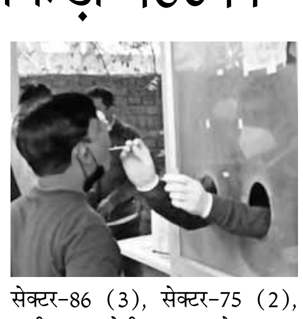

जिले में कोरोना के मामले लगातार सामने आ रहे है। रविवार को जिले में 24 मामले सामने आए हैं। जिससे कोविड-19 का आंकड़ा 46041 पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ पिछले 24 घंटे में एक मरीज की मौत और होने से जिले में मृतकों की संख्या का आंकड़ा जिले में 411 पर पहुंच गया। वहीं जिले में राहत की बात यह रही कि 17 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 98.5 प्रतिशत पर पहुंच गया।

यहां से पॉजिटिव

जिले में 24 पॉजिटिव में सेक्टर-3 (1), मच्छगर (1), बुआपुर (1), सेक्टर-55 (2), पर्वतीया कालोनी (1), जनता कालोनी (1), एनएच-5 (1), सैनिक कालोनी (1), सेक्टर-16 (2), सेक्टर-88 (2), सेक्टर-86 (3), सेक्टर-75 (2), राजीव कालोनी (2), सेक्टर-64 (3), धीरज नगर से (1) मरीज शामिल रहा।

यह है आंकड़ा

अब तक कुल जांच	: 483399
कुल पॉजिटिव	: 46041
अब तक नेगेटिव	: 435880
रिपोर्ट आनी शेष	: 1478
ऑक्सीजन पर है	: 7
वेंटिलेटर पर है	: 2
अब तक मौत	: 411
अब तक ठीक	: 45339

लोकतंत्र में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमाएं

अदालत द्वारा कृषि सुधार कानूनों को स्थगित किए जाने पर सार्वजनिक रूप से रुख अपनाने को लेकर सरकार के अनिच्छुक होने के बावजूद, सुधार समर्थकों में आक्रोश का भाव है।

स्वपन दासगुप्ता
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

जब तक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का अवलोकन नहीं किया जाता तब तक कृषि विपणन पर किए गए विधायनों को स्थगित करने का सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आलोचना का विषय बन गया है। यद्यपि सरकार की ओर से मौन रहने का विकल्प चुना गया है, पंजाब तथा हरियाणा में किसानों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले बहुत से संगठनों ने न्यायालय के आदेश की आलोचना की है, इस तथ्य के बावजूद कि यह परोक्ष रूप से उनके पक्ष में है, कम से कम कुछ समय के लिए। असंतुष्ट होने का के कारण भिन्न हो सकते हैं लेकिन विचार बिंदुओं का एक अस्वाभाविक संयोजन नजर आता है जिस पर विचार किया जाना चाहिए।

अदालत द्वारा स्थगन पर सार्वजनिक रुख अपनाने को लेकर सरकार के अनिच्छुक होने के बावजूद, सुधार समर्थकों में आक्रोश का भाव है। यह उस विश्वास से पैदा होता है कि अदालत ने स्पष्ट रूप से न्यायिक पुनरीक्षण संबंधी संवैधानिक आदेश का अतिक्रमण किया है। सामान्य परिस्थितियों में, अदालत प्रतिनिधियों द्वारा उचित ढंग से अधिनियमित विधायन की वैधानिकता का का परीक्षण दो आधारों पर करती है। सर्वप्रथम वो यह देखती है कि विधायन संविधान की भावना के अनुरूप है या नहीं। दूसरा, वह नैसगिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता पर विचार करने के लिए अपने दृष्टिकोण को विस्तारित कर सकती है। हालिया समय में, कुछ न्यायाधीशों की सोच में न्यायिक अंतरचेतना के सिद्धांत ने प्रवेश किया है। हालांकि, यह एक अस्पष्ट और पूर्णतय: आत्मपरक सिद्धांत है, तो ऐसे में इसे असामान्य मानकर नकार दिया जाना बेहतर होगा।

संविधान के सवाल पर, न्यायालय ने यह परीक्षण करने के इरादे से यह देखा होगा कि क्या केंद्र के पास एपीएमसी तथा अस्तित्वमान जमाखोरी नियमों का उन्मूलन करने के लिए विधायन करने योग्य संवैधानिक अधिकार है या नहीं। यह न्यायपालिका के क्षेत्राधिकार के बाहर है कि वह किसी विधायन की उपयुक्तता एवं बुद्धिमत्ता पर सवाल उठाए। यह शक्ति पूर्ण रूप से विधायिका को प्राप्त है, इस मामले में संसद के दोनों सदनों को। नए कानूनों की अच्छाइयों व बुराइयों पर बहस राजनीति के कार्यक्षेत्र में आती है। यद्यपि क वैचारिक संप्रदाय है जो मानता है कि राजनीतिक निर्णय क्रिय इतनी ज्यादा अहम होती है कि उसे निर्वाचित राजनीतिकों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता और वह बुद्धिमान लोगों के एक छोटे समूह द्वारा की जानी चाहिए, लेकिन इस विश्वास का लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है। न्यायिक पुनरावलोकन का सिद्धांत चयनात्मक होना चाहिए। यदि यह सर्वव्यापी बन जाएगा, तो देश का शासन अनिर्वाचित प्रतिनिधियों के हाथों में चला जाएगा।

भारतीय संविधान में जो निर्धारित किया गया है वो यह है कि कि सरकारों के पास तब तक बुरे निर्णय लेने का भी संपूर्ण अधिकार है जब तक वे संविधान के मूलभूत ढांचे का अतिक्रमण न करते हों। मूलभूत ढांचा क्या होता है यह मामला न्यायालयों ने अनधिकार से अपने हाथों में ले लिया है। इस विचार का संविधान में कहीं उल्लेख नहीं है।

उत्तर भारत में कृषि विधेयकों के खिलाफ सिलसिलेवार विरोध प्रदर्शन हुए हैं। हालांकि, मुझे नहीं लगता कि सही दिमाग से किसी ने सुझाव देने के लिए पहले से ही अनुमान लगा लिया हो कि राज्यों की सीमा पर अपने उत्पादों को बेचने का किसानों का अधिकार असंवैधानिक है। न ही कोई ऐसा सुझाव आया है कि संबंधित कानून को प्रशासित करने वाले नियमों में न्यूनतम समर्थन मूल्य को शामिल करना संवैधानिक रूप से अनिवार्य है। इस विषय पर बहस अंशत: अर्थशास्त्र एवं अंशत: राजनीति के इर्द-गिर्द घूमती है। तो लड़ाई वहां होनी चाहिए, अदालती कक्षों में नहीं।

शीर्ष न्यायालय ने विधेयक पारित होने की प्रक्रिया से पूर्व सार्वजनिक मंत्रणा के अभाव पर आलोचनात्मक टिप्पणियां की हैं। राजनीतिक रूप से, इन आपत्तियों में दम है, यद्यपि कहा जा सकता है कि वर्तमान में फैली महामारी ने ग्रामीण परिषदों को संपूर्ण भारत में इसकी अच्छाइयों व बुराइयों पर अधिक वाद विवाद करने की गुंजाइश नहीं छोड़ी। निर्वाचक स्तर पर भी, ऐसा नहीं लगता कि नए कानून बिहार तथा देश में होने वाले सिलसिलेवार उपचुनावों में मतदान के इरादों को प्रभावित करने वाले कारक रहे हैं, लेकिन संज्ञानात्मक रूप से मध्य प्रदेश और कर्नाटक में। न ही ऐसा हुआ है कि संसद में विधेयकों के कानून बन जाने में जल्दबाजी से देश के किसी हिस्से में किसान असंतोष भड़क गया हो, पंजाब और हरियाणा के अलावा। अर्थशास्त्रियों ने टिप्पणियां की हैं कि बड़े किसान जो विरोध प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे हैं, और पेशेवर प्रदर्शनकारियों को भाड़े पर लेकर बड़ी मात्रा में आवश्यक सामग्री के साथ प्रदर्शन कर रहे हैं और वे पेशेवर प्रदर्शनकारी वे हैं जिनका चुनावी राजनीतिक में विफलता का इतिहास रहा है, इनकी संख्या आय के परिप्रेक्ष्य में आठ प्रतिशत ही है और इन टिप्पणियों को चुनौती नहीं दी गई है।

भारत कोई जनमत संग्रहकारी लोकतंत्र नहीं है। लोकतंत्र उन निर्वाचित प्रतिनिधियों को जनमत को जानने की जिम्मेदारी देता है जिनको मिलने वाले जनादेश का समय-समय पर नवीनीकरण होता रहता है। जनहित को अक्षुण्ण रखना उनका दायित्व है, प्राय: बदलावों की पैरोकारी करके। अदालतों का काम है यह देखना कि विधि के शासन को अक्षुण्ण रखा जाए। जनहित की रक्षा एक उत्कृष्ट अवधारणा है लेकिन वह न्यायाधीशों के कार्यक्षेत्र से बाहर है।

कभी-कभी सह गलत समझ लिया जाता है कि न्यायालय द्वारा किया गया प्रत्येक उच्चारण कानून बन जाता है। यह भी मान लिया जाता है कि कानून सर्वोपरि है और पत्थर की लकीर है। ये दोनों विचार प्राय:, खासकर मीडिया में, भ्रामक निष्कर्षों का कारण बन जाते हैं। यथार्थ यह है कि कानून क्या है इसका निर्वचन प्राय: आत्मपरक उन्मुखताओं एवं न्यायाधीशों के व्यक्तिगत दर्शन पर निर्भर करता है। खंडपीठ द्वारा दिया गया निर्णय प्राय: नाटकीय ढंग से समान मामले में अन्य खंडपीठ द्वारा दिए गए निर्णय से भिन्न होता है। इसी वजह से अमेरिका में लिबरल और कंजरवेटिव न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर टकराव होता है। खंडपीठ का संघटन फैसले को रूप देगा, यद्यपि कहने का अर्थ यह नहीं कि न्यायाधीश जानबूझकर राजनीतिक हो जाते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय की प्रतिक्रियाओं ने एक बहस छेड़ दी है जो कि अनुदेशात्मक है। अब समय आ गया है कि बहस आगामी बजट सत्र में संसद की कार्यवाहियों में परिलक्षित हो। भारत को उथल-पुथल वाली राजनीति का मुकाबला करने के लिए न्यायिक निश्चितता के मापन की आवश्यकता है।

निजता का महत्व
व्हाट्सऐप प्रकरण

आप यह नहीं चाहेंगे कि आनलाइन जो कुछ देखना चाहें, उसके सिवा कुछ और भी दिखाई दे। लेकिन ऐसा होता है। वाट्सएप की नई निजता नीति मूलत: फेसबुक को एक रास्ता देती है कि वह इस मैसेजिंग एप पर आने वाले संदेशों का लाभ उठा सके। एक स्तर पर यह मैसेजिंग सेवा के ग्राहकों को मुफ्त सेवा का अनुभव करा सकता है और फेसबुक के एल्गोरिद्म उसी प्रकार संदेशों को पढ़ते हैं जैसे गूगल के एल्गोरिद्म जीमेल पर भेजी व प्राप्त की जाने वाली हर ईमेल के साथ करते हैं। ईमेल के लिए गूगल सेवा का प्रयोग अधिकांश लोग करते हैं और टेक् जायंट कंपनी फेसबुक व ट्विटर समेत सभी जगह हमारे कामकाज की खबर रखती है। ऐसे में नई निजता नीति पर अचानक मचे शोरशराबे का कोई खास अर्थ नहीं है। क्या फेसबुक और वाट्सएप इस प्रकरण में बेहतर व्यवहार नहीं कर सकते थे? उनको ऐसा करना चाहिए था क्योंकि अनेक भारतीय अन्य मेसेजिंग सेवाओं और एपों पर आने वाले सप्ताहों में चले जाएंगे तथा उनमें से कुछ कम से कम वर्तमान समय में निजता सुनिश्चित करते हैं। फेसबुक व ट्विटर तथा वाट्सएप जैसी सेवाओं का एक प्रकार का 'नेटवर्क' प्रभाव है, ऐसे में कोई ऐसी सेवा प्रयोग करना आसान नहीं है जिसका प्रयोग आपके ज्यादा मित्र व संबंधी न करते हों। इस कारण बहुत से लोगों ने भले ही सिग्नल को डाउनलोड किया हो और वे इसकी चर्चा करते हों, लेकिन इसका प्रयोग अभी व्यापक नहीं हुआ है। दीर्घकालीन रूप से इसका वाट्सएप पर ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा, हालांकि उसे थोड़ा नुकसान होगा। संभावना है कि निजता की नीति पर गंभीर रूप से विमर्श करने के बाद बहुत से समूहों को काफी मात्रा में दुष्प्रचार से निपटना पड़े। उनमें से कुछ अपने परंपरागत 'गुड मार्निंग' व 'गुड इवनिंग' संदेशों को विदा कर सकते हैं। एक स्तर पर एक व्यक्ति के रूप में यह निजता की हमारी समझदारी पर निर्भर करता है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में पश्चिमी देशों की तरह व्यक्तिगत निजता की समझदारी का ज्यादा स्थान नहीं है। यदि किसी को वास्तव में अपनी निजता की ज्यादा चिन्ता हो तो उसे संभवत: ज्यादा बेहतर हार्डवेयर उपकरणों का प्रयोग करना चाहिए। उदाहरण के लिए चीनी ब्रांड वाले एंड्रायड फोनों की तुलना में आईफोन बेहतर मैसेजिंग व ईमेल सेवायें उपलब्ध कराते हैं। यह समझ भी होनी चाहिए कि मुफ्त कही जाने वाली सेवा का भी भुगतान करना होता है क्योंकि एक पुरानी कहावत के अनुसार सब कुछ मुफ्त नहीं मिलता है। जहां तक तकनीक प्रयोग का सवाल है निजता की एक कीमत होती है और जब व्यक्तिगत निजता का मामला हो तो यह अवधारणा और संकुचित होती है। वैसे भी आमतौर से भारतीयों को निजी चीजों को अलग रखने की बात समझाना बहुत आसान नहीं है। उदाहरण के लिए, अनेक पश्चिमी देशों में संरक्षक की अनुमति के बिना बच्चों की तस्वीरें नहीं प्रकाशित की जा सकती हैं। लेकिन भारत में कोई ऐसा करने के पहले कुछ नहीं सोचता है। याद करें कि भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और और उनकी अभिनेत्री पत्नी अनुष्का देश में सर्वाधिक प्रचलित फोटोग्राफ वाले युगल थे। हाल ही में उनको लोगों से अपील करनी पड़ी है कि उनकी नवजात बेटी की फोटो प्रचारित न की जाए। इसका सरल कारण यह है कि अक्सर फोटोग्राफर 'पेशे की जरूरतों' व निजता के उल्लंघन के बीच की सीमारेखा तोड़ सकते हैं। दूसरी ओर पश्चिमी दुनिया के एक मामले पर गौर करें। हालीवुड अभिनेता जार्ज क्लूनी ने अनेक लोगों पर इसलिए मुकदमा कर दिया क्योंकि वे उसके विला की दीवाल पर चढ़ कर उसके बच्चे की फोटो खींच रहे थे। भीड़ से भरे भारत में निजता एक प्रकार की खास चीज है और यदि हम इसे चाहते हैं तो इसके लिए खर्च करना होगा। उदाहरण के लिए हमारे पास रहने के लिए बड़ा घर और ऊंची चहारदीवारी होनी चाहिए। यदि हम इंटरनेट पर अपने लिए विशिष्ट स्थान चाहते हैं तो उसके लिए भी भुगतान करना होगा।

कोरोना निरोधक टीकाकरण अभियान

"टीकाकरण के दौरान तथा उसके बाद कोविड प्रोटोकाल बनाए रखना बहुत जरूरी है। टीका उपलब्ध हो जाने का अर्थ वायरस खत्म हो जाना नहीं है।"

राजेंद्र धमीजा
(लेखक न्यूरोलॉजिस्ट हैं)

भारत में कोविड-19 के खिलाफ पहले चरण का टीकाकरण अभियान शुरू हो गया है। यह महामारी के खिलाफऐतिहासिक कदम है। लगभग एक साल पहले वूहान से केरल आए तीन छात्र कोविड संक्रमित पाए गए थे। इसके बाद से लगभग 1.51 लाख लोग इससे अपनी जान गंवा चुके हैं तथा 1.05 करोड़ लोग संक्रमित हुए हैं। वर्ष 2020 लंबे समय तक मृतकों, आजीविका खोने वालों, बरबाद बिजनेसों व बेरोजगारों तथा वेतन कटौतियों के लिए याद किया जाएगा जो आम चीजें बन गईं। अनेक देशों में राजनीति ने विज्ञान को अनदेखा किया और उनको इसका भारी खामियाजा भुगतना पड़ा। कोरोना प्रोटोकाल लागू करने में विलंब के कारण वहां अनेक लोगों की असमय मौत हुई तथा लोग बीमार पड़े। इनमें मास्क पहनना, सोशल डिस्टेंसिंग, हाथों की सफाई तथा आवागमन पर नियंत्रण शामिल हैं।

भारत में भी ठंडक व प्रदूषण के कारण कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ी, हालांकि महामारी से संभवित संक्रमितों की संख्या का गलत अनुमान भी लगाया गया। जीवन बचाने के लिए अनेक प्रकार की चिकित्सा का प्रयोग हुआ जिनमें से अनेक के कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं थे तथा कुछ को इसी कारण वापस लिया गया। संक्रमण बढ़ने के साथ ही उससे काफी सबक सीखे गए तथा दुनिया के विभिन्न भागों में विज्ञान और तकनीक ने इसमें अपनी भूमिका निभाई। इसके परिणामस्वरूप शारीरिक दूरी व प्रथक्वास, खासकर वृद्धों, जोखिम वाले समूहों, विकलांगों तथा अन्य बीमारियों वाले लोगों के प्रथक्वास ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके कारण अनेक मानसिक स्वास्थ्य समस्यायें पैदा हुईं। यह न केवल मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से, बल्कि बीमारों के लिए तनाव का कारण बना। दो कोरोना वैक्सीनों से टीकाकरण शुरू होना भारत में महामारी से लड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कोवैक्सिन व कोवीशील्ड का प्रयोग टीकाकरण के पहले चरण में हो रहा है तथा तीन करोड़ लोगों के प्राथमिकता समूह को टीके लग रहे हैं। टीकाकरण कार्यक्रम में आनलाइन डिजिटल प्लेटफार्म को-विन का प्रयोग हो रहा है जिसका विकास स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने किया है। इससे वैक्सीन भंडार, भंडार के तापमान तथा लाभार्थियों की व्यक्तिगत निगरानी सरल हो जाएगी। इसका प्रयोग सभी स्तरों पर टीकाकरण कार्यक्रम की निगरानी में हो रहा है। सही दिशा में किया जा रहा यह अभियान स्वागत योग्य है। इससे मानवजाति को एक संकट से मुक्ति पाने में सहायता मिलेगी। वैक्सीनों के प्रयोग ने अतीत में अनेक बीमारियों से मुक्ति दिलाई है। कोरोना वायरस की वैक्सीन एक साल से भी कम समय में आई जिसे पहले असंभव माना जाता था। यह वैश्विक प्रयासों तथा वैज्ञानिकों व विभिन्न देशों के बीच सहयोग का परिणाम है। भारत का टीकाकरण कार्यक्रम बहुत बड़ी जनसंख्या के कारण एक चुनौती है, इसके अलावा जनसंख्या के अनेक हिस्सों में इसके प्रति संदेह की भावना है। हमारे जैसे देशों के लिए जरूरी है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत हो तथा सभी देशों में स्वास्थ्य ढांचा मजबूत किया जाए। सभी जानते हैं कि वैक्सीन कोविड-19 संक्रमण रोकने में केन्द्रीय भूमिका अदा करती है और असुरक्षित लोग संक्रमण फैला सकते हैं। इसलिए हमें ज्यादा से ज्यादा जनसंख्या का टीकाकरण करना होगा। निश्चित रूप से यह टीका टीकाकरण किए लोगों में बीमारी का प्रसार रोकेगा, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि बाकी लोगों में संक्रमण फैलने में यह कहां तक विराम लगाएगा। महामारी विशेषज्ञों के अनुसार हमें जनसंख्या के कम से कम 60-70 प्रतिशत लोगों का टीकाकरण करना होगा ताकि 'हर्ड इम्यूनिटी' विकसित हो सके। हमें अधिकाधिक लोगों को टीका लगाने का प्रयास करना होगा तथा लोगों में वैक्सीन के लाभों के प्रति जागरूकता पैदा कर उनमें व्याप्त आशंकायें दूर करनी होंगी। प्राथमिकता का ध्यान रखते हुए वैक्सीन की उपलब्धता बहुत सहज होनी चाहिए। जनता को सटीक संप्रेषण भी बहुत जरूरी है ताकि सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से फैलाई जाने वाली अफवाहों पर विराम लगाया जा सके। संभावना है कि टीका लगवाने के बाद लोग लापरवाही बरतने लगें। सभी वैक्सीनों को इम्यूनिटी पैदा करने में कम से कम 6 सप्ताह का समय लगता है। इसलिए टीका लगवाने के समय तथा उसके बाद सभी कोविड प्रोटोकाल का पालन सबसे ज्यादा जरूरी है। दो बार टीके लगने के बाद भी महीनों या सालों तक इन प्रोटोकालों का पालन लाभदायक होगा। हमें इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों को अपने व्यवहार में समाहित करना होगा। टीका आने के बाद भी हमें वायरस के साथ रहना सीखना होगा। वैक्सीनों से लोगों का जीवन बचेगा, लेकिन वायरस बना रहेगा।

आप की बात

बिकते सरपंचों के पद

लोकतंत्र मर्यादा और मान्यताओं का एक आदर्श प्रतीक है जिनकी रक्षा न केवल इस के हित में वरन राजनीति और उसके किरदारों के भविष्य के लिए भी जरूरी है। यदि लोकतंत्र सुरक्षित है तो यह मान लेना चाहिए कि सब कुछ महफूज है मगर इस पर आने वाली आज से कुछ भी बचने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। महाराष्ट्र में सरपंच पद के लिए लगी करोड़ों की बोली लोकतंत्र को शर्मसार करने के लिए काफी है। चुनाव आयोग ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो। इन दिनों महाराष्ट्र में पंचायत चुनाव का माहौल है। स्थानीय समस्याओं और अपने हितों के लिए ठाणे जिले के 14 गांव पंचायत चुनावों का बहिष्कार कर रहे हैं तो नासिक और नंदुरबार जिलों में लोकतंत्र को शर्मसार करने की घटना सामने आई है। यहां की मशहूर प्याज मंडी में उमरेन के सरपंच पद की नीलामी दो करोड़ तक पहुंची तो खोंडामाली गांव के सरपंच का पद 42 लाख में बिका। दिसंबर माह की घटना के सोशल मीडिया पर आते ही प्रशासन में खलबली मचना स्वाभाविक ही है। चुनाव आयोग ने ग्राम पंचायतों का चुनाव रद्द कर दिया है मगर बात इससे बनने वाली नहीं है।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

लीथियम रिफायनरी

अभी हाल ही में गुजरात में देश की पहली लिथियम रिफाइनरी स्थापित की जाएगी। भारत में लिथियम का उत्पादन करने के लिए निमलटेल्स और मणिकरण पावर लिमिटिड द्वारा यह समझौता किया गया। यह हमारे लिए एक बहुत अच्छी ख़बर है। बताते चले कि रिफाइनरी में लिथियम को प्रोसेस करने का काम किया जाएगा। लिथियम की भारत में भविष्य में अनेकों फायदे देने की संभावना है। भारत में लिथियम की मांग परिवहन के विद्युतीकरण और नवीन ऊर्जा के भंडारण से प्रेरित है। ये सचमुच आगे चलकर हमारे बहुत काम आएंगे। लिथियम एक दुर्लभ तत्व है और यह भारत में नहीं पाया जाता है। खास बात यह है कि भारत ने साल 2030 तक इलेक्ट्रिक वाहन संख्या को 30 प्रतिशत तक लगभग बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कदम लिया है उसके लिए भारत को अपनी प्रौद्योगिकी और फैक्ट्रीज में नवाचार की बहुत अधिक संभावना होगी जिसके लिए उसे नई नई खोजे करनी होंगी और लिथियम रिफाइनरी का खुलना इनमे से ही एक है। इससे भारत को अपने समावेशी विकास की तरफ अग्रसर होने में मदद मिलेगी। भारत में लिथियम अत्यधिक महंगा भी है तो यह रिफाइनरी बनने से वह सबको पहुंच भी सकेगा।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

स्वदेश निर्मित तेजस

बड़े विद्वानों ने कहा है कि अगर आप शांति चाहते है तो युद्ध के लिए तैयार रहे। शौर्य, पराक्रम और साहस का प्रतीक तेजस, अब भारत में बनने की ओर बढ़ चला है। देश की आन, बान और शान को नई ऊंचाई देने वाला, दुश्मनों को उसी भाषा में अचूक जवाब देने वाला, 83 लड़ाकू विमानों को भारत के कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है।बताया जा रहा कि लगभग 48 हजार करोड़ रुपए की लागत से, देश में तेजस का निर्माण वर्ष 2024 तक संपन्न होगा। अत्याधुनिक तकनीक से लैस, लेज़र सुविधा, रडार और रॉकेट, बम से भी वार करने में सक्षम है।इस लड़ाकू विमान की लंबाई 13.2 मीटर, पंख की चौड़ाई 8.2 मीटर वहीं इसकी ऊंचाई 4.4 मीटर है।तेजस का वजन लगभग 12 टन होगा और इसके साथ ही इसमें वीवीआर मिसाइल की भी सुविधा से लैस होगा। तेजस के डिजाइन और वास्तु कला में 1202 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।इसकी सर्वाधिक रफ्तार लगभग 1350 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी। 83 तेजस में से 10 ट्रेनिंग के लिए उपलब्ध होंगे जबकि अन्य 73 देश के कोने में पैनी नजर बनाए रखेंगे।

– **अमन जायसवाल**, दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

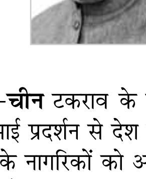

कुछ देशों की जनसंख्या तीन करोड़ से कम है लेकिन भारत में पहले चरण में ही अधिकतम लोगों का टीका करण किया जा रहा है।

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

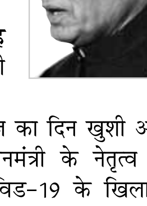

भारत-चीन टकराव के दौरान हमारी सेना ने अपने करिश्माई प्रदर्शन से देश का मनोबल बढ़ाया है और भारत के नागरिकों को अपना सिर ऊंचा रखने योग्य बनाया है।

– **राजनाथ सिंह**
रक्षा मंत्री

देश की जनता के लिए आज का दिन खुशी और रोमांच से परिपूर्ण है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में टीकाकरण का आगाज़ कोविड-19 के खिलाफ निर्णायक प्रहार सिद्ध होगा।

– **योगी आदित्यनाथ**
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

बुंदेलखंड को मिलेगी नई पहचान, रुकेगा पलायनः योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● मुख्यमंत्री ने किया स्ट्रॉबेरी महोत्सव का वर्चुअल शुभारंभ, कहा बुंदेलखंड में स्ट्रॉबेरी का उत्पादन किसी चमत्कार से कम नहीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि बुंदेलखंड में स्ट्रॉबेरी का उत्पादन किसी चमत्कार से कम नहीं है। स्ट्रॉबेरी की खेती अब बुंदेलखंड को एक नई पहचान दिलाएगी। यहां के लोगों का पलायन रोकेगी। मुख्यमंत्री ने रविवार को अपने आवास से झांसी में हो रहे स्ट्रॉबेरी महोत्सव का वर्चुअल शुभारंभ करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि जिस तरह से स्ट्रॉबेरी की खेती को बढ़ावा देने के लिए स्ट्रॉबेरी महोत्सव आयोजित हो रहा है। उसी तर्ज पर सिद्धार्थनगर में कालानमक और चंदौली, बाराबंकी, कौशांबी और प्रयागराज के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए भी महोत्सव आयोजित किए जाने चाहिए।

झांसी में पहली बार स्ट्रॉबेरी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज से करीब एक महीने तक चलने वाले इस महोत्सव के आयोजकों के साथ ही झांसी के सांसद, विधायक तथा प्रदेश सरकार के मंत्रीगण व अधिकारियों को इस बड़े आयोजन के लिए अपनी शुभकामना भी दी।

योगी ने कहा कि झांसी में हुआ स्ट्रॉबेरी का उत्पादन और यहां हो रहा स्ट्रॉबेरी महोत्सव चमत्कार से कम नहीं है। बुंदेलखंड के बारे में प्रदेश और देश की जो धारणा थी, उसे बदलने में यह महोत्सव अहम भूमिका निभाएगा। यहीं नहीं झांसी में हुई स्ट्रॉबेरी की खेती बुंदेलखंड को एक नई पहचान दिलाने का काम करेगी।

झांसी में स्ट्रॉबेरी का उगाया जाना हमारे बुंदेलखंड के किसानों के परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड में स्ट्रॉबेरी का उत्पादन कार्य घर की छत से प्रारम्भ किया गया था। इसके बाद इसे वहां के खेतों में रोपित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड के नागरिकों में कार्य करने की दृढ़ इच्छाशक्ति है। यहां की उर्वरा भूमि में सोना उगलने की क्षमता है लेकिन कुछ समय पहले तक इस प्रतिभा को उचित मंच नहीं मिल पा रहा था। जिसके चलते यहां के लोगों को पलायन करना पड़ता था। हमने यहां के लोगों को उचित माहौल देने का बीड़ा उठाया। बुंदेलखंड की पिछड़े क्षेत्र के रूप में स्थापित छवि को समाप्त कर विकास की नई धारा शुरू की। वर्षों से रुकी पड़ी सिंचाई परियोजनाओं को शुरू कराया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा स्ट्रॉबेरी महोत्सव पूरे बुंदेलखंड के किसानों के लिए नई प्रेरणा का केंद्र बिंदु बनेगा। हम खेती को ड्रिप इरिगेशन प्रणाली से जोड़कर आज की क्षमता से तीन गुना अधिक सिंचाई क्षमता विकसित कर सकते हैं।

सड़क सुरक्षा के नियमों का सख्ती से पालन होः सीएम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्दी के मौसम में कोहरे आदि के दृष्टिगत अधिकारियों को सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षकों को अपने जनपद के दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों में सुरक्षित आवागमन के लिए सभी जरुरी प्रबन्ध करने को कहा हैं।

मुख्यमंत्री रविवार को अपने सरकारी आवास पर विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश में कामन सर्विस सेन्टर की संख्या में वृद्धि करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे नागरिकों को शासकीय सेवाएं उनके निवास स्थान के समीप बेहतर ढंग से सुलभ हो सकेंगी तथा उनके समय व धन की बचत भी होगी। नए कामन सर्विस सेन्टर का संचालन प्रारम्भ हो जाने पर शहरी, अर्धशहरी क्षेत्रों से लेकर प्रदेश की सुदूर ग्राम पंचायतों तक बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ना हमारे प्रदेश की एक महत्वपूर्ण नकदी फसल है। वर्तमान में 45 लाख से अधिक गन्ना किसानों द्वारा गन्ना की खेती की जा रही है। राज्य सरकार के निरन्तर प्रयासों से गन्ना उत्पादन में वृद्धि हुई है। उन्होंने गन्ना किसानों को बुआई के लिए उच्च गुणवत्ता वाली फसलें उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के भवन निर्माण के लिए तेजी से कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। इससे प्राधिकरण को अपने कार्य बेहतर ढंग से संचालित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि विभिन्न आपदाओं से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों को प्राधिकरण द्वारा चिन्हित किया जाए। चिन्हित क्षेत्रों के निवासियों को आपदा के समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक किया जाए। बैठक में मुख्य सचिव आरके तिवारी, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक हितेश सी अवस्थी, अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद तथा सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राजधानी के दिलकुशा स्थित सरकारी आवास पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट करते उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

अब 15 फरवरी को दी जाएगी दूसरी डोज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● बचे स्वास्थ्यकर्मियों का 22 जनवरी को होगा वैक्सीनेशन

एक दिन पूर्व सूबे में 22,643 डॉक्टरध्स्वास्थ्य कर्मियों को वैक्सीन की पहली डोज लगने के बाद शेष स्वास्थ्यकर्मियों का 22 जनवरी को वैक्सीनेशन होगा। जबकि पहली डोज वाले डॉक्टर-स्वास्थ्य कर्मियों को 15 फरवरी को दूसरी डोज लगाई जाएगी।

अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कुल 317 स्थानों पर वैक्सीनेशन का कार्य किया जा रहा है जिसमें कल 22,643 डॉक्टर-स्वास्थ्य कर्मियों को वैक्सीन की प्रथम डोज लगाई गई। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन के सम्बंध में किसी भी प्रकार का भ्रम न रखें। सर्वप्रथम स्वास्थ्य कर्मियों को वैक्सीन लगाया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन एवं क्रम के अनुसार कोविड वैक्सीनेशन का कार्य संचालित किया जा रहा है। इसमें किसी भी प्रकार का कोई भी बदलाव नहीं किया जायेगा। प्रसाद ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश में कोविड संक्रमण को नियंत्रित करने की योजना कारगर सिद्ध हो रही है। जिसके क्रम में प्रदेश में कोविड 19 के एक्टिव केसों की संख्या 9000 से कम आ गयी है। उन्होंने बताया कि मार्च 2020 में जहां कोविड.19 की टेस्टिंग 72 प्रतिदिन हो रही थी, उसे बढ़ाकर 1,80,000 प्रतिदिन किया गया। इसके साथ साथ प्रदेश में सर्विलांस का नया प्रयोग कर प्रत्येक परिवार तक पहुंच कर उनका हालचाल लेते हुए कोविड संक्रमण के लक्षण की जानकारी ली जा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक 2.62 करोड़ से अधिक कोविड के टेस्ट तथा 15.20 करोड़ से अधिक लोगों से सम्पर्क कर कोविड संक्रमण की जानकारी ली गयी है। अभियान के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश की 24 करोड़ जनसंख्या में से 17.80 करोड़ परिवार तक पहुंचकर हालचाल जाना गया है अथवा उनका कोविड टेस्ट कराया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब संक्रमण कम हो रहा है, फिर भी कोविड 19 के टेस्ट 1,25,000 से कम नहीं किये जा रहे हैं।

विधान परिषद चुनावः भाजपा प्रत्याशी आज करेंगे नामांकन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधान परिषद के लिए बीजेपी के सभी दस प्रत्याशी सोमवार को नामांकन के अंतिम दिन पर्चा दाखिल करेंगे। नामांकन विधान भवन स्थित राजर्षि पुरूषोत्तम दास टंडन हाल में होगा। नामांकन के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह समेत योगी मंत्रिमंडल के सदस्य और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। जिन लोगों का नामांकन होगा उनमें स्वतंत्र देव सिंह, डा दिनेश शर्मा, लक्ष्मण आचार्य, अरविंद कुमार शर्मा, कुंवर मानवेंद्र सिंह, सलिल विश्नोई, गोविन्द शुक्ला, अश्वनी त्यागी, धर्मवीर प्रजापति तथा सुरेंद्र चौधरी शामिल हैं।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जताया शोक

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने हिंदी दैनिक पायनियर दिल्ली की स्थानीय संपादक उषा श्रीवास्तव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की है।

सद्भावना क्रिकेट मैच में राजभवन ने लविवि को हराया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम और राजभवन की क्रिकेट टीम के बीच रविवार को एक सद्भावना क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया था। टॉस जीतकर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। जल्द ही बहुत रोमांचक खेल शुरू हुआ और राजभवन की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन दिखाते हुए 12 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 72 रन एकत्रित किए। राजभवन की ओर से कप्तान अशोक देसाई ने सर्वाधिक 44 रन बनाए। लखनऊ विश्वविद्यालय ने भी बढ़िया गेंदबाजी की और शानदार क्षेत्ररक्षण किया। विश्ववद्यालय टीम से विपुल मिश्रा ने 3 ओवर में मात्र 10 रन देकर 2 विकेट और राजीव ने 3 विकेट चटकाए। जवाबी पारी में लखनऊ विश्वविद्यालय को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। लखनऊ विश्वविद्यालय ने 11.3 ओवरों में सभी विकेट खोकर केवल 29 रन बनाये। राजभवन की ओर से प्रभाकर पांडेय ने सर्वाधिक 2 विकेट लिए और 4 खिलाड़ी रन आउट हुए। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से डॉ विद्यानंद त्रिपाठी ने सर्वाधिक 6 रन बनाए। मैच संपन्न होने के बाद राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दोनों दलों को एक शानदार सद्भावना मैच के लिए बधाई दी और कहा कि ऐसे खेल कूद के माहौल से मन और शरीर दोनों जगह स्फूर्ति का संचार होता है। उन्होंने दोनों दलों के प्रदर्शन से खुश होकर विजयी दल के लिए 1 लाख रुपए का और पराजित दल के लिए 51 हज़ार की राशि के पुरस्कार की घोषणा की।

केन्द्र की गाइड लाइन पर ही हो टीकाकरणः मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड-19 के वैक्सीनेशन कार्य को केन्द्र सरकार की गाइडलाइन्स के अनुरूप संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होने कहा है कि इसमें किसी भी प्रकार का कोई भी बदलाव न किया जाए।

मुख्यमंत्री रविवार को अपने सरकारी आवास पर अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने वैक्सीनेशन कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि प्रदेश में 22,643 लोगों को अब तक कोरोना वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण की दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज किए जाने के बावजूद वर्तमान में भी पूरी सतर्कता बरतना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोगों को कोविड-19 से बचाव के सम्बन्ध में निरन्तर जागरूक किया जाए। उन्होंने कोविड चिकित्सालयों में सभी आवश्यक दवाओं, मेडिकल उपकरणों तथा बैकअप सहित ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। कोविड 19 संक्रमण की चेन को तोड़ने में टेस्टिंग कार्य की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने पूरी क्षमता के साथ टेस्टिंग कार्य को संचालित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्विलांस सिस्टम तथा कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग का कार्य प्रभावी ढंग से जारी रखा जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिक से अधिक पात्र लोगों को आयुष्मान भारत योजना से लाभान्वित किया जाए। बैठक में यह जानकारी दी गई कि 15 दिसम्बर से 15 जनवरी तक प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के कार्ड तैयार करने का विशेष अभियान संचालित किया गया। एक माह के इस अभियान के दौरान आयुष्मान भारत योजना के 10 लाख 36 हजार से अधिक कार्ड बनाए गए हैं। बैठक में मुख्य सचिव आरके तिवारी, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक हितेश सी अवस्थी, अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा रजनीश दुबे तथा सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सूबे में बीते 24 घण्टे में कोरोना के 404 नए मामले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 404 नये मामले आये हैं। प्रदेश में 8881 कोरोना के एक्टिव मामलों में से 3210 लोग होम आइसोलेशन में हैं। 3,49,456 लोग होम आइसोलेशन में गये थे जिनमें से 3,46,246 लोगों ने अपनी होम आइसोलेशन की अवधि पूर्ण कर ली है। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कल एक दिन में कुल 1,28,073 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 2,62,14,905 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में विगत 24 घण्टों में 666 तथा अब तक कुल 5,79,071 लोग कोविड.19 से ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। कोविड.19 से रिकवरी का प्रतिशत 97.07 है। प्रदेश में सर्विलांस टीम के माध्यम से 1,83,141 क्षेत्रों में 5,07,218 टीम दिवस के माध्यम से 3,12,88,971 घरों के 15,20,60,964 जनसंख्या का सर्वेक्षण किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ई.संजीवनी के माध्यम से 24 घंटे में 4,693 लोगों ने चिकित्सीय परामर्श लिया है। प्रसाद ने बताया कि 15 दिसम्बर, 2020 से 15 जनवरी, 2021 तक आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत गोल्डन कार्ड बनाये जाने का अभियान चलाया गया था, जिसमें 10,36,684 नये गोल्डन कार्ड बनाये गये हैं। 3.77 लाख ऐसे परिवार को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा गया है, जिनके परिवार में किसी का भी गोल्डन कार्ड नहीं बना था। उन्होंने सभी लोगों से अपील की है कि जब तक वैक्सीन की दोनों डोज लग नहीं जाती तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित नहीं हो जाती तब तक कोविड.19 के प्रोटोकाल का पालन अवश्य करें।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 6,779 मरीजों को मिला चिकित्सकीय लाभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सूबे में कोरोना के संक्रमण के काबू में आने के बाद रविवार को दूसरी बार मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले का आयोजन राजधानी के सभी 80 शहरी एवं ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर किया गया। मेले में काफी संख्या में मरीजों ने दिखाकर स्वास्थ्य का हाल जाना और चिकित्सकीय सहायता भी ली।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. संजय भटनागर ने गोसाईगंज ब्लाक की गंगागंज एवं कटरा बक्कास पीएचसी पर आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का निरीक्षण किया और आरोग्य मेले में दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। इस मौके पर सीएमओ ने कहा कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेले के माध्यम से आम लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएँ उनके घर के समीप ही दी जा रही हैं। बीमारी के इलाज करने से बेहतर है उसका बचाव। इसलिए यदि बीमारी के बारे में समय से पता चला जाए तो इलाज बेहतर हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस इस मेले के माध्यम से गर्भावस्था एवं प्रसवकालीन परामर्श और जरूरी सेवाएं, परिवार नियोजन के स्थायी व अस्थायी साधनों के बारे में जानकारी देने के साथ ही उनके फायदे भी बताये जा रहे हैं। ओपीडी सेवाओं के साथ ही टीबी, मलेरिया, डेंगू, दिमागी बुखार, कालाजार, फाइलेरिया एवं कुष्ठ रोग से सम्बंधित जानकारी, आवश्यक जांच, उपचार और रेफर की सुविधाएँ दी जा रही हैं। साथ ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) एवं मुख्यमंत्री आरोग्य अभियान की जानकारी देने के साथ ही गोल्डन कार्ड का वितरण किया जा रहा है।

डा संजय भटनागर ने बताया कि इन मेलों के द्वारा पूर्ण टीकाकरण, उसके बारे में परामर्श दिया जा रहा है। बच्चों में डायरिया व न्यूमोनिया के रोकथाम, बचाव और उपचार की जानकारी और सुविधाएं भी दी जा रही हैं। इसके अलावा कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर उनके उपचार के लिए समुचित कार्यवाही की जा रही है। आरोग्य मेले का आयोजन कोरोना से बचाव के सभी प्रोटोकॉल्स के साथ किया जा रहा है। साथ में एंटीजन टेस्ट की सुविधा भी उपलब्ध है। आज आयोजित स्वास्थ्य मेले में कुल 6,779 मरीज पंजीकृत हुए, जिसमें पुरुष मरीज 2802, महिला मरीज 2992 व 985 बच्चे थे। इस अवसर पर 609 गोल्डन कार्ड बने।

उप्र उच्च शिक्षा परिषद ने विशेषज्ञों से मांगे फीडबैक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत परिषद की वेबसाइट पर अपलोड 14 पाठ्यक्रमों को लेकर उप्र उच्च शिक्षा परिषद ने विशेषज्ञों से फीडबैक मांगे हैं। साथ ही कोर्स की उपयोगिता को लेकर सुझाव भी मांगे हैं।

नई शिक्षा नीति 2020 के आने से पूर्व राज्य सरकार ने नया पाठ्यक्रम तैयार कराकर उसे लागू कराने की जिम्मेदारी उच्च शिक्षा परिषद को दी है। इससे पहले प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों में स्नातक स्तर पर 70 प्रतिशत समान पाठ्यक्रम लागू करने की पूरी तैयारी कर ली गई थी। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर के कुलपति प्रो. सुरेन्द्र दुबे की अध्यक्षता में बनाई गई कमेटी ने अलग अलग विषयों का पाठ्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी अलग अलग विश्वविद्यालयों को सौंपी थी। पाठ्यक्रम भी तैयार करा लिया गया था। इस बीच नई शिक्षा नीति लागू हो जाने के कारण पाठ्यक्रम को उसके अनुसार संशोधित करने का फैसला किया गया। अब संशोधित पाठ्यक्रम परिषद की वेबसाइट पर अपलोड किया जा रहा है। इस पर लोगों के सुझाव लेकर उसे अंतिम रूप दिया जाएगा। शासन की मंशा है कि राज्य विश्वविद्यालयों में स्नातक स्तर पर 70 प्रतिशत समान पाठ्यक्रम हो। राज्य विश्वविद्यालयों को यह छूट दी जाएगी कि वह चाहे तो शत प्रतिशत पाठ्यक्रम अपना ले या अपने हिसाब से पाठ्यक्रम में 30 प्रतिशत बदलाव कर ले।

फर्जी तरीके से छात्रवृत्ति दिलाने के नाम पर रुपए हड़पने वाला जालसाज गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स एसटीएफ ने विभिन्न पाठ्यक्रमों कोर्स के छात्रों को छात्रवृत्ति दिलाने के नाम पर फर्जी तरीके से अपने खाते में रुपए मंगाने वाले एक जालसाज को गोरखपुर से गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ के अनुसार इन्टरनेट से विभिन्न शिक्षण संस्थानों का टेलीफोन नम्बर प्राप्त कर उन्हें एनआईसी व अन्य सम्बंधित विभाग का अधिकारी बनकर अपने विभिन्न मोबाइल नम्बरों से फोन कर छात्रवृत्ति नहीं पाए हुये छात्रों का डाटा प्राप्त कर उनको छात्रवृत्ति दिलाने का लालच देकर विभिन्न माध्यमों से अपने खातों में रूपए डलवाकर उस रूपए को गोरखपुर में एसबीआई व पीएनबी आदि के विभिन्न एटीएम से निकाल कर उनका उपभोग करने वाले जालसाल बलिराम सिंह को देर रात करीब पौने 12 बजे गोरखपुर के अधियारीबाग रामलील मैदान के सामने से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से लेपटाप 6 मोबाइल, चार सिम कार्ड, 11 एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, दो पेन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और पांच पासबुक बरामद की।

एसटीएफ के अनुसार कुछ दिनों से एसटीएफ को सूचना प्राप्त हो रही थी कि कुछ व्यक्तियों द्वारा विभिन्न शिक्षा से सम्बंधित पाठ्यक्रमों में छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति को फर्जी तरीके अपने खाते में निकलवा कर हड़प रहे हैं। इन जालसाजों को पकड़ने के लिए एसटीएफ की गोरखपुर इकाई को सक्रिय किया गया। एसटीएफ को जानकारी मिली कि एनआईसी व अन्य सम्बंधित विभाग का अधिकारी बनकर अपने विभिन्न मोबाइल नम्बरों से फोन कर छात्रवृत्ति नहीं पाए गए छात्रों का डाटा विवरण प्राप्त कर उनके नाम से फर्जी तरीके से छात्रवृति की धनराशि को फ्राड तरीके से निकाले वाला बलिराम सिंह अपने अधियारी बाग रामलीला मैदान के पास वाले मकान में मौजूद है और कहीं जाने वाला है। इस सूचना पर एसटीएफ की एक टीम ने बताए गए स्थान पर पहुँच कर बलिराम को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ पर उसने बताया कि वह यह काम लगभग दो वर्षो से कर रहा है। वह छात्रों को अपने नम्बर से फोन कर छात्रवृत्ति दिलाने का लालच देकर पिछले कुछ महिनों से सरिता मौर्या के एसबीआई का खाता नम्बर 36025723016 जो गाजीपुर के दुल्लहापुर का है तथा पीएनबी के खाता नम्बर 50474571835 जो आजमगढ़ जिले के पते पर सरिता मौर्या पत्नी कमलेश मौर्या के नाम से है, में वह रूपए मंगाता था। बाद में एटीएम के माध्यम से पैसा निकाल लेता था। बरामद सिम के बारे में पूछने पर बताया कि जिस सिम पर एनआईसी लिखा है उस सिम को अपने मोबाइल में लगाकर बात करता था तो अपने आप को एनआईसी का अधिकारी बताकर बात करता था। फर्जी रुप से दिव्यांगों के प्रमाण पत्र बनवाकर उनके नाम से लाखों की छात्रवृति आदि हड़पने वाले गिरोह सरगना स्कूल के प्रधानाचार्य समेत तीन आरोपियों को शनिवार को बहराइच कोतवाली इलाके से एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था।

संविदा की जगह आउटसोर्सिंग से होगी नियुक्ति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जिलों में संविदा पर तैनात कर्मचारियों को निर्धारित मानदेय से अधिक भुगतान की शिकायत मिलने के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने संविदा के स्थान पर आउटसोर्सिंग से कर्मी नियुक्त करने का निर्णय लिया है। सर्व शिक्षा अभियान के तहत सीधे संविदा पर काम कर रहे कर्मचारियों की संविदा का नवीनीकरण अब नहीं होगा। यदि कोई कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर तैनात है तो प्रतिनियुक्ति की अवधि पांच वर्ष पूरा होने पर उसे उसके मूल विभाग में वापस कर दिया जाएगा। जिला समन्वयक प्रशिक्षण, बालिका, सामुदायिक शिक्षा के पदों पर चयन प्रक्रिया राज्य परियोजना कार्यालय स्तर से होगी। वहीं बाकी पदों पर जिला स्तर पर सेवा प्रदाता के माध्यम से कर्मचारी रखे जाएंगे। कर्मचारियों का मानदेय भी राज्य परियोजना निदेशालय से तय कर दिया गया है। इससे कम मानदेय पर नियुक्तियां नहीं होंगी।

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं खुद बीमार हो गई हैं: अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

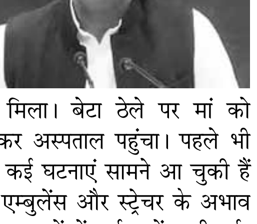

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल के चार सालों में सार्थक तो कुछ किया नहीं, जो अच्छे काम समाजवादी सरकार में हुए थे उन्हें भी बर्बाद कर दिया। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं खुद बीमार हो गई हैं। गरीब का इलाज मंहगा तो हुआ ही, अस्पतालों में अव्यवस्था का शिकार भी वही बन रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को वैक्सीन पर दावा क्यों करना चाहिए, यह एक अत्यंत संवेदनशील मसला है। समाजवादी पार्टी का वैज्ञानिकों की दक्षता पर पूरा भरोसा है पर भाजपा की ताली थाली वाली अवैज्ञानिक सोच एवं भाजपा सरकार की चिकित्सा व्यवस्था पर भरोसा नहीं है। जनता में भरोसा हो इसके लिए सरकार को टीकाकरण में पारदर्शिता के साथ व्यवस्था की खामियां भी दूर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मथुरा जिला अस्पताल में बुजुर्ग महिला मरीज को स्ट्रेचर तक नहीं मिला। बेटा ठेले पर मां को लादकर अस्पताल पहुंचा। पहले भी ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं जब एम्बुलेंस और स्ट्रेचर के अभाव में अस्पतालों में कई जानें चली गई। अमेठी के जिला अस्पताल में तो महिला डाक्टर ही नहीं है। वहां आने वाली बीमार और गर्भवती महिलाओं का कोई हाल पूछने वाला नहीं। किसी महिला को इलाज कराना हो तो उसे 30 किमी दूर जाना पड़ता है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा राज में सर्वाधिक परेशान महिलाएं ही होती हैं। उनके नाम पर तमाम कल्याण योजनाएं हवा में ही लागू हो रही है। मुरादाबाद के जिला अस्पताल में सर्जिकल महिला वार्ड के भीतर बेड पर कुत्तों के बैठे होने और परिसर में उनके बेरोकटोक घूमने के दृश्य तो खूब वायरल हो चुके हैं। राजधानी लखनऊ के कई अस्पतालों में भी ऐसे दृश्य दिखाई दे जाते हैं। नवजात शिशुओं के साथ निर्मम और अमानवीय व्यवहार की घटनाएं विचलित कर जाती हैं। भाजपा सरकार की गलत और प्राथमिकता रहित नीतियों के चलते स्वास्थ्य सेवाओं का चरमरा जाना स्वाभाविक है। तमाम अस्पतालों में डाक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के हजारों पद खाली पड़े हैं। ऐसी हालत में लखीमपुर खीरी के संपूर्णानगर और गौरीफंटा के स्वास्थ्य केंद्रों में फार्मेसिस्ट ही अस्पताल चला रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में डाक्टरों की अनुपस्थिति से झोलाछाप डाक्टरों का धंधा फल-फूल रहा है। अवैध ढंग से तमाम नर्सिंग होम भी खुल गए हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार के समय जितने मेडिकल कालेज और अस्पताल बने थे उतने ही आज भी संचालित है। भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने और गरीबों के सस्ते इलाज की दिशा में कुछ किया ही नहीं।

भारत के प्रथम मतदाता ने हिमाचल प्रदेश पंचायत चुनाव में अपना वोट डाला

भाषा। शिमला

नजर कमजोर होने और घुटने में दर्द के बावजूद भारत के प्रथम मतदाता श्याम सरन नेगी रविवार को पंचायत चुनाव में अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए हिमाचल प्रदेश के किन्नौर स्थित अपने मतदान केंद्र पहुंचे। 103 वर्षीय नेगी ने कल्पा मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला जहां जिला प्रशासन ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। हिप्र में तीन चरण के पंचायत चुनाव के पहले चरण में रविवार को वोट डाले गए। उपायुक्त हेमरात बैरवा ने नेगी का किन्नौरी टोपी और शॉल भेंट करके सम्मान किया। उपायुक्त ने कहा कि युवा मतदाताओं को नेगी से प्रेरणा लेनी चाहिए जो अपना स्वास्थ्य ठीक नहीं होने के बावजूद वोट डालने के लिए आए। नेगी ने लोगों के लिए अपने संदेश में कहा कि मतदाताओं को अच्छे और सक्षम उम्मीदवारों का चयन करने के लिए चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेना चाहिए। नेगी ने हिंदी फिल्म सनम रे में भूमिका निभाई थी। वह मतदान का अवसर कभी नहीं चूकते, चाहे पंचायत चुनाव हो, विस या लोस चुनाव। ईमानदार उम्मीदवारों का चयन करने की अपील की।

नेगी को 1952 के आम चुनाव का पहला मतदाता माना जाता है और उनका जन्म एक जुलाई 1917 को हुआ था। वह एक स्कूल शिक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। निर्वाचन अधिकारी संजीव महाजन ने कहा पहले चरण में रविवार को।,227 पंचायतों के लिए मतदान हुआ। बाकी दो चरणों में 19 और 21 जनवरी को मतदान होना है। राज्य में 3,615 ग्राम पंचायतें हैं जिनमें से 3,583 के लिए मतदान होगा। लाहौल-स्पीति जिले के कीलोंग के 32 में मतदान नहीं होगा। मतदान के तुरंत बाद वार्ड सदस्यों, उप ग्राम प्रधानों और ग्राम प्रधानों के लिए मतगणना होगी। पंचायत समितियों और जिला परिषदों के सदस्यों के लिए हुए वोट की गिनती 22 जनवरी को की जाएगी।

महाजन ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया 23 जनवरी तक पूरी कर ली जाएगी। उम्मीदवार निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, पार्टी के चिह्न पर नहीं। इस बीच हिमाचल प्रदेश निर्वाचन आयोग ने कांगड़ा प्रशासन को एक पत्र लिखकर पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूची में राज्य के पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा का नाम नहीं होने की जांच करने का आदेश दिया है। निर्वाचन आयोग के सचिव ने कांगड़ा के उपायुक्त को लिखे एक पत्र में सवाल किया है कि धर्मशाला विकास खंड के अंतर्गत आने वाली रक्कर पंचायत की मतदाता सूची में कांग्रेस नेता का नाम कैसे छूट गया। सचिव ने पत्र में कहा, मुझे निर्देश दिया गया है कि मैं आपसे इस संबंध में जांच कराने और इस पत्र की प्राप्ति से सात दिनों के भीतर आयोग को अपनी टिप्पणी के साथ एक रिपोर्ट भेजने का अनुरोध करूं। पिछले सप्ताह राज्य के पूर्व शहरी विकास मंत्री ने आरोप लगाया था कि प्रदेश की लगभग हर पंचायत में सैकड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गायब हैं। शर्मा ने कहा था कि उनका नाम भी मतदाता सूची से गायब है और ज्यादातर मतदाता जिनके नाम गायब हैं, वे कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास करते हैं।

कोलकाता में गुरू गोविन्द सिंह के जन्म दिवस पर जुलूस निकालते हुए सिख समुदाय के लोग

भारत की जनसांख्यिकीय स्थिति का पूरा फायदा उठाने की जरूरत है: वेंकैया नायडू

भाषा। चेन्नई

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी जनसांख्यिकीय स्थिति है और विभिन्न क्षेत्रों में देश की प्रगति में तेजी लाने के लिए लोगों को इसका पूरा लाभ उठाने की जरूरत है। यह बात रविवार को उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने यहां कही। नायडू ने देश के युवाओं से अपील की कि वे प्रगति को तेज करने और देश के विकास की गाथा लिखने में आगे रहें। उन्होंने यहां राजभवन में पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अबुल कलाम पर एक जीवनी का विमोचन करने के बाद कहा, आज हमारी सबसे बड़ी ताकत जनसांख्यिकीय स्थिति है। उन्होंने कहा, कृषि से लेकर निर्माण तक विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति को तेज करने के लिए हमें इसका पूरा फायदा उठाने और आगामी वर्षों में सतत वृद्धि दर सुनिश्चित करने

की जरूरत है। अबुल कलाम-निनायवुगालुक्कू मारनमिल्लई (अमर स्मृतियां) पुस्तक को दिवंगत राष्ट्रपति की रिश्तेदार ए पी जे एम नजीमा मरइकयार और अंतरिक्ष वैज्ञानिक वाई. एस. राजन ने लिखा है। कलाम को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नायडू ने युवकों से अपील की कि वे उनसे प्रेरणा लें और खुद पर विश्वास करें। कलाम आम लोगों के राष्ट्रपति के तौर पर मशहूर थे। उन्होंने कहा कि उन्हें नौकरी खोजने वाला होने के बजाए नौकरी सृजित करने वाला बनना चाहिए।

अरुणाचल प्रदेश में आग से तीन बच्चों की मौत

भाषा। ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले में एक घर में आग लगने से तीन बच्चों की मौत हो गई। उपायुक्त हेंगो बासर ने रविवार को बताया कि मृतकों में दस वर्षीय कबाक यानी, सात वर्षीय कबाक नानू और पांच वर्षीय कबाक चाकू शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार को इन बच्चों के माता-पिता घर पर नहीं थे, इसलिए वे उन्हें एक रिश्तेदार के घर छोड़ गए थे। उपायुक्त ने कहा कि रात लगभग 11 बजे लगी आग जल्द ही पास के घरों में भी फैल गई जिससे कई लोगों की संपत्ति नष्ट हो गई। स्थानीय विधायक तारिन दाकपे ने घटना पर दुख व्यक्त किया और पीड़ित परिजनों को एक लाख रुपए का मुआवजा दिया। उन्होंने राज्य सरकार से मृतकों के परिजनों को अनुग्रह राशि देने का आग्रह किया। सूत्रों ने बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए।

भाजपा नेताओं ने हिंदू देवी-देवताओं का मजाक उड़ाने को लेकर तांडव पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

भाषा। मुंबई

भाजपा सांसद मनोज कोटक ने हिंदू देवी-देवताओं का मजाक उड़ाने को लेकर एमेजॉन प्राइम वीडियो की सीरीज तांडव पर सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर से प्रतिबंध लगाने का रविवार को अनुरोध किया। कोटक ने इस सिलसिले में जावड़ेकर को एक पत्र लिखा है। वेब सीरीज तांडव में अभिनेता सैफ अली खान, डिंपल कपाड़िया, सुनील ग्रोवर, तिगमांशु धूलिया, डिनो मोर्या, कुमुद मिश्रा, मोहम्मद जीशान अयुब, गौर खान, कृतिका कामरा ने अभिनय किया है। इसका प्रीमियर शुक्रवार को किया गया। फिल्मकार अली अब्बास जफर राजनीति पर आधारित ड्रामे के निर्माता एवं निर्देशक हैं। इसे गौरव सोलंकी ने लिखा है जो आर्टिकल 15 को लेकर जाने जाते हैं। मुंबई उत्तर-पूर्व से सांसद कोटक ने कहा कि इस तरह के मंच पर अक्सर ही हिंदू देवी-देवताओं को अच्छे संदर्भ में नहीं दिखाने की कोशिश की जाती है। कोटक ने कहा, विभिन्न संगठनों और लोगों ने शिकायत की है कि हिंदू देवी-देवताओं का तांडव वेब सीरीज में मजाक उड़ाया गया है। उनके बारे में (आपत्तिजनक) टिप्पणी की गई है। उन्होंने कहा, इसलिए हम जावड़ेकर जी से मांग करते हैं कि वह इस वेब सीरीज पर फौरन प्रतिबंध लगाएं। भावनाओं को ठेस पहुंचाने को लेकर इसके अभिनेताओं, निर्माता और निर्देशक को माफी मांगनी चाहिए।

कोटक ने जावड़ेकर को लिखे पत्र की तस्वीर रविवार को ट्विटर पर साझा की और कहा, डिजिटल सामग्री को नियंत्रित करने वाली कोई स्वायत्त संस्था अभी नहीं है। ऐसे में इस तरह के मंच सेक्स, हिंसा, ड्रग्स, नफरत और अश्लीलता से भरे हुए हैं। कभी-कभी वे धार्मिक भावनाओं को भी आहत करते हैं। उन्होंने 16 जनवरी को लिखे पत्र में कहा, ऐसा लगता है कि इस सीरीज के निर्माताओं ने जानबूझ कर हिंदू देवी-देवाओं का मजाक उड़ाया है और हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं का अपमान किया है।

आंध्र प्रदेश में दूसरे दिन 50 फीसदी से भी कम कर्मी टीका लगवाने आए

अमरावती (आंध्र प्रदेश), (भाषा)। आंध्र प्रदेश में कोरोना वायरस के टीकाकरण अभियान के दूसरे दिन रविवार को लक्षित लाभार्थियों में से 50 फीसदी से भी कम लोग टीका लगवाने आए। मगर यह संख्या देश में सबसे ज्यादा रही। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, पूरे प्रदेश में 13,041 स्वास्थ्य कर्मियों ने कोविड-19 का टीका लगवाया जबकि लक्ष्य 27,233 लोगों को टीका लगाने का था। समूचे देश में रविवार को छह राज्यों में 17,000 से ज्यादा लोगों को कोरोना वायरस के टीके की खुराक दी गई।

क्विक न्यूज

पाक में सर्जिकल स्ट्राइक्स ने जनता को आश्वस्त किया कि भारत मोदी सरकार के नेतृत्व में सुरक्षितः शाह

बेलगावी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां कहा कि उरी और पुलवामा में आतंकी हमलों के बाद पाकिस्तान में की गई सर्जिकल स्ट्राइक्स ने जनता को आश्वस्त किया कि देश की सीमाएं नरेन्द्र मोदी नीत भाजपा सरकार के नेतृत्व में सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि संकल्पबद्ध सरकार ने 2014 और 2019 के बीच उरी और पुलवामा में हुए आतंकी हमलों का कड़ा जवाब दिया था। शाह ने कहा, भाजपा सरकार ने पाकिस्तान के भीतर दो बार सर्जिकल स्ट्राइक की और वहां आतंकवादियों का खात्मा किया। वह कर्नाटक में हालिया पंचायत चुनाव में जीते भाजपा उम्मीदवारों का अभिनंदन करने के लिए आयोजित कार्यक्रम जनसेवक समावेश में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक्स ने जनता को भरोसा दिया कि राष्ट्र की सीमाएं सुरक्षित हैं क्योंकि मोदी प्रधानमंत्री हैं और देश में भाजपा की सरकार है। शाह ने कहा कि कुल 5,470 गांवों में से 3,142 गांवों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। उन्होंने शनिवार को शुरू हुए राष्ट्रव्यापी कोविड-19 टीकाकरण अभियान के संदर्भ में कहा कि दोनों टीके सुरक्षित हैं और इस कवायद पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुद नजर रख रहे हैं।

भारत का पहला श्रमिक आंदोलन संग्रहालय केरल में

कोच्चि। विश्व श्रमिक आंदोलन के इतिहास को दर्शाने वाला देश का पहला श्रमिक आंदोलन संग्रहालय केरल के अलाप्पुझा में शुरू किया जाएगा। राज्य के पर्यटन विभाग ने रविवार को कहा कि संग्रहालय में बड़ी संख्या में वे दस्तावेज एवं चीजें प्रदर्शित होंगी जिसने महाद्वीपों में श्रमिक आंदोलनों को आकार दिया और देश विशेष रूप से केरल में श्रमिक आंदोलन के उद्गम स्थल अलाप्पुझा को प्रभावित किया। पोर्ट व कॉयर संग्रहालयों के पास में लेबर मूवमेंट म्युजियम इस वर्ग के संघर्ष और श्रमिकों के संघर्ष को प्रदर्शित करने वाला ऐसा पहला प्रयास होगा। यह पर्यटकों को आकर्षित करने की एक व्यापक परियोजना का भी हिस्सा होगा। संग्रहालय को एलडीएफ सरकार के दूसरे 100-दिवसीय कार्यक्रम के हिस्से के तौर पर शुरू किया जाएगा। विभाग ने कहा, पूर्व में बॉम्बे कंपनी द्वारा संचालित न्यू मॉडल कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड को लेबर मूवमेंट म्यूजियम में तब्दील किया गया है। विभाग ने कहा कि यह चित्रों, दस्तावेजों और अन्य प्रदर्शनों के माध्यम से विश्व श्रमिक आंदोलन और केरल के श्रमिक आंदोलन के इतिहास को चित्रित करेगा।

कर्नाटक के कब्जे वाले इलाकों को महाराष्ट्र में शामिल करेंगे: उद्धव

मुंबई (भाषा)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार कर्नाटक के उन इलाकों को राज्य में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जहां मराठी भाषी लोगों की बहुलता है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक ट्वीट में कहा कि इस उद्देश्य के लिए बलिदान देने वालों के लिए यह

सच्ची श्रद्धांजलि होगी। महाराष्ट्र राज्य भाषाई आधार पर बेलगाम तथा अन्य इलाकों पर दावा जताता है जो पूर्ववर्ती बॉम्बे प्रेसिडेंसी का हिस्सा थे लेकिन अब कर्नाटक राज्य में आते हैं। बेलगाम तथा कुछ अन्य सीमावर्ती इलाकों को महाराष्ट्र में शामिल करवाने के लिए संघर्ष कर रहे क्षेत्रीय संगठन महाराष्ट्र एकीकरण समिति ने उन लोगों की याद में 17 जनवरी को शहीदी दिवस मनाया, जो इस उद्देश्य के लिए लड़ते हुए 1956 में मारे गए थे। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से ट्वीट किया गया, सीमा विवाद में शहीद होने वाले लोगों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी कर्नाटक के कब्जे वाले मराठी भाषी तथा सांस्कृतिक इलाकों को महाराष्ट्र में शामिल करना। हम इसके लिए एकजुट हैं और हमारी प्रतिज्ञा दृढ़ है। शहीदों के प्रति सम्मान जताते हुए यह वादा करते हैं। कर्नाटक के बेलगाम, कारवार और निप्पनी इलाकों पर महाराष्ट्र यह कहकर दावा जताता है कि इन इलाकों में बहुसंख्यक आबादी मराठी भाषी है।

नई दिल्ली में नए किसान कानून पर किसानों के प्रदर्शन को लेकर सिंघु बार्डर पर सुरक्षा बढ़ाई गई।

राजस्थान में लगभग दस महीने बाद सोमवार से दोबारा खुलेंगे स्कूल

जयपुर। राजस्थान में कोरोना वायरस के संक्रमण की वजह से गत दस महीने से बंद स्कूल स्कूल सोमवार को पहली बार दोबारा खुलेंगे। शुरुआत में नौवीं से लेकर 12वीं तक की कक्षाएं संचालित की जाएगी। राज्य सरकार ने इसके लिए स्कूलों को विस्तृत परिचालन निर्देश जारी किए हैं जिनमें मास्क लगाना अनिवार्य भी शामिल है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में पांच जनवरी को हुई समीक्षा बैठक में स्कूलों में 9 से 12वीं तक की कक्षाएं, विवि व महाविद्यालय की अन्तिम वर्ष की कक्षाओं, कोचिंग सेन्टर तथा सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों को 18 जनवरी से खोलने का फैसला किया गया था। इन सभी शिक्षण संस्थानों में प्रत्येक कक्षा में कुल क्षमता का 50 प्रतिशत उपस्थिति पहले दिन तथा शेष 50 प्रतिशत उपस्थिति दूसरे दिन रहेगी। शिक्षकों को संक्रमण की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। राज्य सरकार ने सभी संस्थानों में सामाजिक दूरी व मास्क सहित अन्य स्वास्थ्य नियमों का पूरा पालन करने व स्कूलों का संचालन केन्द्र के दिशा-निर्देशों व एसओपी के तहत ही करने को कहा है। राज्य सरकार ने आईएएस व आरएएस अधिकारियों की ड्यूटी लगाई कि वे पहले दिन यानी सोमवार को स्कूलों में जाकर यह देखें कि वहां एसओपी का पालन हो रहा या नहीं। मुख्य सचिव निरंजन आर्य द्वारा जारी इस आशय के आदेश के अनुसार राज्य सरकार ने 18 जनवरी से कक्षा 9-12 के लिए विद्यालय खोलने की अनुमति दी है। जिलों में कार्यरत भारतीय प्रशासनिक सेवा व राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी निकट के उच्च माध्यमिक विद्यालय में जाकर विभाग द्वारा जारी एसओपी की पालना देखेंगे। यह पहल अभिभावकों, शिक्षकों व विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाने के लिए की गई है। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते राज्य में सभी स्कूल व शिक्षण संस्थान पिछले साल मार्च के अंतिम सप्ताह से ही बंद हैं। इस बीच राजधानी जयपुर में अनेक निजी शिक्षण संस्थानों ने अभिभावकों को एक परिपत्र जारी कर बच्चों को हाथों की साफ सफाई व मास्क लगाए रखने को लेकर जागरूक करने की अपील की है।

लोकपरंपरा व संस्कृति के रंगों से सराबोर हुई कुंभनगरी हरिद्वार

देहरादून। आगामी कुंभ के लिए तैयार हो रही धर्म नगरी हरिद्वार लोक परंपराओं व संस्कृति के रंगों से सराबोर हो उठी है जो श्रद्धालुओं के मन में आस्था का भाव जागृत करने के साथ ही उन्हें यहां की पौराणिक विरासत से भी रूबरू कराएगी। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने इस संबंध में कहा कि राज्य सरकार दिव्य और भव्य कुंभ के लिए प्रतिबद्ध है तथा प्रयास किए जा रहे हैं कि यहां आने वाले करोड़ों श्रद्धालु उत्तराखंड की लोक व सांस्कृतिक विरासत से भी रूबरू हों।

देवभूमि उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण व संवर्धन के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे गंभीर प्रयासों के तहत कुंभ के दौरान चित्रकला के जरिए इसे दर्शाया जा रहा है। हरिद्वार- रुड़की विकास प्राधिकरण के पेंट माई सिटी अभियान ने हरिद्वार की फिजा ही बदल दी है। यहां दीवारों व खाली स्थानों पर देवभूमि की परंपराओं और संस्कृति के रंग उकेरे गए हैं। कहीं देवी-देवताओं, धार्मिक परम्पराओं के तो कहीं लोक संस्कृति के चित्र सजीव हो उठे हैं।

कुंभ क्षेत्र में सरकारी भवनों समेत पुल, घाट आदि की दीवारों को धार्मिक मान्यताओं के पौराणिक और सांस्कृतिक चित्रों से सजाया गया है। इसके पीछे का उद्देश्य यही है कि देश और दुनिया से आए श्रद्धालुओं के मन में आस्था भाव जागृत होने के साथ ही वे यहां की परंपरा, संस्कृति और पौराणिक विरासत से भी रूबरू हो सकें।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और हरिद्वार के स्थानीय विधायक मदन कौशिक ने बताया कि कुंभ मेला क्षेत्र को चित्रकला से सजाने में विभिन्न संस्थाओं का सहयोग रहा है। उन्होंने कहा कि कुंभ की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं और इस बार का कुंभ दिव्य और भव्य होगा।

रेडियो राब्ता ने दक्षिण कश्मीर में किया नई उम्मीदों का संचार

भाषा। अनंतनाग

उर्दू में हेलो यह दिल से दिल तक है की घोषणा के साथ दक्षिण कश्मीर के अपने श्रोताओं से रूबरू होने वाला रेडियो राब्ता सामुदायिक स्टेशन आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में उम्मीदों का नया संचार कर रहा है। रेडियो न सिर्फ लोगों का मनोरंजन कर रहा है, बल्कि स्थनीय लोगों को अपनी शिकायतें उठाने का मंच भी उपलब्ध करा रहा है। स्थानीय लोगों के सपनों को पूरा करने में मदद करती रही सेना ने घाटी के युवाओं, खासकर दक्षिण कश्मीर के युवाओं तक पहुंचने के प्रयास के तहत अनंतनाग में सामुदायिक रेडियो स्टेशन रेडियो राब्ता (कनेक्ट) की स्थापना की है।

अनंतनाग में सामुदायिक रेडियो स्टेशन की स्थापना करना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सेना की पंद्रहवीं कोर के जनरल ऑफिसर इन कमांड लेफ्टिनेंट जनरल बी एस राजू का दृष्टिकोण था। नए साल से यह सपना दो रेडियो जॉकियों-उमर निसार तथा आयशा गौहर के साथ हकीकत में तब्दील हो गया। रेडियो राब्ता 90.8 एफएम दिल से दिल तक सिर्फ पुलवामा जिले की आवाज ही नहीं बना है, बल्कि इसकी पहुंच आसपास के 20 किलोमीटर के दायरे में है जिसमें दक्षिण कश्मीर के पुलवामा और कुलगाम जिलों के हिस्से आते हैं।

बौद्धिक संपदा अधिकार हासिल करने के बाद स्टेशन हिंदी और पंजाबी गीत प्रसारित कर रहा है। निसार का कहना है, कश्मीरी संगीत का अधिकार मिलने के बाद जल्द ही हम कश्मीरी संगीत प्रसारित करेंगे। दोनों रेडियो जॉकी लोगों को यातायात की स्थिति और मौसम की जानकारी जैसी सूचनाएं भी उपलब्ध कराते हैं तथा साथ ही स्थानीय प्रतिभाओं, खासकर युवाओं के साक्षात्कार भी प्रसारित करते हैं।

पहलगाम स्थित ईडन होटल के महाप्रबंधक उमर मलिक का कहना है, इससे कम से कम हमें यह जानने में तो मदद मिली है कि हमारे आसपास क्या चल रहा है। बिजबेहड़ा में सेबों के बागान के मालिक इसाक भट का भी ऐसा ही मानना है। उनका कहना है, रेडियो राब्ता भीषण सर्दी के दौरान सड़कों और बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं सहित आम आदमी से जुड़े स्थानीय मुद्दों को उठाने में सक्षम होगा।

प्रथम सामुदायिक रेडियो स्टेशन की स्थापना के लिए आवश्यक साजो-सामान विक्टर फोर्स ने उपलब्ध कराया जो सेना की पंद्रहवीं कोर का हिस्सा है और जिसके पास विशेष तौर पर दक्षिण कश्मीर तथा मध्य कश्मीर में आतंकवाद के खतरे को समाप्त करने की जिम्मेदारी है। अपनी व्यस्तता से समय निकालकर विक्टर फोर्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल राशिम बाली नियमित तौर पर रेडियो राब्ता को सुनते हैं। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास युवाओं के सपने को बड़ा बनाने, तथा फिर उन्हें उनके सपने को पूरा करने में सक्षम बनाने का है। बाली ने कहा, हमारे रेडियो जॉकियों की शानदार आवाज आज दक्षिण कश्मीर में धड़कती है। वे न सिर्फ स्थानीय लोगों को खुशी प्रदान करते हैं, बल्कि हमें उन पर अत्यधिक गर्व भी है।

स्मारकों के संरक्षण को लेकर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र और अन्य से एक याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें आरोप लगाया गया है कि फतेहपुर सीकरी में प्राचीन स्मारकों के संरक्षण के लिए अधिकारी काम नहीं कर रहे हैं और प्राचीन शहर के समन्वित विकास के लिए योजना लागू करने का निर्देश देने की मांग की। न्यायमूर्ति एस. ए. बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र, उत्तरप्रदेश सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और अन्य को नोटिस जारी कर याचिका पर उनका जवाब मांगा जिसमें दावा किया गया है कि अधिकारी फतेहपुर सीकरी में अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर लगाम कसने में विफल रहे हैं।

पीठ में न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमण्यम भी शामिल थे जिन्होंने पिछले हफ्ते आदेश पारित किया, नोटिस जारी किया जाए। याचिका में कहा गया है कि फतेहपुर सीकरी के आसपास कई स्मारक हैं जिनका संरक्षण और देखभाल एएसआई के जिम्मे है। फतेहपुर सीकरी निवासी अमरनाथ पाराशर ने याचिका दायर कर कहा कि उच्चतम न्यायालय ने पहले आदेश पारित किया था और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया था कि प्राचीन शहर और स्मारकों के संरक्षण के लिए कदम उठाए जाएं।

राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद निपटान आयोग में अध्यक्ष नियुक्त

जयपुर। राज्य सरकार ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति बनवारी लाल शर्मा को राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। एक सरकारी बयान के अनुसार यह पद रिक्त था जिस पर राजस्थान उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति बनवारी लाल शर्मा को नियुक्त किया गया है। उपभोक्ता मामले विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने बताया कि अध्यक्ष पद पर नियुक्ति चार वर्ष के लिए अथवा 65 वर्ष की आयु पूर्ण करने तक के लिए की गई है।

किसानों की आय दोगुना करना सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता: अमित शाह

भाषा। बागलकोट (कर्नाटक)

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि किसानों की आय को दोगुना करना केन्द्र सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है और तीन केंद्रीय कृषि कानून उनकी आय में कई गुना वृद्धि सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद से मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए बजट और विभिन्न फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया था।

शाह ने राज्य में इस जिले के केराकलमट्टी गांव में एक कार्यक्रम में कहा, मैं बताना चाहता हूं कि अगर केन्द्र सरकार की कोई बड़ी प्राथमिकता है तो वह किसानों की आय को दोगुना करना है। कर्नाटक के मंत्री मुरुगेश आर निरानी की अध्यक्षता वाले समूह एमआरएन की किसान-हितैषी परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करने के बाद शाह ने किसानों के कल्याण के लिए केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों को गिनाया। गृह मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा के नेतृत्व में राज्य की भाजपा सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कांग्रेस पर सवाल उठाया कि वह किसानों के लिए प्रतिवर्ष छह हजार रुपए की सहायता और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसे कदम क्यों नहीं उठा सकी। उन्होंने कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि पार्टी (कांग्रेस) की मंशा सही नहीं थी। शाह ने कहा, नरेन्द्र मोदी सरकार किसानों के लिए समर्पित सरकार है। केन्द्र सरकार जो तीन नए कानून लाई हैं, जिन्हें कर्नाटक सरकार ने भी पारित किया है ... मैं इसके लिए एदियुरप्पा को बधाई देना चाहता हूं। इनके कारण किसान की आय कई गुना बढ़ जाएगी। गौरतलब है कि इन तीन नए कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर किसान विशेषकर पंजाब और हरियाणा के किसान दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे हैं। गृह मंत्री ने कहा कि किसान अपनी उपज को एक स्थान पर बेचने के लिए अब मजबूर नहीं है और अपनी फसलों को वैश्विक और भारतीय बाजारों तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 70 वर्षों में कश्मीर में अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35 ए के प्रावधानों को निरस्त करने का साहस किसी में नहीं था।

शाह ने कहा, आप लोगों ने मोदी को प्रधानमंत्री बनाया और पांच अगस्त, 2019 को उन्होंने कश्मीर से अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए हटा दिया और इसे स्थाई रूप से भारत के साथ जोड़ दिया। वहां चुनाव भी खून की एक बूंद बहाए बिना शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए है और कश्मीर स्थाई रूप से हमारा बन गया है। उन्होंने कहा कि एमआरएन समूह की परियोजनाओं में इथेनॉल इकाई का विस्तार शामिल है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार इथेनॉल उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन दे रही है क्योंकि इससे किसानों, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। शाह ने कहा, हमारी ज्यादातर विदेशी मुद्रा तेल -पेट्रोल और डीजल-आयात पर खर्च हो जाती हैं और इसका एक विकल्प इथेनॉल है जो गन्ने का उपोत्पाद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इथेनॉल के बढ़ते उत्पादन और इसके उपयोग को बढ़ावा दिया है क्योंकि यह किसानों की आय में वृद्धि करेगा, चीनी मिलों को फायदा पहुंचाएगा और विदेशी मुद्रा की बचत करेगा। उन्होंने लोगों से भाजपा और मोदी के लिए अपना समर्थन और आशीर्वाद जारी रखने को भी कहा ताकि आत्मनिर्भर भारत बनाने के एजेंडे को जारी रखा जा सके।

बागलकोट के केराकलामट्टी में एक गाय की पूजा करते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह।

कुमारस्वामी ने शाह पर कन्नड़ की अनदेखी का आरोप लगाया

भाषा। बेंगलुरु

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कन्नड विरोधी रवैया रखने का आरोप लगाते हुए जेडीएस नेता एच डी कुमारस्वामी ने रविवार को उनसे यह स्पष्ट करने को कहा कि भद्रावती में आरएएफ की इकाई में शिलान्यास पट्टिका पर कन्नड भाषा को जगह क्यों नहीं दी गई।

इस मामले में मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा और उप मुख्यमंत्री गोविंद करजोल पर निशाना साधते हुए कुमारस्वामी ने ट्वीट किया कि जो लोग अपनी भूमि और भाषा के सम्मान और मर्यादा की अनदेखी सहते हैं वे सरकार चलाने के लिहाज से उपयुक्त नहीं हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री पर कन्नडिगा लोगों के साथ विश्वासघात करने का आरोप भी लगाया। शाह ने शनिवार को शिमोगा जिले के भद्रावती के पास द्रुत कार्य बल (आरएएफ) के नए बटालियन परिसर की आधारशिला रखी थी। इस दौरान एदियुरप्पा, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और करजोल आदि उपस्थित थे। कुमारस्वामी ने ट्वीट किया, शिलान्यास के अवसर पर लगाई गई पट्टिका पर केवल हिंदी और अंग्रेजी में लिखा गया है।

यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि कर्नाटक में रखी गई आधारशिला में कन्नड की अनदेखी की गई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शाह के कन्नड-विरोधी रुख को दर्शाता है और यह कन्नडिगा लोगों का अपमान है। उन्होंने कहा, केंद्र की आरएएफ इकाई के लिए भूमि कर्नाटक ने दी है।

कांग्रेस, वाम मोर्चा के नेताओं ने बंगाल में सीट बंटवारे पर वार्ता की

कोलकाता। कांग्रेस और माकपा नीत वाम मोर्चा के वरिष्ठ नेताओं की रविवार को यहां बैठक हुई जिसमें सीटों के बंटवारे और चुनाव की अन्य तैयारियों पर चर्चा हुई। यह जानकारी सूत्रों ने दी। 2016 के विधानसभा चुनाव में भी दोनों दलों ने गठबंधन किया था और 294 सदस्यीय विधानसभा में 76 सीटों पर जीत दर्ज की थी। राज्य कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर चौधरी ने बैठक के बाद कहा कि दोनों पक्षों के बीच सीटों के बंटवारे पर वार्ता इस महीने के अंत तक चलेगी। लोकसभा में कांग्रेस के नेता चौधरी ने कहा, हम साथ मिलकर चुनाव लड़ने पर सहमत हुए हैं। हमारे बीच सकारात्मक चर्चा हुई...और कोई असहमति नहीं है...। उनसे सहमति जताते हुए वाम मोर्चा के अध्यक्ष बिमान बोस ने कहा कि सीट बंटवारे पर किसी निष्कर्ष पर पहुंचने तक दोनों दलों के बीच इस तरह की और वार्ता होगी।

ईडी ने धनशोधन मामले में चीन के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया

भाषा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनुमानत: 1,000 करोड़ रुपए के एक कथित हवाला रैकेट से जुड़े घोटाले में अपनी धनशोधन जांच के सिलसिले में चीन के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को दी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने चार्ली पेंग उर्फ लुओ सांग (42) और कार्टर ली को 15 जनवरी को धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया। उन्हें शनिवार को यहां एक स्थानीय अदालत के समक्ष पेश किया गया जिसने उन्हें 14 दिन की हिरासत में भेज दिया।

पेंग के खिलाफ ईडी का मामला पिछले साल की एक आयकर विभाग की जांच और 2018 में उसके खिलाफ दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज एक प्राथमिकी से उपजा है। पेंग का नाम पिछले साल हिमाचल प्रदेश में दो व्यक्तियों को हिरासत में लिए जाने के संबंध में सामने आया था, जो कथित तौर पर उसके निर्देश पर तिब्बत के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा की गतिविधियों पर नज़र रख रहे थे।

आयकर विभाग ने गत अगस्त में चीन के नागरिक और उसके कुछ कथित सहयोगियों के खिलाफ छापेमारी की थी जिसमें बैंकर भी शामिल थे। सूत्रों ने आरोप लगाया था कि पेंग के पास एक फर्जी भारतीय पासपोर्ट था। कर अधिकारियों ने दावा किया था कि उसने पिछले दो-तीन वर्षों में चीन से हवाला राशि इधर उधर करने के लिए जाली कंपनियों का जाल बनाया था। सूत्रों ने कहा था कि उसके दिखाए का व्यवसाय मेडिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक सामान और कुछ अन्य वस्तुओं के आयात और निर्यात का था।

सूत्रों ने कहा कि पेंग को दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने सितंबर 2018 में धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप में गिरफ्तार किया था और वह कथित रूप से एक अवैध मनी चेंजर चला रहा था। सूत्रों ने कहा था कि ईडी और आई-टी विभाग दोनों इस आरोपों की जांच कर रहे हैं कि क्या पेंग दिल्ली में रहने वाले कुछ तिब्बतियों को रिश्वत दे रहा था। पिछले साल अगस्त में सीबीडीटी ने एक बयान में संलिप्त इकाइयों की पहचान बताए बिना कहा था कि उसकी छापेमारी इस विश्वसनीय सुराग पर आधारित थी कि कुछ चीनी व्यक्तियों और उनके भारतीय सहयोगी शेल इकाइयों के माध्यम से धनशोधन और हवाला लेनदेन में शामिल थे।

उसने कहा था कि चीनी कंपनियों की सहायक कंपनियों और उससे संबंधित इकाइयों ने भारत में खुदरा शोरूमों के व्यवसाय खोलने के लिए शेल इकाइयों से 100 करोड़ रुपए से अधिक की फर्जी अग्रिम राशि ली है। सीबीडीटी ने कहा था कि हांगकांग और अमेरिकी डॉलर से जुड़े विदेशी हवाला लेनदेन के साक्ष्य का भी खुलासा हुआ है। उन्होंने कहा कि ईडी द्वारा ली के खिलाफ इसी तरह के आरोप की जांच की जा रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन की तैयारी

- डेढ़ दर्जन राज्यों ने अध्ययन का काम किया पूरा

भाषा। नई दिल्ली

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को कार्यान्वित करने के लिए केंद्र और राज्यों ने तैयारी शुरू कर दी है। नई नीति पर डेढ़ दर्जन राज्यों ने अध्ययन और सुझाव तैयार करने का काम लगभग पूरा कर लिया है, वहीं शिक्षा मंत्रालय नीति का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए एक समीक्षा समिति तथा एक कार्यान्वयन समिति गठित करने जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने अपने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नई शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन की समीक्षा भी की थी।

मंत्रालय के अधिकारियों ने भाषा को बताया, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन में राज्य प्रमुख पक्षकार हैं और इस दिशा में सभी राज्य कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि करीब डेढ़ दर्जन राज्यों ने इस दिशा में कार्यबला समिति गठित कर अध्ययन एवं सुझाव तैयार करने के काम लगभग पूरा कर लिया है। इस बीच, केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने सभी पक्षकारों से नीति के कार्यान्वयन को लेकर 25 जनवरी 2021 तक सुझाव देने अपील की है। मंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का शीघ्र कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए उच्च शिक्षा सचिव की अध्यक्षता में एक समीक्षा समिति तथा एक कार्यान्वयन समिति गठित करने का सुझाव दिया है।

राज्यों की ओर से भी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन को लेकर तेजी से कदम उठाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को समग्र रूप से प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में क्रियान्वित करने के लिए उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा की अध्यक्षता में गठित कार्य बल की कई बैठकें हुई हैं। इसमें बुनियादी शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा तथा उच्च शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की दिशा में कार्यवाही की 150 पृष्ठ की संकलित रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए गठित संचालन समित द्वारा अब तक 30 बैठकों का आयोजन किया जा चुका है। नई नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करने पर भी काम हो रहा है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू करने को लेकर उत्तराखंड सरकार ने कार्य बल का गठन किया था। कार्य बल ने नई नीति के मुताबिक जरूरी बदलावों का अध्ययन किया है और यह अपना सुझाव जल्द पेश करेगा।

असम सरकार ने पिछले वर्ष एक अगस्त को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के लिए 40 सदस्यीय समिति की घोषणा की थी। समिति की कई बैठकें हो चुकी हैं और रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अक्तूबर महीने में ओडिशा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अध्ययन करने और सुझाव देने के लिए छह उप समितियों और एक कार्यबल का गठन किया था। राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री शाश्वत मिश्रा ने हाल में संवाददाताओं को कहा था कि समितियों ने अपनी सिफारिशें दे दी हैं।

कर्नाटक में पूर्व मुख्य सचिव एस पी रंगनाथ की अध्यक्षता वाले कार्यबल ने राज्य में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन पर विचार करने के बाद मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा को रिपोर्ट सौंप दी है। समिति ने प्रदेश सरकार को राज्यभर में विशेष शिक्षा क्षेत्र स्थापित करने का सुझाव दिया है। पश्चिम बंगाल, केरल, मेघालय ने भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन पर विचार करने के लिए समिति का गठन किया था। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, दिल्ली, झारखंड जैसे राज्यों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर कुछ सवाल उठाए हैं। वहीं, गोवा सरकार ने भी नई नीति पर विचार करने के लिए उप समितियों का गठन किया था और इस संबंध में रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

गौरतलब है कि पिछले साल 19 सितंबर को मंत्रालय ने सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं केंद्रीय उच्च शैक्षणिक संस्थानों के निदेशकों की विजिटर्स कांफ्रेंस आयोजित की थी।

फरवरी तक करीब तीन करोड़ अग्रिम पंक्ति के कोरोना योद्धाओं के टीकाकरण का लक्ष्य : डॉ. हर्षवर्द्धन

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्द्धन ने कहा है कि कोविड-19 टीकाकरण अभियान के तहत कोरोना वायरस के खिलाफ अग्रिम मोर्चे पर काम कर रहे कर्मियों (फ्रंट लाइन वर्कर्स) को टीका लगाने का काम फरवरी तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि राज्यों से 26 जनवरी तक ऐसे कर्मचारियों के आंकड़े डिजिटल प्लेटफार्म पर अपलोड करने को कहा गया है।

डॉ. हर्षवर्द्धन ने भाषा से साक्षात्कार में कहा, पहले चरण के तहत स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाने का काम 16 जनवरी से शुरू हुआ है। दूसरे चरण के तहत अन्य फ्रंट लाइन वर्कर्स को टीका लगाया जाएगा। उन्होंने कहा, राज्यों से कहा गया है कि 26 जनवरी तक वायरस के खिलाफ अग्रिम मोर्चे पर काम कर रहे अन्य कर्मचारियों के आंकड़े डिजिटल प्लेटफार्म पर अपलोड करें। इसके बाद इन्हें टीका लगाने का काम शुरू किया जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाने का कार्य शुरू करने से पहले भी राज्यों से 12 जनवरी तक डाटा अपलोड करने को कहा गया था और उसके बाद ही 16 जनवरी से टीका लगाने का काम शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग राज्यों के स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंट लाइन वर्कर्स की संख्या करीब-करीब तीन करोड़ होती है और इनके टीकाकरण कार्य फरवरी तक पूरा किए जाने की उम्मीद है।

मंत्री ने कहा, हम कोई नियत तिथि नहीं बता सकते लेकिन जून-जुलाई तक 30 करोड़ लोगों को टीका लगाने का लक्ष्य है। हर्षवर्द्धन ने बताया कि टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण में 50 वर्ष से ऊपर के लोगों को टीका लगाया जाएगा और चौथे चरण में 50 वर्ष से नीचे आयु के लोगों का टीकाकरण होगा। उन्होंने कहा कि इस टीकाकरण अभियान में सबसे अहम बात टीका लगवाने वालों की पहचान और निगरानी की है। इसके लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए को-विन नाम का एक डिजिटल प्लेटफॉर्म भी बनाया गया है। मंत्री ने कहा कि आधार की मदद से लाभार्थियों की पहचान भी की जाएगी और उनको दूसरी खुराक समय पर मिले ए भी सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने कोविड-19 टीकों को इस संक्रामक रोग के खिलाफ लड़ाई में संजीवनी बताया और लोगों से सुनी-सुनाई बातों पर ध्यान नहीं देने और विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों पर भरोसा करने की अपील की। कोवैक्सीन टीके को लेकर कुछ नेताओं द्वारा सवाल उठाने के बारे में पूछे जाने पर डॉ. हर्षवर्धन ने कहा, पूरा देश जीवन के सामान्य होने की प्रतीक्षा कर रहा है। लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है। वैसे चंद लोग जो इस प्रक्रिया की प्रमाणिकता पर सवाल उठाते हुए दूसरों को गुमराह कर रहे हैं।

अदालतों को सार्वजनिक आलोचना जांच स्वीकार करनी चाहिए: साल्वे

भाषा। अहमदाबाद

उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा कि अदालतों को शासन प्रणाली की संस्थाओं के तौर पर सार्वजनिक जांच पड़ताल तथा आलोचनाओं को स्वीकार करना चाहिए।

अहमदाबाद में आयोजित व्याख्यान को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए शनिवार को साल्वे ने कहा कि न्यायाधीशों, न्यायिक मर्यादाओं और कार्यप्रणाली के तरीकों की आलोचना से अदालत नाराज नहीं होतीं और जिस लहजे में इस तरह की आलोचनाएं की जाती हैं वह हल्के फुल्के अंदाज में होनी चाहिए। उन्होंने कहा, आज हमने यह स्वीकार कर लिया है कि न्यायाधीश, या कहें अदालतें और खासकर संवैधानिक अदालतें शासन प्रणाली की संस्थाएं बन गई हैं और इस नाते उन्हें सार्वजनिक जांच पड़ताल तथा सार्वजनिक आलोचनाओं को स्वीकार करना चाहिए। साल्वे ने कहा, हमने यह हमेशा माना है कि अदालतों के फैसलों की आलोचना की जा सकती है, ऐसी भाषा में की गई आलोचना भी जो विनम्र न हो। अत: फैसलों की निंदा हो सकती है। क्या हम निर्णय निर्धारण की प्रक्रिया की निंदा कर सकते हैं? क्यों नहीं? वरिष्ठ अधिवक्ता 16वें पीडी देसाई स्मृति व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे जिसका विषय था न्यायपालिका की आलोचना, मानहानि का न्यायाधिकार और सोशल मीडिया के दौर में इसका उपयोग। व्याख्यान में उन्होंने कहा, सूर्य की तेज रोशनी के उजाले तले शासन होना चाहिए। मेरा मानना है कि ऐसा वक्त आएगा जब उच्चतम न्यायालय सरकारी गोपनीयता कानून के बड़ी संख्या में प्रावधानों पर गंभीरता से विचार करेगा और देखेगा कि वे लोकतंत्र के अनुरूप हैं या नहीं।

चेहरा घोषित नहीं किया तो भाजपा पड़ सकती है भारी

- जिम्मेदारी मिली तो पूरी तरह निभाऊंगा: हरीश रावत

भाषा। नई दिल्ली

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने राज्य में पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की जरूरत पर फिर से जोर देते हुए रविवार को कहा कि अगर पार्टी उन्हें यह जिम्मेदारी देती है तो इसे पूरी तरह निभाएंगे, लेकिन किसी दूसरे का चयन करती है तो भी वह उसका पूरा सहयोग करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया गया तो भाजपा अपने संगठन और धनबल की बदौलत आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पर भारी पड़ सकती है। पिछले दिनों 72 वर्षीय रावत ने सार्वजनिक रूप से यह टिप्पणी की थी कि पार्टी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करना चाहिए। इसके बाद वह प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कुछ नेताओं के निशाने पर आ गए। इसे कांग्रेस में गुटबाजी के तौर पर भी देखा जा रहा है। उत्तराखंड में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होना है। कांग्रेस महासचिव रावत ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, पार्टी के सामने चुनाव में कोई असमंजस नहीं होना चाहिए और जनता के सामने यह स्पष्ट होना चाहिए कि कौन चेहरा है। कांग्रेस के लिए यह जरूरी है क्योंकि भाजपा हर चुनाव को मोदी बनाम कांग्रेस के स्थानीय नेता बना देती है। चुनाव को स्थानीय मुद्दों पर लाने के लिए चेहरे की जरूरत है।

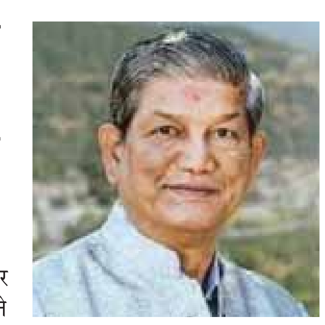

उन्होंने कहा, अमरिंदर सिंह को पंजाब में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया तो हमें फायदा हुआ। हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा का नाम आगे किया तो हारा हुआ लग रहे चुनाव में हम बराबर की लड़ाई में आ गए। शीला दीक्षित को आगे किया तो दिल्ली में लोकसभा चुनाव में हम नंबर दो पर रहे। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि चेहरा होने से असमंजस नहीं रहेगा जिसका हमें फायदा होगा रावत के मुताबिक, पहले कांग्रेस में मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने की परंपरा थी, लेकिन फिर इसमें बदलाव कर दिया गया। अब हालात बदल रहे हैं तो इस परंपरा को बदलना चाहिए। चेहरा जल्द घोषित करना चाहिए।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं तो उन्होंने कहा, मेरी दावेदारी का सवाल नहीं है। अगर किसी और नाम को भी घोषित करते हैं तो मैं साथ खड़ा हूं। लेकिन मैं राजनीति में हूं और किसी जिम्मेदारी से इनकार कैसे कर सकता हूं। इस सवाल पर कि जिम्मेदारी मिलने की स्थिति में उनका क्या रुख होगा तो पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैं इसे पूरी तरह निभाऊंगा। अपने अलावा अन्य नामों के बारे में पूछे जाने पर रावत ने कहा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष (प्रीतम सिंह) का स्वाभाविक नाम है, विधायक की दल की नेता (इंदिरा हृदएश) का स्वाभाविक नाम है।

पेज 1 का शेष

पहले ही...

रिपोर्टों में कहा गया है कि हरियाणा में भी 13 ऐसे केस मिले हैं। सरकार के निगरानी तंत्र द्वारा प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं पर पैनी नजर रखी जा रही है। अगनानी ने कहा कि रविवार को केवल छह राज्यों में टीकाकरण अभियान चलाया गया और 553 सत्रों में 17,072 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। इन छह राज्यों में आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, मणिपुर तथा तमिलनाडु शामिल हैं। उन्होंने कहा कि रविवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ अभियान की प्रगति की समीक्षा, समस्याओं की पहचान तथा कुछ राज्यों में को-विन प्लेटफार्म के संचालन में दिक्कत पेश आने जैसी तकनीकी समस्याओं के परिप्रेक्ष्य में उसमें सुधार की योजनाओं पर चर्चा हुई। सरकार के मुताबिक पहले चरण में एक करोड़ स्वास्थ्यकर्मियों और करीब दो करोड़ फ्रंटलाइन वर्करों को टीका लगाया जाएगा। इसके बाद 50 साल से ऊपर तथा 50 साल से कम उम्र के उन लोगों को टीका लगाया जाएगा जिन्हें पहले से कोई बीमारी है।

कोविशील्ड व...

पूर्व शर्त नहीं होनी चाहिए, जैसा कि कुछ देशों में किया जा रहा है। फोरम ने अपने मेमोरेंडम में कहा कि दोनों वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल चरण-3 के आंकड़ों का मूल्यांकन पारदर्शी तरीके से किया जाना चाहिए और तीसरे चरण का ट्रायल पूरा होने के बाद ही आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी के बारे में निर्णय लिया जाना चाहिए। डीसीजीआई ने इस महीने की शुरुआत में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक द्वारा विकसित दो टीको कोविशील्ड और कोवैक्सीन को आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी थी। इसके बाद पूरे देश में 16 जनवरी से टीकाकरण अभियान शुरू किया गया। हालांकि, फोरम ने आरोप लगाया कि टीके को मंजूरी दिए जाने की पूरी प्रक्रिया में अत्यधिक पर्दादारी बरती गई। जाहिर तौर पर यह अवैज्ञानिक है।

औरंगाबाद का...

महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज के नाम पर संभाजीनगर रखने के लिए आधार बना रही हैं। शिवसेना के मुखपत्र सामना में अपने साप्ताहिक कॉलम में पार्टी के सांसद संजय राउत ने कहा कि औरंगजेब धर्मनिरपेक्ष नहीं था बल्कि एक क्रूर प्रशासक था। शिवसेना पर पलटवार करते हुए थोराट ने पूछा कि शिवसेना और भाजपा को यह मुद्दा उस समय याद क्यों नहीं आया जब वे सत्ता में थे?

धूम्रपान करने...

होने की संभावना कम है, सामान्य आबादी से पहली रिपोर्ट है और इसका सबूत है कि कोविड-19 के श्वसन संबंधी बीमारी होने के बावजूद धूम्रपान बचावकारी हो सकता है। इस अध्ययन में फ्रांस से दो अध्ययनों और इटली, न्यूयॉर्क और चीन से इसी तरह की रिपोर्टों का हवाला दिया गया है जिसमें धूम्रपान करने वालों के बीच संक्रमण की दर कम बताई गई थी।

लचीला रुख...

नियुक्त की थी। तोमर ने कहा कि सरकार ने कुछ रियायतों की पेशकश की थी, लेकिन किसान नेताओं ने लचीला रुख नहीं दिखाया और वे लगातार कानूनों को निरस्त करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि सरकार पूरे देश के लिए कानून बनाती है। कई किसानों, विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों ने कानूनों का समर्थन किया है। केन्द्र और 41 किसान यूनियनों के बीच अब तक नौ दौर की वार्ता हो चुकी है लेकिन अब तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकल सका है।

शीर्ष न्यायालय...

नया सदस्य नियुक्त नहीं करता है, तो मौजूदा सदस्य सौंपा गया कार्य जारी रखेंगे। विवादास्पद कृषि कानूनों से जुड़ी याचिकाओं और किसानों के प्रदर्शन पर शीर्ष न्यायालय में सोमवार को सुनवाई होने का कार्यक्रम है। साथ ही, न्यायालय एक सदस्य के समिति से बाहर जाने के विषय पर भी उस दिन गौर कर सकता है। उन्होंने कहा कि समिति को उसके कार्य क्षेत्र का विवरण प्राप्त हुआ है और 21 जनवरी से काम शुरू होगा। शीर्ष न्यायालय द्वारा समिति गठित किए जाने के बाद सरकार द्वारा प्रदर्शनकारी किसान संगठनों के साथ समानांतर वार्ता करने के बारे में पूछे जाने पर उन्होने कहा, हमारी समिति के जरिए या फिर प्रदर्शनकारी किसान संगठनों के साथ सरकार की अलग वार्ताओं से (दोनों में से किसी की भी कोशिश से) यदि समाधान निकल जाता है और प्रदर्शन खत्म हो जाता है, तो हमें कोई दिक्कत नहीं है।

शताब्दी बनाई...

दो घंटे तक चली बैठक से लौटने पर उन्होंने स्पष्ट किया कि वह तृणमूल कांग्रेस में ही रहेंगी। उन्होंने ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा प्रकट किया। पार्टी में राज्य उपाध्यक्ष जैसी अहम जिम्मेदारी दिए जाने पर खुशी प्रकट करते हुए शताब्दी ने संवाददाताओं से कहा कि वह पार्टी की एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में काम करेंगी और आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार सुनिश्चित करेंगी। राज्य में आगामी अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। शताब्दी ने कहा कि यदि आप पार्टी से जुड़े विषय को शीर्ष नेतृत्व तक ले जाते हैं तो इसका समाधान हो जाता है। यह घटनाक्रम यही साबित करता है। अभिनय की दुनिया से राजनीति में आईं शताब्दी रॉय ममता बनर्जी की पार्टी के फिल्म संस्कृति से जुड़े लोगों में प्रमुख चेहरा हैं और मुख्यमंत्री की भी खास मानी जाती हैं। वह उन प्रमुख नेताओं में शामिल हैं जो 2009 में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के सिंगुर और नंदीग्राम आंदोलनों में शामिल रही थीं। इन आंदोलनों ने राज्य में वाम मोर्चे के शासन को समाप्त कर दिया और ममता के राज्य की सत्ता में काबिज होने का मार्ग प्रशस्त किया था।

स्टैच्यू ऑफ...

प्रौद्योगिकी में आत्म-निर्भरता पर ध्यान दे रही है, जो बदलाव का बड़ा कारण है। मोदी ने कहा कि नए रेल संपर्कों से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी आने वाले पर्यटकों के अलावा स्थानीय निवासियों को भी बहुत फायदा होगा। उन्होंने कहा, केवड़िया अब गुजरात के एक सुदूर इलाके में स्थित छोटा सा क्षेत्र नहीं रह गया है, बल्कि यह दुनिया के सबसे बड़े पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। मोदी ने कहा, कोरोना वायरस के दौरान महीनों तक सबकुछ बंद रहने के बावजूद केवड़िया आने वाले पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि केवड़िया रेलवे स्टेशन यह सुनिश्चित करने के सरकार के प्रयासों का उदाहरण है कि रेलवे पर्यावरण अनुकूल रहे। जिन आठ ट्रेनों को हरी झंडी दी गई है, उनमें शामिल एक ट्रेन अहमदाबाद-केवड़िया जन शताब्दी एक्सप्रेस में विस्टाडोम पर्यटन कोच की सुविधा उपलब्ध है, जिसकी छत पर शीशे लगे हैं। छत पर शीशे लगे होने के कारण इस कोच में बैठे यात्री बाहर का खूबसूरत नजारा और बेहतर तरीके से देख सकेंगे। मोदी ने कहा, देश के जिस हिस्से में रेलवे की संपर्क सुविधाएं नहीं थी, अब वहां भी रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण के कारण संपर्क सुविधाएं है। पुराने रेल मार्गों को बड़ी रेल लाइनों में बदलने और विद्युतीकरण का काम पहले से कहीं अधिक तेजी से हो रहा है।

माल्या के खिलाफ किन नियमों के तहत लुक आउट सर्कुलर जारी किए गए

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना आयोग ने सीबीआई को निर्देश दिया है कि उन नियमों के बारे में बताएं जिनके तहत विजय माल्या के खिलाफ अक्टूबर और नवंबर 2015 में दो अलग-अलग लुक आउट सर्कुलर जारी किए गए। माल्या नौ हजार करोड़ रुपए के ऋण धोखाधड़ी मामले का आरोपी है। सूत्रों ने बताया था कि सीबीआई ने नवंबर 2015 के अंतिम हफ्ते में माल्या के खिलाफ नया एलओसी जारी किया था जिसमें देश भर के हवाई हड्डा अधिकारियों से कहा गया कि माल्या की आवाजाही के बारे में उसे सूचित किया जाए। यह पहले के नोटिस के स्थान पर जारी किया गया जिसमें उद्यमी के देश छोड़ने का प्रयास करने पर हिरासत में लेने की बात कही गई थी।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 18 जनवरी, 2021

जमशेदपुर को हराकर पांचवें स्थान पर पहुंची नार्थईस्ट की टीम

वास्को। आशुतोष मेहता और देशोर्न ब्राउन सीनियर के गोल के बूते नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी ने जीत की पटरी पर लौटते हुए रविवार को यहां के तिलक मैदान पर खेले गए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में जमशेदपुर एफसी को 2-1 से हरा दिया। नॉर्थईस्ट युनाइटेड के लिए आशुतोष ने 36वें और ब्राउन ने 61वें मिनट में गोल किए। ए दोनों गोल फेडरिको गालेगो की मदद पर हुआ। जमशेदपुर के लिए एकमात्र गोल पीटर हार्टले ने 89वें मिनट में किया। नॉर्थईस्ट की पिछले सात मैचों के बाद यह पहली और सत्र की तीसरी जीत है।

गुरप्रीत ने पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल टी। ट्रायल जीता

नई दिल्ली। सेना के निशानेबाज और ओलंपियन गुरप्रीत सिंह ने रविवार को यहां डा. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल टी। ट्रायल्स में जीत दर्ज की। गुरप्रीत के साथी नीरज कुमार ने दूसरा जबकि एयरफोर्स के शिवम शुक्ला ने तीसरा स्थान हासिल किया। गुरप्रीत ने क्वालीफिकेशन में 580 अंक के स्कोर से फाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने कम स्कोर के फाइनल में 21 अंक जुटाकर पहला स्थान प्राप्त किया। नीरज क्वालीफाइंग में 577 अंक और फाइनल में 20 अंक से दोनों में गुरप्रीत के बाद दूसरे स्थान पर रहे।

मैडिसन ने अकेले मनाया जश्न, लीस्टर सिटी दूसरे स्थान पर पहुंचा

लंदन। जेम्स मैडिसन को कोविड-19 के नए दिशानिर्देशों के कारण अपने गोल का अकेले ही जश्न मनाना पड़ा लेकिन उनके शानदार प्रयास से लीस्टर सिटी ने साउथम्पटन को 2-0 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। महामारी के नए दिशानिर्देशों के अनुसार खिलाड़ी आपस में गले नहीं मिल सकते है। मैडिसन 37वें मिनट में योरी टेलेमान्स के पास पर गोल करने के बाद अपने साथियों की तरफ देखकर मुस्कराए और फिर उन्होंने अकेले ही जश्न मनाया। अगर इन छोटी छोटी चीजों को करने से फुटबॉल का खेल जारी रहता है तो फिर हमें कोई परेशानी नहीं है।

ओलंपिक के बारे में फैसला कर सकता है संयुक्त राष्ट्र

सिडनी। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के पूर्व उपाध्यक्ष केविन गोस्पर का मानना है कि एक साल के लिए स्थगित किए गए तोक्यो ओलंपिक का भाग्य का फैसला करने में संयुक्त राष्ट्र अपनी भूमिका निभा सकता है। ओलंपिक खेलों का उद्घाटन 23 जुलाई को हाना है लेकिन तोक्यो, जापान और विश्व भर में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण इसके आयोजन को लेकर आशंकाएं व्यक्त की जा रही है। गोस्पर अब भी आईओसी के मानद सदस्य है और उन्होंने आस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय प्रसारक के साथ बातचीत में यह सुझाव दिया।

सुंदर और ठाकुर ने जगाई उम्मीद

भारत मुकाबले में बरकरार, पहली पारी में 336 रन बनाए, आस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी बिना किसी नुकसान के 21 रन बनाए

भाषा। ब्रिसबेन

निचले क्रम के बल्लेबाजों वाशिंगटन सुंदर और शारदुल ठाकुर ने विषम परिस्थितियों में शतकीय साझेदारी निभाकर आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन रविवार को यहां भारत को मुकाबले में बनाए रखा।

आस्ट्रेलिया के 369 रन के जवाब में शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की नाकामी के कारण बैकफुट पर खड़ा भारत आखिर में अपनी पहली पारी में 336 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में सफल रहा। आस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी बिना किसी नुकसान के 21 रन बनाए थे और इस तरह से उसकी कुल बढ़त 54 रन की हो गई है। स्टंप उखड़ने के समय डेविड वार्नर 20 और मार्कस हैरिस एक रन पर खेल रहे थे। भारत का स्कोर एक समय छह विकेट पर 186 रन था और वह आस्ट्रेलिया से 183 रन पीछे था। ठाकुर (67) और सुंदर (62) ने यहीं से जिम्मेदारी संभाली और सातवें विकेट के लिए 123 रन की साझेदारी की जो वर्तमान श्रृंखला में दोनों टीम की तरफ से किसी भी विकेट के लिए दूसरी बड़ी भागीदारी है। भारत ने पहले सत्र में 99 और दूसरे सत्र में 92 रन जोड़े और इस बीच दो-दो विकेट गंवाए। तीसरे सत्र में पुछल्ले बल्लेबाजों ने आखिर तक संघर्ष जारी रखा। इस सत्र में भी भारत चार विकेट के एवज में 83 रन जोड़ने में सफल रहा। आस्ट्रेलिया की तरफ से जोश हेजलवुड ने 57 रन देकर पांच विकेट लिए। मिशेल स्टार्क और पैट कमिन्स ने दो . दो विकेट हासिल किए। भारत ने सुबह के सत्र में चेतेश्वर पुजारा (25) और कप्तान अजिंक्य रहाणे (37) तथा दूसरे सत्र में मयंक अग्रवाल (38) और ऋषभ पंत (23) के विकेट गंवाए। इन चारों बल्लेबाजों ने सकारात्मक शुरुआत की लेकिन वे बड़ी पारी नहीं खेल पाए जिसकी भारत को सख्त जरूरत थी। सुंदर और ठाकुर ने हालांकि आस्ट्रेलिया की बड़ी बढ़त हासिल करने की उम्मीदों पर पानी फेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सुंदर ने शार्ट पिच गेंदों का अच्छी तरह सामना करके अपनी रक्षात्मक तकनीक से प्रभावित किया। ठाकुर भी आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के सामने किसी तरह से दबाव में नहीं दिखे। आस्ट्रेलिया ने 80 ओवर पूरे होते ही नई गेंद ली लेकिन इन दोनों पर उसका भी प्रभाव नहीं पड़ा। उन्होंने नई गेंद से 22 ओवर तक आस्ट्रेलिया को सफलता से दूर रखा। बाएं हाथ की उंगली में चोट के बावजूद ठाकुर का स्टार्क पर लगाया गया ड्राइव दर्शनीय था। उन्होंने अपना 100वां टेस्ट मैच खेल रहे लियोन पर लांग ऑन पर छक्का जड़कर अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। इसी ओवर में सुंदर के खूबसूरत चौके से साझेदारी तिहरे अंक में पहुंची। सुंदर भी अगले ओवर में अर्धशतक पूरा करने में सफल रहे। यह साझेदारी तोड़ने के लिए आस्ट्रेलिया ने अपना पूरा दमखम लगाया और लगातार शार्ट पिच गेंदें की। आखिर में कमिन्स की बेहतरीन गुडलेंथ गेंद ठाकुर के रक्षण को भेदकर विकेटों में समा गई।

शारदुल ठाकुर

स्कोरबोर्ड

आस्ट्रेलिया पहली पारी : 369,

भारत पहली पारी : रोहित का स्टार्क बो लियोन 44, गिल का स्मिथ बो कमिन्स 07, पुजारा का पेन बो हेजलवुड 25, रहाणे का वेड बो स्टार्क 37, अग्रवाल का स्मिथ बो हेजलवुड 38, ऋषभ पंत का ग्रीन बो हेजलवुड 23, सुंदर का ग्रीन बो स्टार्क 62, ठाकुर बो कमिन्स 67, सैनी का स्मिथ बो हेजलवुड 05, सिराज बो हेजलवुड 13, टी नटराजन नाबाद 01 ,

अतिरिक्त (बाई 05, लेग बाई 07, नोबॉल 02) 14 ,**कुल** (111.4 ओवर में, सभी आउट) 336 ,**विकेट पतन :** 1-11, 2-60, 3-105, 4-144, 5-161, 6-186, 7-309, 8-320, 9-328 ,**गेंदबाजी :** स्टार्क 23-3-88-2, हेजलवुड 24.4-6-57-5, कमिन्स 27-5-94-2, ग्रीन 8-1-20-0, लियोन 28-9-65-1, लाबुशेन 1-1-10-0

आस्ट्रेलिया दूसरी पारी : हैरिस खेल रहे है 01, वार्नर खेल रहे है 20, **कुल** (छह ओवर मे, बिना किसी नुकसान के) 21, **गेंदबाजी :** सिराज 2-1-12-0, नटराजन 3-0-6-0, सुंदर 1-0-3-0

दर्शकों से सम्मान पाने की ख्वाहिश ने शारदुल को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया

ब्रिसबेन। भारतीय तेज गेंदबाज शारदुल ठाकुर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां चौथे टेस्ट की पहली पारी में जब बल्लेबाजी के लिए उतरे तब टीम छह विकेट पर 186 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी ऐसे में उनके दिमाग में कोच रवि शास्त्री की वह बात थी जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर आप इस देश में प्रदर्शन करते है तो दर्शकों से काफी सम्मान मिलेगा। शारदुल ने मैच के बाद वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, जब मैं मैदान में गया, तो स्थिति कठिन थी और मैं इससे इनकार नहीं करूंगा। दर्शक ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों की हौसला अफजाई कर रहे थे। लेकिन मुझे हमारे कोच रवि शास्त्री की एकदिवसीय श्रृंखला से पहले की गई बातें याद थीं। उन्होंने कहा था कि अगर आप इस देश में प्रदर्शन करते हैं, तो आपको (दर्शकों का) सम्मान मिलेगा। इस तेज गेंदबाज ने कहा, कोच ने कहा था लोग आपके प्रदर्शन के कारण आप से प्यार करेंगे और मेरे दिमाग में सिर्फ एक बात थी मुझे दर्शकों का सम्मान मिले। दिन के खेल के बाद यह मेरी टीम के लिए मददगार होगा, मेरे लिए यही सबसे बड़ी सकारात्मक बात है। मेरे दिमाग में दो ही चीजें थी। दर्शक शोर मचाएंगे लेकिन अगर मैं अच्छी बल्लेबाजी करूंगा तो वे मेरी तारीफ भी करेंगे। दर्शकों के साथ भारतीय ड्रेसिंग रूम ने भी आउट होने के बाद खड़े होकर उनका अभिवादन किया। उन्हें बल्लेबाजी करना पसंद है और वह मौके का इंतजार कर रहे थे। मैं बल्लेबाजी करने में सक्षम हूं। टीम में जब भी थ्रो-डाउन विशेषज्ञ के पास समय होता है तब मैं अभ्यास करता हूं। ए ऐसे पल हैं जिसके लिए आप कड़ी मेहनत करते है। इसका इंतजार करते है कि टीम के लिए कुछ कर सके। बल्लेबाजी के समय बस यही विचार था कि क्रीज पर अधिक से अधिक समय बिताऊंताकि रन बने और पहली पारी में रनों के अंतर को कम किया जा सके। टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने से उन्हें काफी फायदा हुआ। उन्होंने कहा, ए टीम का दौरा दूसरी पंक्ति की टीम के लिए होता है। इससे काफी मदद मिली। हम 2016 में यहां आए थे। जब आप उस टीम में खेलते है तो राष्ट्रीय टीम में आने के बाद परिस्थितियां ज्यादा मुश्किल नहीं होती है। सुंदर के साथ साझेदारी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हमने साथ में ज्यादा बल्लेबाजी नहीं की है। एक बार टी20 मैच में और एक बार अभ्यास मैच में ही साथ खेले हैं। दोनों के पास इस स्तर पर सफल होने की मानसिकता है। ईमानदारी से कहूं तो हम स्कोर बोर्ड की तरफ नहीं देख रहे थे। वहां हमारी कोशिश समय बिताने की थी।

वाशिंगटन-शारदुल की साझेदारी शानदार रही: पोंटिंग

ब्रिसबेन। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने निचले क्रम में वाशिंगटन सुंदर और शारदुल ठाकुर की अनुशासित और शानदार बल्लेबाजी की तारीफ की जिससे भारतीय टीम श्रृंखला के चौथे और निर्णायक टेस्ट मुकाबले में बनी हुई है। आस्ट्रेलिया के 369 रन के पहली पारी के स्कोर के जवाब में भारतीय टीम का स्कोर एक समय छह विकेट पर 186 रन था तब पदार्पण करने वाले सुंदर (62) और शारदुल (67) ने सातवें विकेट के लिए 123 रन की अहम साझेदारी से भारत को पहली पारी में 336 रन बनाने में सफल रहा। पोंटिंग ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा, उन्होंने बल्लेबाजी के दौरान जिस तरह का जज्बा और धैर्य दिखाया वह शानदार था। उन्होंने जोखिम नहीं उठाया। वह साझेदारी शानदार थी, बिलकुल वैसी जिसकी उस समय भारतीय टीम को जरूरत थी। वे कुछ टेस्ट के अनुभव के साथ ऐसा करने में सफल रहे। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी में आक्रमकता की कमी थी और तेज गेंदबाजों को भारतीय निचले क्रम के खिलाफ अधिक शॉटपिच गेंदों का इस्तेमाल करना चाहिए था। मुझे नहीं लगता कि वे ज्यादा आक्रामक थे, उन्होंने ज्यादा शॉट गेंदें नहीं फेंकी।

साइ के नए केंद्रों को खिलाड़ियों का नाम देने का फैसला

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उसने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के आगामी और आधुनिक स्वरूप पाने वाले खेल केंद्रों के नाम देश के मशहूर खिलाड़ियों के नाम पर रखने का फैसला किया है। साइ ने विज्ञप्ति में कहा कि देश के खेल नायकों को सम्मान देने के लिए यह पहल शुरू की गई है। पहले चरण में लखनऊके राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में नव निर्मित वातानुकूलित कुश्ती हॉल और तरणताल, भोपाल के एनसीओई में 100 बिस्तरों के हॉस्टल, एनसीओई सोनीपत में बहुउद्देशीय हॉल और लड़कियों के हॉस्टल तथा गुवाहाटी के साइ अभ्यास केंद्र का नाम स्थानीय खिलाडिय़ों के नाम पर रखा जाएगा। इस अवसर पर खेल मंत्री कीरेन रीजीजू ने कहा, देश में खेल संस्कृति के विकास के लिए यह महत्वपूर्ण है कि हमारे खिलाडिय़ों को वह सम्मान मिले जिसके वे हकदार हैं। तभी युवा पीढ़ी खेलों को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित होगी। मंत्रालय ने हालांकि यह नहीं बताया कि उसने किन खिलाड़ियों के नाम पर इन खेल केंद्रों के नाम रखने का फैसला किया है।

श्रीलंका ने दिया 74 रन का लक्ष्य

इंग्लैंड जीत से 36 रन दूर

भाषा। गॉल

श्रीलंका ने लाहिरू तिरिमाने के आठ साल में पहले टेस्ट शतक से रविवार को यहां पहले टेस्ट के चौथे दिन दूसरी पारी में 359 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत के लिए 74 रन का लक्ष्य दिया जिसने स्टंप तक तीन विकेट गंवाकर 38 रन बना लिए। दिन का खेल समाप्त होने तक जॉनी बेयरस्टो 11 और डैन लारेंस सात रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। इंग्लैंड ने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज डॉम सिबले (02) का विकेट गंवा दिया। जिसके बाद दूसरी सलामी बल्लेबाज जाक क्राले (08) भी सस्ते में पवेलियन लौट गए। दोनों विकेट लसिथ एम्बुलडेनिया (13 रन देकर दो विकेट) ने हासिल किए। वहीं पहली पारी में दोहरा शतक जड़ने वाले कप्तान जो रूट (एक रन) रन आउट हो गए। इससे पहले श्रीलंका ने चायकाल के बाद अपने स्कोर में तीन विकेट गंवाकर 57 रन जोड़े और दूसरी पारी 359 रन पर समाप्त की। जिसमें तिरिमाने के 111 रन के अलावा 87 टेस्ट के अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज ने 71 रन बनाए। वहीं सलामी बल्लेबाज कुसल परेरा ने 62 रन की अर्धशतकीय पारी खेली थी। श्रीलंका ने पहली पारी में 135 रन बनाए थे जिसके जवाब में इंग्लैंड ने 421 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। इंग्लैंड ने स्पिनरों की बदौलत दूसरे सत्र और तीसरे सत्र में सफलताएं हासिल कीं। बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच ने 122 रन देकर पांच विकेट चटकाए जबकि ऑफ स्पिनर डॉम बेस ने 100 रन देकर तीन विकेट झटके। श्रीलंकाई टीम पहली पारी के हिसाब से 286 रन से पिछड़ रही थी, लेकिन तिरिमाने के शतक की बदौलत वह इसे पीछे छोड़ने में सफल रही।

आंध्र ने केरल और पुदुचेरी ने मुंबई को हराकर उलटफेर किया

मुंबई। आंध्र प्रदेश ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर सैयद मुश्ताक अली ट्राफी टी20 टूर्नामेंट के एलीट ग्रुप ई मैच में लय में चल रही केरल को कम स्कोर पर रोकने के बाद छह विकेट से जीत दर्ज की जबकि एक अन्य मैच में पुदुचेरी ने घरेलू दिग्गज टीम मुंबई को हराकर उलटफेर किया। तीन मैच जीतने वाली केरल की टीम आंध्र की कसी हुई गेंदबाजी के खिलाफ 20 ओवर में चार विकेट पर महज 112 रन ही बना सकी। सचिन बेबी (34 गेंद में नाबाद 51 रन) के अलावा केरल का कोई भी बल्लेबाज खुल कर नहीं खेल सका। आंध्र ने हेब्बर (48) और कप्तान रायुडु (नाबाद 38) की शानदार पारी के दम पर 17.1 ओवर में चार विकेट पर 113 रन बनाकर टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की।

बिहार ने लगातार चौथी जीत दर्ज

चंडीगढ़ ने सिक्किम को रौंदा

भाषा। चेन्नई

मुश्ताक अली ट्राफी टी-20

बिहार ने रविवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्राफी टी20 टूर्नामेंट के प्लेट ग्रुप मैच में मणिपुर को नौ विकेट से रौंद कर लगातार चौथी जीत दर्ज की। बिहार के कप्तान आशुतोष अमन ने टास जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला किया और उसके गेंदबाजों ने मणिपुर को 20 ओवर में आठ विकेट पर 105 रन ही बनाने दिए। रेक्स राजकुमार (29 रन) ने मणिपुर के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए। बिहार के लिए मध्यम गति के गेंदबाज अमोद यादव ने 17 रन देकर चार विकेट हासिल किए। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिहार ने 17.1 ओवर में जीत हासिल की, उसके लिए सलामी बल्लेबाज शाशीम राठौड़ ने नाबाद 60 रन (40 गेंद, सात चौके और दो छक्के) बनाए और बाबुल कुमार (नाबाद 31 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी की। एक अन्य मैच में चंडीगढ़ ने सिक्किम को 131 रन से रौंद दिया और यह उसकी तीसरी जीत थी जिससे उसके 14 अंक हो गए हैं। चंडीगढ़ अंक तालिका में बिहार (16) के बाद दूसरे स्थान पर है। मेघालय और नगालैंड ने भी रविवार को अपने मुकाबलों में जीत हासिल की।

आस्ट्रेलियाई ओपन के लिए पहुंचे खिलाड़ी कड़े पृथक्वास पर

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के लिए दो विशेष विमानों से यहां पहुंचे 47 खिलाड़ियों को कड़े पृथकवास पर भेज दिया गया है क्योंकि इन उड़ान में कोरोना वायरस के चार मामले पॉजीटिव पाए गए हैं। कुछ खिलाड़ी इस बात से भी नाराज थे कि उन्हें पॉजिटिव आए लोगों के

साथ फ्लाइट में मौजूद होने की वजह से ही करीबी संपर्क श्रेणी में रख दिया गया है जिससे उन्हें अन्य खिलाड़ियों की तुलना में सख्त पृथकवास में रहना होगा। अन्य खिलाड़ियों को अपने कमरे से निकलकर प्रत्एक दिन पांच घंटे अभ्यास की अनुमति होगी जबकि करीबी संपर्क वाले खिलाड़ियों के साथ ऐसा नहीं होगा और वे कमरों से बाहर नहीं निकल पाएंगे।

डीएचएफएल मामला: कर्जदाताओं ने पिरामल की बोली पर लगाई मुहर

नई दिल्ली। कर्ज-बोझ तले दबी आवास वित्त कंपनी डीएचएफएल लिमिटेड ने रविवार को कहा कि कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) ने पिरामल समूह की कंपनी पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की पेशकश को मंजूरी दे दी है। डीएचएफएल ने शेयर बाजारों को भेजी नियामकीय सूचना में कहा है कि सीओसी की 18वीं बैठक 15 जनवरी 2021 को हुई। उसी बैठक में यह मंजूरी दी गई। डीएचएफएल ने कहा, कर्जदाताओं की समिति के द्वारा दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 30(4) के तहत बहुमत से पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की पेशकश को स्वीकार कर लिया गया।

टीकाकारण कार्यक्रम में करें प्रावधान, निजी कंपनियों को कर्मचारियों के टीकाकरण को मिले प्रोत्साहन

नई दिल्ली। प्रमुख उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सरकार से कहा है कि कोरोना वायरस टीकाकरण कार्यक्रम में कुछ ऐसे प्रावधान किए जाने चाहिए जिससे निजी कंपनियों को उनके कर्मचारियों के टीकाकरण के लिए प्रोत्साहन मिले। उद्योग संगठन ने कहा है कि टीकाकरण खर्च को कंपनियों के कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के दायरे में लाया जा सकता है। इससे टीकरकण कार्यक्रम को जल्द से जल्द व्यापक दायरे में पहुंचाया जा सकेगा।

लक्ष्मी विलास बैंक के डीबीएस में विलय को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर एक याचिका में लक्ष्मी विलास बैंक (एलवीबी) का डेवलपमेंट बैंक ऑफ सिंगापुर (डीबीएस) में विलय को चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि बैंक के शेयरधारकों को अधर में छोड़ दिया गया है और केंद्र तथा भारतीय रिजर्व बैंक उनके हितों का संरक्षण करने में विफल रहे हैं। यह याचिका 13 जनवरी को मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल तथा न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध थीं, लेकिन इसे 19 फरवरी तक आगे बढ़ा दिया गया है। पीठ को सूचित किया गया कि रिजर्व बैंक ने न्यायालय में याचिका दायर कर इस विलय योजना के खिलाफ सभी याचिकाओं को बंबई उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है।

फ्रेंकलिन टेंपलटन एमएफ की छह बंद योजनाओं से 13,789 करोड़ रुपए प्राप्त हुए

नई दिल्ली। फ्रेंकलिन टेंपलटन म्यूचुअल फंड ने रविवार को कहा कि उसकी छह योजनाओं के अप्रैल में बंद होने के बाद से अब तक परिपक्वता, पूर्व-भुगतान तथा कूपन भुगतान के रूप में 13,789 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। इन योजनाओं को अप्रैल में बंद किया गया था। फ्रेंकलिन टेंपलटन म्यूचल फंड ने 23 अप्रैल, 2020 को निकासी दबाव के बीच छह ऋण म्यूचुअल फंड योजनाओं को बंद कर दिया था। ए योजनाएं हैं.... फ्रेंकलिन इंडिया लो डुरेशन फंड, फ्रेंकलिन इंडिया डायनामिक एक्यूरल फंड, फ्रेंकलिन इंडिया क्रेडिट रिस्क फंड, फ्रैंकलिन इंडिया शॉर्ट टर्म इनकम प्लान, फ्रेंकलिन इंडिया अल्ट्रा शॉर्ट बांड फंड और फ्रेंकलिन इंडिया इनकम अपॉरच्यूनिटीज फंड को बंद कर दिया गया था। इन योजनाओं के प्रबंधन के तहत कुल 25,000 करोड़ रुपए की परिसंपत्तियां थीं।

सरकारी बैंकों में पूंजी डालने के लिए नए मॉडल पर विचार

● शून्य कूपन बांड पर आरबीआई के चिंता जताने के बाद लिया फैसला

भाषा। नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में नई पूंजी डालने के लिए शून्य कूपन बांड जारी करने पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा चिंता जताए जाने के बाद वित्त मंत्रालय दूसरे वहनीय विकल्पों पर विचार कर रहा है। सूत्रों का कहना है कि अब वित्त मंत्रालय बैंकों में पूंजी डालने के लिए बैंक निवेश कंपनी (बीआईसी) गठित करने सहित अन्य विकल्पों पर विचार कर रहा है। पी जे नायक समिति ने भारत में बैंकों के बोर्ड संचालन पर तैयार अपनी रिपोर्ट में बीआईसी को बैंकों की होल्डिंग कंपनी के रूप में स्थापित करने या मुख्य निवेश कंपनी बनाए जाने का सुझाव दिया था। रिपोर्ट में बैंकों में सरकार के शेयर बीआईसी में स्थानांतरित करने का सुझाव दिया गया था, जो इन सभी बैंकों की मूल होल्डिंग कंपनी बन जाएगी। इससे सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंक लिमिटेड बैंक बन जाएंगे। बीआईसी स्वायत्त कंपनी होगी और उसे निदेशक मंडल के सदस्य नियुक्त करने और अनुषंगियों के बारे में अन्य नीतिगत फैसले लेने का अधिकार होगा। सूत्रों ने कहा कि बीआईसी एक सुपर होल्डिंग कंपनी होगी। वर्ष 2014 में आयोजित बैंकरों के पहले ज्ञान संगम रिट्रीट में इस पर विचार-विमर्श किया गया था। यह प्रस्ताव किया गया था कि होल्डिंग कंपनी बैंकों की पूंजी जरूरत का ध्यान रखेगी ओर सरकार के समर्थन के बिना उनके लिए कोष का प्रबंध करेगी। इसके अलावा यह पूंजी जुटाने के वैकल्पिक तरीकों पर मसलन सस्ती पूंजी जुटाने के लिए गैर-वोटिंग शेयरों की बिक्री करने पर भी विचार कर सकती है। इससे सरकारी बैंकों की सरकार के समर्थन पर निर्भरता कम हो सकेगी। ब्याज के बोझ और वित्तीय दबाव से बचने के लिए सरकार ने बैंकों की पूंजी जरूरतों को पूरा करने के लिए शून्य-कूपन बांड जारी करने का फैसला किया है। इसका पहला परीक्षण पंजाब एंड सिंध बैंक पर किया गया है।

डीजल, पेट्रोल पर रिकॉर्ड कर वृद्धि से उत्पाद शुल्क संग्रह 48 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। महामारी के कारण भले ही लगभग हर प्रकार के कर संग्रह में कमी आई हो, लेकिन उत्पाद शुल्क संग्रह में चालू वित्त वर्ष के दौरान 48 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसका कारण डीजल और पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क दर में रिकॉर्ड वृद्धि है। महालेखा नियंत्रक (सीजीए) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-नवंबर 2020 के दौरान उत्पाद शुल्क का संग्रह 2019 की इसी अवधि के 1,32,899 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,96,342 करोड़ रुपए हो गया।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.13 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 1,13,018.94 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल रहीं। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में भी इजाफा हुआ। वहीं दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 42,495.76 करोड़ रुपए बढ़कर 12,13,371.12 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 33,960.84 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 3,28,697.33 करोड़ रुपए रहा। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 19,001.41 करोड़ रुपए बढ़कर 8,07,615.27 करोड़ रुपए पर और इन्फोसिस की 14,184.43 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,72,957.16 करोड़ रुपए रही।

आईटी क्षेत्र के लिए अच्छा रहेगा 2021, कंपनियां उंची एक अंकीय वृद्धि दर्ज कर सकती हैं: बालाकृष्णन

बेंगलुरू। भारत के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के लिए वर्ष 2021 अच्छा साल रहेगा और इस क्षेत्र की अधिकांश कंपनियां 10 प्रतिशत तक की उंची एक अंकीय वृद्धि दर्ज कर सकती हैं। आईटी क्षेत्र के अनुभवी वी. बालाकृष्णन ने यह अनुमान व्यक्त किया है। बालाकृष्णन प्रमुख आईटी कंपनी इन्फोसिस के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी रह चुके हैं। वह अभी एक्सफिनिटी वेंचर पार्टनर्स के चेयरमैन एवं पार्टनर हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय आईटी कंपनियों ने घर से काम की नई व्यवस्था को अपनाने तथा महामारी के मद्देनजर नए अवसरों को लपकने के संदर्भ में अच्छा काम किया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में आ सकती है 25 प्रतिशत की गिरावट : अर्थशास्त्री

भाषा। नई दिल्ली

देश के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अरुण कुमार का मानना है कि सरकार के दावे के विपरीत अर्थव्यवस्था में अधिक तेजी से सुधार नहीं आ रहा है। कुमार ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में 25 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। कुमार ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के दौरान जीडीपी में बड़ी गिरावट से बजट अनुमान पूरी तरह दायरे से बाहर निकल गया है और बजट को दुरुस्त करने की जरूरत है। कुमार ने कहा, देश की आर्थिक वृद्धि में उतनी तेजी से सुधार नहीं आ रहा है, जैसा सरकार दिखा रही है।

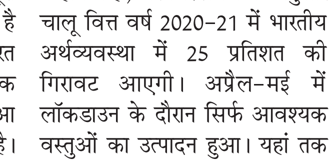

असंगठित क्षेत्र की स्थिति में सुधार नहीं हुआ है और सेवा क्षेत्र के कुछ महत्वपूर्ण हिस्से भी उबर नहीं पाए हैं। उन्होंने कहा, मेरे विश्लेषण के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 25 प्रतिशत की गिरावट आएगी। अप्रैल-मई में लॉकडाउन के दौरान सिर्फ आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन हुआ। यहां तक कि कृषि क्षेत्र में भी वृद्धि नहीं हुई। भारतीय रिजर्व बैंक का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.5 प्रतिशत की गिरावट आएगी। वहीं राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने अर्थव्यवस्था में 7.7 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया है।

वर्ष के पहले नौ माह में बैंकों का ऋण 3.2 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। बैंकों का ऋण चालू वित्त वर्ष 2020-21 के पहले नौ माह (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान 3.2 प्रतिशत बढ़कर 107.05 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में बैंकों का ऋण 2.7 प्रतिशत बढ़ा था। वहीं 27 मार्च, 2020 को समाप्त पखवाड़े में बैंकों का अग्रिम 103.72 लाख करोड़ रुपए रहा था। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में बैंकों की जमा 8.5 प्रतिशत बढ़कर 147.27 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में बैंकों की जमा में 5.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। बैंकों को निवेश का सुरक्षित विकल्प माना जाता है। इस वजह से बैंकों की जमा में बढ़ोतरी हुई है।

सिंधिया स्कूल फिर खुला

ग्वालियर। ग्वालियर के सिंधिया स्कूल को 9 महीने बाद दोबारा खोलने के लिए राज्य सरकार से हरी झंडी मिल गई है। स्कूल अपने कैंपस में छात्रों का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। आगामी 11 और 12 जनवरी को कक्षा 12 वीं के छात्रों के साथ स्कूल एक शानदार तरीके से खुलेगा। इसके बाद जल्द ही दसवीं कक्षा के छात्र भी स्कूल आना शुरू कर देंगे। 123 साल पुराने इस बोर्डिंग स्कूल ने एक बार फिर 2020.21 के लिए एनुअल एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। रैंकिंग दुनिया में अपनी तरह की सबसे बड़ी रैंकिंग है।

2030 तक 10 करोड़ टन लौह अयस्क उत्पादन का लक्ष्य

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी एनएमडीसी ने चालू वित्त वर्ष में अपनी क्षमता का 97 प्रतिशत इस्तेमाल करते हुए 3.5 करोड़ टन लौह अयस्क का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने इसके साथ ही 2030 तक 10 करोड़ टन उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य भी तय किया है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। सरकार ने 2030 तक देश में 30 करोड़ टन इस्पात उत्पादन का लक्ष्य तय किया है। इस्पात बनाने में कोयला के साथ ही लौह अयस्क सबसे महत्वपूर्ण अवयव है।

कोविड-19 टीकाकरण अभियान से तय होगी शेयर बाजारों की दिशा

नई दिल्ली। शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक घटनाक्रमों से तय होगी। विश्लेषकों का कहना है कि आगामी आम बजट से पहले बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। इसके अलावा निवेशकों की निगाह कोविड-19 से जुड़े घटनाक्रमों, विशेषरूप से देश में टीकाकरण अभियान पर रहेगी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, तिमाही नतीजों तथा कमजोर वैश्विक रुख से आगे चलकर बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। बजट से पहले उतार-चढ़ाव और बढ़ सकता है।

बाइडन ने प्रशासन में 20 भारतीय अमेरिकियों को किया नामित

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने प्रशासन में अहम पदों पर 13 महिलाओं समेत कम से कम 20 भारतीय-अमेरिकियों को नामित किया है। इन 20 भारतीय-अमेरिकियों में से कम से कम 17 लोग शक्तिशाली व्हाइट हाउस में अहम पद संभालेंगे। अमेरिका की कुल आबादी का एक प्रतिशत भारतीय-अमेरिकी हैं और इस छोटे समुदाय से किसी प्रशासन में पहली बार इतनी अधिक संख्या में लोगों को नियुक्त किया जाएगा। बाइडन 20 जनवरी को अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे और इसी दिन कमला हैरिस शपथ ग्रहण करके देश की पहली महिला उपराष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालेंगी। हैरिस अमेरिका में भारतीय मूल की पहली उपराष्ट्रपति होंगी। वह यह कार्यभार संभालने वाली पहली अफ्रीकी-अमेरिकी भी होंगी। यह पहली बार है, जब शपथ ग्रहण समारोह से पहले किसी राष्ट्रपति के प्रशासन में इतनी अधिक संख्या में भारतीय-अमेरिकियों को नामित किया गया है। बाइडन के प्रशासन में अब भी कई पद रिक्त हैं। इस सूची में सबसे ऊपर नीरा टंडन और डॉ. विवेक मूर्ति हैं। बाइडन प्रशासन में व्हाइट हाउस कार्यालय के प्रबंधन एवं बजट के निदेशक के तौर पर टंडन और अमेरिकी सर्जन जनरल के तौर पर डॉ. मूर्ति को नामित किया गया है। वनीता गुप्ता को विधि मंत्रालय की एसोसिएट अटॉर्नी जनरल नामित किया गया है। बाइडन ने शनिवार को विदेश सेवा की पूर्व अधिकारी उजरा जेया को असैन्य सुरक्षा, लोकतंत्र एवं मानवाधिकार के लिए अवर विदेश मंत्री नियुक्त किया। इंडियासपोरा के संस्थापक एम आर रंगास्वामी ने पीटीआई से कहा, भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने लोक सेवा के लिए पिछले कई वर्षों में जो समर्पण दिखाया है, उसे इस प्रशासन की शुरुआत में ही मान्यता मिल रही है। मैं खासकर इस बात से खुश हूं कि इनमें महिलाओं की संख्या अधिक है। माला अडिगा को भावी प्रथम महिला डॉ. जिल बाइडन की नीति निदेशक और गरिमा वर्मा को प्रथम महिला के कार्यालय की डिजिटल निदेशक नियुक्त किया गया है, जबकि सबरीना सिंह को उनकी उप प्रेस मंत्री नियुक्त किया गया है।व्हाइट हाउस में पहली बार ऐसे दो भारतीय-अमेरिकियों को स्थान दिया गया है, जो मूल रूप से कश्मीर से संबंध रखते हैं। इनमें आयशा शाह को व्हाइट हाउस कार्यालय की डिजिटल रणनीति की पार्टनरशिप मैनेजर और समीरा फाजली को व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की उप निदेशक नामित किया गया है।व्हाइट हाउस राष्ट्रीय आर्थिक परिषद में एक अन्य भारतीय अमेरिकी भारत राममूर्ति को उपनिदेशक नियुक्त किया गया है। गौतम राघवन को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति कार्मिक कार्यालय में उप निदेशक नामित किया गया है। विनय रेड्डी को बाइडन का भाषण निदेशक नामित किया गया है। वेदांत पटेल राष्ट्रपति के सहायक प्रेस मंत्री के तौर पर जिम्मेदारी संभालेंगे। तीन भारतीय अमेरिकियों को व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में नामित किया गया है। तरुण छाबड़ा को प्रौद्योगिकी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा का वरिष्ठ निदेशक, सुमोना गुहा को दक्षिण एशिया के लिए वरिष्ठ निदेशक और शांति कलाथिल को लोकतंत्र एवं मानवाधिकार समन्यवय नियुक्त किया गया है। इनके अलावा सोनिया अग्रवाल को व्हाइट हाउस में घरेलू पर्यावरण नीति कार्यालय में पर्यावरणीय नीति एवं नवोन्मेष की वरिष्ठ सलाहकार और विदुर शर्मा को व्हाइट हाउस कोविड-19 कार्वाई दल में जांच के लिए नीति सलाहकार नामित किया गया हौ। दो भारतीय अमेरिकी महिलाओं को व्हाइट हाउस मंत्रणा कार्यालय में नियुक्त किया गया है। नेहा गुप्ता को एसोसिएट काउन्सल और रीमा शाह को डिप्टी एसोसिएट काउन्सल नियुक्त किया गया है। इसके अलावा व्हाइट हाउस में पहली बार तीन अन्य दक्षिण एशियाई लोगों को अहम पदों पर नामित किया गया है। पाकिस्तानी अमेरिकी अली जैदी को व्हाइट हाउस उप राष्ट्रीय जलवायु सलाहकार, श्रीलंकाई-अमेरिकी रोहिणी कोसोग्लु को उपराष्ट्रपति की घरेलू नीति सलाहकार और जायन सिद्दिकी को व्हाइट हाउस डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ का वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किया गया है।

कार्यकाल के पहले ही दिन करीब एक दर्जन प्रस्तावों पर हस्ताक्षर करेंगे बाइडन

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन अपने कार्यकाल के पहले दिन देश के सामने मौजूद चार चुनौतियों- कोविड-19 संकट, आर्थिक संकट, पर्यावरण संबंधी संकट और नस्ली असमानता से निपटने के लिए करीब एक दर्जन प्रस्तावों पर हस्ताक्षर करेंगे। व्हाइट हाउस के नवनियुक्त चीफ आफ स्टाफ रोन क्लीन ने आगामी व्हाइट हाउस वरिष्ठ कर्मियों को शनिवार को दिए एक ज्ञापन में कहा, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति बाइडन ऐसे समय में कार्यभाल संभाल रहे हैं, जब देश गंभीर संकट से जूझ रहा है। हमारे सामने चार बड़े संकट हैं, जो एक दूसरे से जुड़े हैं। ए संकट हैं- कोविड-19 संकट, इसके कारण पैदा हुआ आर्थिक संकट, पर्यावरण से जुड़ा संकट और नस्ली समानता (के अभाव) से जुड़ा संकट। उन्होंने कहा कि इन सभी संकटों के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की आवश्यकता है और बाइडन अपने कार्यकाल के शुरुआती 10 दिन में इन संकटों से निपटने के लिए निर्णायक कदम उठाएंगे। क्लीन ने कहा, शपथ ग्रहण के दिन नवनिर्वाचित राष्ट्रपति बाइडन चार संकटों से निपटने के लिए करीब एक दर्जन प्रस्तावों पर हस्ताक्षर करेंगे। उन्होंने कहा कि जैसे कि पहले ही घोषणा की गई थी, वह शिक्षा विभाग से छात्रों के लिए ऋण के भुगतान पर मौजूदा रोक की अवधि बढ़ाएंगे, पेरिस समझौते में पुनः शामिल होंगे और मुसलमानों पर प्रतिबंध हटाएंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी का एक दृश्य

सेवानिवृत्त कार्डिनल के कोरोना वायरस वीडियो को लेकर फेसबुक ने चेतावनी जारी की

मेक्सिको सिटी । फेसबुक ने मेक्सिको के सेवानिवृत्त कार्डिनल जुआन सैंडोवल इनिगुएज के एक चैट पर चेतावनी स्क्रीन लगाई है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि कोरोना वायरस के टीकों में शैतानी माइक्रोचिप लगा हुआ है।फेसबुक स्क्रीन पर दर्शकों को चेतावनी दी गई है, यह पोस्ट कोविड-19 के बारे में उस सूचना को दोहराता है, जिसे तथ्यों की निष्पक्ष जांच करने वाले गलत बताते हैं। सैंडोवल इनिगुएज गुआडालाजारा के एमिरेटस आर्कबिशप हैं, जो 75 वर्ष की उम्र में 2011 में सेवानिवृत्त हो गए। मार्च में वह 88 वर्ष के हो गए। इस वीडियो में वह एक चिप का जिक्र करते हुए कह रहे हैं कि इसे उन्होंने आपको नियंत्रित करने के लिए योजना के तहत डाला है। यह क्रूरता है। इस वीडियो का शीर्षक है, ईसा मसीह के बगैर नई दुनिया का षड्यंत्र।

पवित्र कोलम रंगोली भी होगी बाइडन-हैरिस के शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत का हिस्सा

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन और नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के शपथ ग्रहण से जुड़े ऑनलाइन समारोह की शुरुआत में परंपरागत भारतीय रंगोली भी उकेरी जाएगी। रंगोली को तमिलनाडु में कोलम के नाम से जाना जाता है। घर के द्वार पर इसे बनाना शुभ माना जाता है। हैरिस की मां मूल रूप से तमिलनाडु की रहने वाली थीं। बाइडन और हैरिस के स्वागत के लिए और अमेरिका की बहुसांस्कृतिक विरासत को दर्शाने के लिए एक वीडियो में शनिवार को कोलम की हजारों तस्वीरों को गूंथा गया।रंगोली के हजारों डिजाइन बनाने के लिए अमेरिका और भारत के1,800 से अधिक लोगों ने इस ऑनलाइन पहल में हिस्सा लिया। इस पहल में भाग लेने वाली मल्टीमीडिया कलाकार शांति चंद्रशेखर ने कहा, कई लोगों का मानना है कि कोलम सकारात्मक ऊर्जा और नई शुरुआत का प्रतीक है। विभिन्न समुदायों के सभी आयुवर्ग के लोगों ने पर्यावरण के अनुकूल सामग्री से बनी रंगोलियां बनाने की इस पहल में अपने-अपने घर से भाग लिया। स्थानीय स्तर पर शुरू की गई यह पहल हमारी उम्मीदों से अधिक बड़ी बन गई। शुरुआत में इसे व्हाइट हाउस के बाहर बनाया जाना था। बाद में इसे कैपिटल हिल के बाहर बनाने की अनुमति दे दी गई थी, लेकिन वाशिंगटन डीसी में सुरक्षा के अभूतपूर्व प्रबंधों के कारण यह अनुमति रद्द कर दी गई। इनॉगरेशन कोलम 2021 आयोजन दल की सदस्य सौम्या सोमनाथ ने कहा कि स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों की मंजूरी के बाद इसे प्रदर्शित किए जाने की तारीख तय की जाएगी। वाशिंगटन डीसी पब्लिक स्कूल की कला निदेशक मैरी लांबर्ट और विजुअल आर्ट मैनेजर लिंडसे वांसे ने चंद्रशेखर के साथ मिलकर योगदान दिया और कुछ ही दिन बाद पद्भार संभालने आने वाले बाइडन का स्वागत करने के लिए हजारों कोलम रचनाओं से मिलाकर वीडियो बनाया।

● **रंगोली को तमिलनाडु में कोलम के नाम से जाना जाता है**

कमला हैरिस को उप राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाएंगी पहली लातिन अमेरिकी न्यायमूर्ति

भाषा। वाशिंगटन

प्रथम महिला, प्रथम अश्वेत और दक्षिण एशियाई मूल की प्रथम उप राष्ट्रपति के तौर पर बुधवार को शपथ ग्रहण करने के साथ कमला हैरिस इतिहास रचने जा रही हैं। उन्हें न्यायमूर्ति सोनिया सोटोमायोर 20 जनवरी को अमेरिका के उप राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाएंगी। सोटोमायोर पहली लातिन अमेरिकी न्यायमूर्ति हैं। एबीसी न्यूज की खबर के मुताबिक नवनिर्वाचित उप राष्ट्रपति कमला (58) सोटोमायोर की पृष्ठभूमि को प्रेरक मानती हैं। एक सूत्र के मुताबिक सोटोमायोर का चयन हैरिस ने किया है। दोनों ही अभियोजक रह चुकी हैं। हैरिस कैलिफोर्निया में ,जबकि सोटोमायारो न्यूयार्क में अभियोजक रही हैं। शपथ ग्रहण के लिए हैरिस दो बाइबल का उपयोग करेंगी, जिनमें से एक रेगीना शेल्टन की होगी। हैरिस और उनकी बहन माया उन्हें मां के समान मानती हैं। सीएनन की खबर के मुताबिक हैरिस ने कैलिफोर्निया के अटार्नी जनरल पद की शपथ के लिए शेल्टन की बाइबल का उपयोग किया था। दूसरी बाइबल थरगुड मार्शल की होगी, जो सुप्रीम कोर्ट में प्रथम अफ्रीकी-अमेरिकी न्यायाधीश रहे हैं। हैरिस, सोटोमायोर और मार्शल दोनों की प्रशंसक रही हैं। हैरिस ने ट्विटर पर पोस्ट एक वीडियो में कहा था कि उनके वकील बनने की इच्छा के पीछे एक प्रमुख वजह मार्शल हैं। सोटोमायोर ने इससे पहले 2013 में जो बाइडन को उप राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई थी।

तिब्बती बौद्ध धर्म गुरु की सिंगापुर में मृत्यु होने के बाद काठमाडू में पारंपरिक तरीके से शव यात्रा निकालते बौद्ध भिक्षु

क्विक न्यूज

ट्रंप द्वारा रिकॉर्ड संभालकर नहीं रखे जाने के कारण दस्तावेजों के संकलन में आ रही है दिक्कत

वाशिंगटन। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कार्यकाल समाप्त होने में महज चंद दिन बचे हैं और ऐसे में उनके कार्यकाल के दस्तावेजों को संजोने का काम चल रहा है, लेकिन ट्रंप द्वारा रिकॉर्ड को सही तरीके से संभालकर नही रखे जाने के कारण इनके संकलन में दिक्कत आ रही है। ट्रंप के साथ कार्य कर चुके एक अधिकारी ने बताया कि ट्रंप दस्तावेजों को सुरक्षित रखने के नियम के प्रति लापरवाह रहे। उन्हे दस्तावेजों को बाहर फेंकने के पहले उन्हें फाड़ देने की आदत थी, जिसकी वजह से व्हाइट हाउस के कर्मियों को उन दस्तवेजों को टेप से चिपका कर जोड़ने के लिए घंटों मशक्कत करनी पड़ती थी। व्हाइट हाउस के पूर्व दस्तावेज विश्लेषक सोलोमन लार्टे ने कहा, हमने कई बार उनसे ऐसा नही करने को कहा, लेकिन उन्होंने ऐसा करना बंद नही किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हुई बैठक के दौरान दुभाषिए द्वारा लिखे नोट को भी जब्त कर लिया था, ट्रंप ने व्हाइट हाउस के अपने सहयोगी को भी बैठक में नोट लिखने पर फटकार लाई। सोसाइटी फॉर हिस्टोरियंस ऑफ अमेरिकन फॉरेन रिलेशंस के रिचर्ड इम्मरमैन ने कहा, इस व्यवस्थागत खामी की वजह से इतिहासकारों को मुश्किल का सामना करना पड़ेगा। गौरतलब है कि राष्ट्रपति दस्तावेज कानून के तहत राष्ट्रपति अभिलेखागार की सलाह के बिना और कांग्रेस द्वारा अधिसूचित किए बिना कोई भी दस्तावेज नष्ट नही कर सकता है।

वाशिंगटन में कैपिटल के नजदीक जांच बिंदु से हथियारबंद शख्स गिरफ्तार

वाशिंगटन । वाशिंगटन में पुलिस ने अमेरिकी संसद भवन कैपिटल के नजदीक एक जांच बिदू पर एक व्यक्ति के पास से एक हैंडगन और 500 राउंड गोलियां बरामद की तथा उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि वेज्ले एलन बीलर को शुक्रवार को कैपिटल के नजदीक रोका गया था और उस पर बिना लाइसेंस वाली पिस्तौल रखने का आरोप है। अदालत के दस्तावेजो के मुताबिक बीलर जांच बिदू पर पहुंचा था लेकिन उसके पास इस इलाके मे प्रवेश के लिए कोई वैध दस्तावेज नही थे। एक अधिकारी ने उसके वाहन पर हथियार संबंधी स्टीकर देखा। जब बीलर से इस बारे में पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसके पास एक हैंडगन है। पुलिस ने उसे वही पर हिरासत मे ले लिया।उसके वाहन से नौ एमएम की हैंडगन और 500 राउंड से अधिक गोलियां मिली।अधिकारियों ने कहा कि उसके पास वाशिंगटन मे अपने साथ बंदूक रखने का लाइसेंस नही है।

अफगानिस्तान की राजधानी में बंदूकधारियों के हमले में दो महिला न्यायाधीशों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल मे बंदूधारियो ने एक कार पर गोलीबारी की जिसमे अफगानिस्तान की हाईकोर्ट मे कार्यरत दो महिला न्यायाधीशो की मौत हो गई और कार चालक घायल हो गया। कतर में अफगान सरकार के अधिकारियो और तालिबान के बीच जारी शांति वार्ता के दौरान काबुल में हुआ यह ताजा हमला है। अफगानिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के प्रवक्ता अहमद फहीम कविम ने बताया कि हमले में मारी गईं महिलाएं न्यायाधीश थी, जो हाईकोर्ट मे कार्यरत थी, लेकिन उन्होने उनके नाम नही बताए। अभी तक किसी ने भी इस हमले की जिम्मेदारी नही है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि इस हमले के पीछे तालिबान का हाथ नही है।अफगानिस्तान सरकार ने हालिया महीनो मे हुईं हत्या की घटनाओ के लिए तालिबान को दोषी ठहराया है, जबकि तालिबान का आरोप है कि सरकार शांति प्रक्रिया को बाधित करने के लिए इस प्रकार की हत्याएं करा रही है। राजधानी मे शैक्षणिक संस्थानो पर हमले समेत हालिया कुछ महीने मे हुए हमलो की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट समूह ने ली है। शैक्षणिक संस्थानो पर हमले मे 50 लोगो की मौत हो गई थी।

चीन के शहर में आइसक्रीम में मिला कोरोना वायरस

बीजिंग। पूर्वी चीन के एक शहर में आइसक्रीम में कोरोना वायरस पाए जाने के बाद उस बैच के सभी डिब्बों को वापस मंगाया गया है। बीजिंग के निकट स्थित तियानजिन शहर की सरकार ने एक बयान जारी करके बताया कि शहर में स्थित दाकियाओदाओ फूड कंपनी को सील कर दिया गया है और उसके कर्मियों की कोरोना वायरस संक्रमण संबंधी जांच की जा रही है। हालांकि ,अभी तक इस बात का कोई संकेत नही मिला है कि आइसक्रीम मे मिले वायरस के कारण कोई व्यक्ति संक्रमित हुआ हो। सरकार ने बताया कि बैच के 29,000 डिब्बों में से अधिकतर को अभी बेचा नही गया है। तियानजिन में बेचे गए 390 डिब्बों का पता लगाया जा रहा है।सरकार ने बताया कि इस आइसक्रीम मे न्यूजीलैंड मे बना दूध का पाउडर और यूक्रेन का छाछ पाउडर इस्तेमाल किया गया था।चीन सरकार ने कहा है कि यह बीमारी किसी अन्य देश से उसके देश मे पहुंची थी। उनका कहना है कि आयातित मछली एवं अन्य खाद्य सामग्रियो मे कोरोना वायरस मिला है, लेकिन विदेशी वैज्ञानिको को इस बात पर संदेह है।

लीबिया में अस्थाई सरकार चुनने के संबंध में सफलता मिली: संयुक्त राष्ट्र

एपी। काहिरा

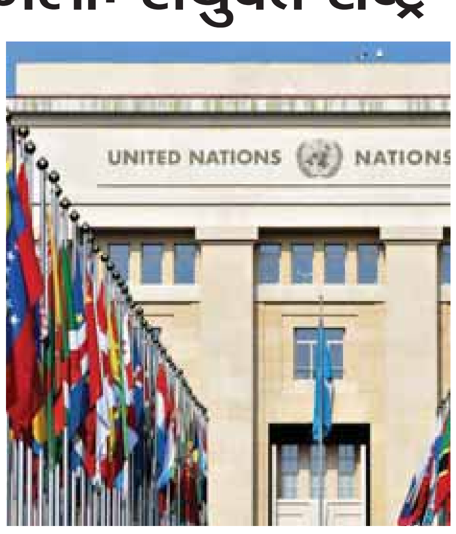

संयुक्त राष्ट्र की एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को कहा कि लीबिया के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की एक सलाहकार समिति ने अस्थाई सरकार चुनने का एक प्रस्ताव रखा है, जिससे इस युद्धग्रस्त देश में इस साल के अंत में चुनाव कराने की राह तय की जा सके। लीबिया में जारी गृह युद्ध को शांतिपूर्वक तरीके से खत्म करने के भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच जिनेवा में लीबियाई राजनीतिक वार्ता फोरम के तहत वार्ताएं चल रही हैं। इससे पहले हुईं सभी राजनियक कोशिशें नाकाम रही हैं। लीबिया में संयुक्त राष्ट्र की कार्यवाहक दूत स्टेफनी विलियम्स ने जिनेवा में पत्रकार वार्ता में कहा कि सलाहकार समिति के सदस्यों ने रचनात्मक भावना, सहयोगात्मक प्रयासों, और देशभक्ति की भावना के साथ अपनी जिम्मेदारियों को समझा है। विलियम्स ने कहा यह समिति 75 सदस्ईय फोरम का हिस्सा है, जो लीबिया के तीनों मुख्य क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करता है। 18 सदस्ईय समिति ने तीन सदस्ईय राष्ट्रपतीय परिषद के लिए प्रत्एक क्षेत्र के इलेक्टोरल कॉलेज से एक प्रतिनिधि का नाम पेश करने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि 75 सदस्ईय फोरम एक प्रधानमंत्री का चुनाव करेगा। सफल उम्मीदवार वही होगा, जिसके 70 प्रतिशत वोट मिलेंगे। विलियम्स ने कहा कि फोरम लीबिया के तीनों क्षेत्रों की सूचियां तैयार करेगा। प्रत्एक सूची में चार नाम होंगे, जिन्हें राष्ट्रपतिय परिषद तथा प्रधानमंत्री पद के लिए नामांकित किया जाएगा।उन्होंने कहा कि फोरम सोमवार को इस प्रस्ताव पर मतदान करेगा और अगले दिन उसके नतीजे आने की उम्मीद है। यह फोरम उत्तरी अफ्रीका के तेल समृद्ध देश लीबिया को 2011 में तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी को सत्ता से हटाए जाने और कत्ल किए जाने के बाद शुरू हुए गृह युद्ध से बाहर निकालने के संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों का हिस्सा है। पिछले साल, फोरम ने 24 दिसंबर 2021 को देश में राष्ट्रपति तथा संसदीय चुनाव कराने के लिए समझौता किया था।

सुरक्षा के मद्देनजर वाशिंगटन बुलाए गए हजारों सैनिक, राज्यों के संसद भवनों की सुरक्षा भी सख्त

एपी। वाशिंगटन

वाशिंगटन में हिंसक प्रदर्शनों की आशंका के मद्देनजर रक्षा अधिकारियों द्वारा और सैनिकों को भेजने की मांग के बाद बड़ी संख्या में सैनिक विभिन्न राज्यों से बसों और विमानों के जरिए शनिवार को राजधानी में आने लगे।

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन के शपथ लेने से पहले प्रदर्शनों की आशंका को देखते हुए सेना के अधिकारियों ने राज्यों के गवर्नरों से नेशनल गार्ड के अधिकाधिक जवानों को भेजने की अपील की थी जिससे कि शहर के ज्यादातर हिस्से में शपथ ग्रहण से पहले लॉकडाउन लगाया जा सके।गौरतलब है कि छह जनवरी को अमेरिकी संसद भवन कैपिटल पर भीड़ ने हिंसक धावा बोला था। उसी घटना को देखते हुए यह आशंका जताई जा रही है कि हिंसक कट्टरपंथी समूह शहर को निशाना बना सकते हैं। सशस्त्र घुसपैठियों के आने तथा विस्फोटक उपकरण लगाने जैसी आशंका भी जताई गई है।वाशिंगटन में अगले हफ्ते की शुरुआत तक 25,000 से अधिक सैनिकों के आने का अनुमान है।लेकिन इसके साथ ही राज्यों के संसद भवनों में हिंसा की आशंका के संबंध में चिंता जताई जा रही है।अधिकारियों के मुताबिक बीते 72 घंटों में कम से कम 7,000 सैनिक मैरीलैंड में ज्वाइंट बेस एंड्रूज पहुंचे। कई हजार सैनिक बसों और सेना के ट्रकों में सवार हैं और वाशिंगटन आ रहे हैं।सेना संबंधी मामलों कें मंत्री रायन मैक्कर्थी ने गवर्नरों से मदद मांगी थी।एफबीआई ने भी सभी राज्यों के संसद भवनों में हिंसक हमलों की आशंका जताई है। रविवार को हमलों की आशंका के मद्देनजर सभी राज्यों की राजधानियों में हथियारों से लैस सैनिकों को तैनात किया गया है। पूरे अमेरिका के सभी राज्यों के संसद भवनों में भारी भरकम हथियारों से लैस जवानों को तैनात किया गया है।लोकतंत्र के प्रतीक ए भवन वैसे ही लग रहे हैं जैसे कि युद्धग्रस्त देशों में भारी सुरक्षा के बीच अमेरिकी दूतावास होते हैं। गवर्नरों ने आपात स्थिति की घोषणा कर दी है। राज्यों के संसद भवनों को जनता के लिए बंद कर दिया गया है।ऐसी आशंका है कि प्रदर्शनकारी रविवार से राज्यों के संसद भवनों की ओर आना शुरू कर सकते हैं।

यूगांडा के राष्ट्रपति ने छठी बार जीता चुनाव, विपक्ष ने धांधली का आरोप लगाया

कंपाला। युगांडा के निर्वाचन आयोग ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी ने चुनाव में छठी बार जीत हासिल की। उनका कार्यकाल पांच वर्ष का होगा तथा इसके साथ ही चार दशक से चल रहे उनके शासन का विस्तार होगा। हालांकि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी बॉबी वाइन ने चुनाव परिणाम में धांधली का आरोप लगाते हुए इन्हें खारिज कर दिया। अधिकारी भी हालांकि स्पष्ट रूप से यह नहीं बता पाए कि इंटरनेट ठप होने के बीच चुनाव परिणाम किस प्रकार एकत्रित किए गए।

डॉ. वीई पी कोस्टा का कहना है कि शिक्षा का भविष्य वैश्विक, बहुआयामी एवं समयानुरूप तथा बिना किसी हस्तक्षेप व सूचना के होने वाले अप्रत्याशित त्वरित बदलावों के साथ चलना है

आकलन करें और अपनाएं

अपनी वर्तमान स्थिति को देखते हुए, शिक्षा का भविष्य अनुमान के संदर्भ में न तो उतना नाटकीय है न ही बहुत अंधकारमय। हालांकि इससे पहले कि हम भविष्य में गोता लगाएं, यह समीक्षा करना लाजिमी है कि शिक्षा समय के साथ कैसे विकसित हुई है।

औद्योगिक क्रांति में प्रवेश से पहले तक, शिक्षा हमेशा बंद घरों में प्रदान की गयी है। शुरूआत में, औपचारिक पढ़ाई तथा उच्च शिक्षा संस्थानों तक पहुंच की कमी होने के कारण, घर के बुजुर्ग अपने बच्चों को सारा ज्ञान व योग्यताएं हस्तांतरित करते थे, हालांकि मूल्य व संस्कृति धार्मिक प्रमुखों द्वारा प्रदान की जाती थी।

इसका असर यह कि परिवार-उपनाम विकसित हुआ, जो परिवार या समुदाय द्वारा किए जाने वाले काम की किस्म की वजह था। इस तरह, एक सामाजिक दिनचर्या- एक विश्वास, संस्कृति, और मूल्य स्थापित हुआ।

फिर आई औद्योगिक कंाति- मशीनीकरण का दौर, मशीनों, प्रक्रियाओं व इंसानों को शामिल करती हुई, नियंत्रित वातावरण में काम की पैरवी करती हुई, कारखाना ढांचों द्वारा निर्धारित नियंत्रित ढंग में। उद्योग ने यथास्थिति को परिवर्तित किया इसने ताजा नये नजरिए व योग्यता समझदारियों की मांग की।

औद्योगिक आवश्यकताएं मौलिक विचार था और इसने स्कूल की अवधारणा को रूपांतरित किया। प्रत्येक मुख्य उन्नतिकारी पड़ाव के साथ बटन दुबारा सेट हुआ- सामूहिक उत्पादन से आटोमेशन और फिर वहां वर्तमान डाटा -क्रांति तक। प्रत्येक ने शिक्षा को समझने व अपनाने का तरीका बदला है।

डिजीटल तकनीक का समावेश उन्हीं अनेक बुनावटों में से एक है जो भावी-शिक्षा-पैकेज का निर्माण करती हैं। भावी-शिक्षा वैश्विक, बहुआयामी एवं समय व काल के अनुरूप है, जिसमें बिना किसी बाधा व सूचना के घटित होने वाले अप्रत्याशित त्वरित बदलावों से उत्पन्न जटिल पूर्वानुमान शामिल हैं।

भावी-शिक्षा- निरंतरता को गति के पैमाने पर क्रियान्वित पूर्वानुमान एवं अनुकूलन पर मापने की आवश्यकता होगी। इन दो विशेषताओं को शामिल करना सचमुच शिक्षा पर कार्पोरेट नजरिया बनने जा रहा है। उदाहरण के लिए, वे शैक्षणिक संस्थान जो पूर्वानुमान कर सकते थे और कोविड-19 के कारण अस्थिरता की भविष्यवाणी कर पाए और पहले डिजीटल रूपांतरण रणनीति लागू कर पाए, वे तालाबंदी उपायों एवं सामाजिक दूरी के अनुपालन के कारण संकट से निपटने में अग्रणी रहे हैं।

हम क्लासरूप स्टाइल भागीदारी के वर्तमान मॉडल की भविष्यवाणी करते हैं और ज्ञान प्रस्तुति प्रदर्शनकारी-थिएटर-मंच- मॉडल ढांचे का पुनर्गठन करेगी, जो सशक्त स्तर पर नेटवर्क संवर्धित तथा डाटा एवं होलोग्राफिक आयोजनों के साथ डिजीटल स्तर पर मिश्रित हो जिसमें वीडियो द्वारा सामुदायिक अंतर्क्रियाओं हों ताकि निर्बाध प्रशिक्षण, योग्यता निर्माण, नयी जानकारियां मिलना व शिक्षण अनुभव प्राप्त हो सकें।

अधिकांश विश्वविद्यालय गहरे तौर पर जुड़ने, नेटवर्क का हिस्सा बनने के लिए तथा अधिक सक्षम भविष्य तथा इंडस्ट्री के लिए उपयुक्त छात्र प्रदान करने के लिए तकनीकी समाधान लागू करेंगे जिसकी वर्तमान स्थितियों व अनिश्चितता पर विचार करते हुए पहले से कहीं आवश्यकता है।

अत्याधुनिक स्तर पर कहें तो छात्र और शिक्षक की आयु -पाबंदी खत्म हो सकती है क्योंकि आजीवन शिक्षण पर भारी बल दिया गया है। पढ़ाना निरंतर वैश्विक स्तर पर कक्षाओं व संस्थानों से परे विस्तारित होगा। बहुआयामी स्तरों पर बहुआयामी खूबियों से संबंधित छात्रों व शिक्षकों का जटिल मेल साथ मिलकर शिक्षा प्रस्तुत मानकों को प्रभावित करता है।

जैसा कि शिक्षा की प्रस्तुति ज्ञान, योग्यताएं, व आचरणगत अनुभवों के रूप में वगीकृत है, और तथ्य है कि न तो अकेले शिक्षक द्वारा, न ही तयशुदा स्थान वाले क्लासरूम के दायरों में सभी को उत्तम ढंग से नहीं पढ़ाया जा सकता, ऐसे में छात्रों को व्यापक दायरे वाले मार्गदर्शक नेटवर्क से परिचित कराने की आवश्यकता होगी जो कुल शिक्षा-प्रतिस्पर्धा शर्तों को पूरा करता हो। इसी कारण शिक्षण पद्धति वितरित हुई है और उसी प्रकार संस्थान, विश्वविद्यालय भी।

अब एआर और वीआर तकनीक द्वारा सहायता प्राप्त वर्चुअल कक्षाओं में तेजी लाने पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है जो इन आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। एआई तकनीक से लैस शिक्षण सहायकों को विकसित करने की भी भारी संभावना है जो शैक्षणिक कंटेंट को अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में विद्वानों की सहायता करेंगे, शिक्षण पद्धति संवर्धित करते हुए।

सामाजिक वैज्ञानिक एवं तकनीक उद्यमियों को भी इसमें शामिल करने की आवश्यकता है जिससे कि द्विपक्षीय चिंतन, आत्म एवं टीम प्रबंधन, तथा विद्यार्थियों में तकनीकी एवं आर्थिक प्रबंधकीय अवधारणाएं विकसित हों और शिक्षा क्षेत्र की अनोखी आवश्यकताओं के प्रति उन्हें संवेदनशील बनाया जा सके।

अधिकांश विश्वविद्यालय गहरे तौर पर जुड़ने, नेटवर्क का हिस्सा बनने के लिए तथा अधिक सक्षम भविष्य तथा इंडस्ट्री के लिए उपयुक्त छात्र प्रदान करने के लिए तकनीकी समाधान लागू करेंगे जिसकी वर्तमान स्थितियों व अनिश्चितता पर विचार करते हुए पहले से कहीं आवश्यकता है।

विश्वविद्यालय कोर्स व पाठयक्रम प्रस्तावित करने के लिए उद्योगों, शोध संस्थानों एवं डिजीटल मंचों के साथ जुड़ेंगे और उनके साथ आएंगे - यानी चरणबद्ध ढंग से लचीली स्नातक समयावधियों में कोर्स व पाठयक्रम प्रस्तावित करते हुए। विश्वविद्यालय, उद्योग एवं शोध संस्थान साथ मिलकर कोर्स व पाठयक्रमों को डिजाइन व प्रस्तावित करेंगे और मानव एवं अन्य संसाधनों(लैब्स, उपकरण एवं ढांचागत संरचना) को प्रस्तुति योग्य बनाने में साझीदारी करेंगे।

- लेखक मारवाड़ी युनिवर्सिटी के वाइस चांसलर हैं।

अलग नजरिए से देखेंगे और काम करेंगे स्कूल

सुमीत मेहता का कहना है कि पढ़ना विभिन्न विषयों एवं भाषा के निर्देश में रुचि तथा समझदारी की गति के मुताबिक वैयक्तिक होने वाला है

Sumeet Mehta
CEO & Co-founder, LEAD School

■ भारत में एडटेक सेक्टर का भविष्य क्या है?

कुछ खास सच्चाइयां है जो अगले दस बीस सालों में बदलने वाली नहीं हैं। मूल शिक्षा स्कूल में प्रदान की जाती रहेगी लेकिन स्कूल बहुत अलग ढंग से देखेंगे और काम करेंगे। स्कूलों को असरकारी ढंग से चलाने में प्रणालियों व तकनीक की कहीं ज्यादा मौजूदगी रहेगी। लगभग 12 साल की उम्र तक, भरोसेमंद वयस्क की मदद से पढ़ाई जारी रहेगी इसलिए शिक्षक हाईस्कूल तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे लेकिन उन्हें तकनीकी स्तर पर सक्षम होने की जरूरत होगी। आगे बढ़कर सीखना अधिक से अधिक वैयक्तिक हो जाएगा। यह वैयक्तीकरण विभिन्न विषयों एवं भाषा के निर्देश में रूचि तथा समझदारी की गति के मुताबिक घटित होगा।

■ आप छात्रों के लिए नया अकादमिक वर्ष कैसा देखते हैं ?

नया अकादमिक वर्ष टाइमलाइन के मामले में सामान्य स्थिति की ओर लौटने का संकेत देगा। उत्तर में स्कूल एवं सीबीएसई स्कूल अप्रैल 2021 में अपने अकादमिक वर्ष की शुरूआत के लिए वापसी कर सकते हैं जबकि पश्चिम एवं दक्षिण में स्कूल जून में अपना अकादमिक सत्र आरंभ कर सकते हैं। लेकिन जब स्कूल दुबारा खुलेंगे तो कुछ ऐसे माता पिता जरूर होंगे जो अपने बच्चों को स्कूल भेजने को लेकर संकोच कर सकते हैं। स्कूलों को हाईब्रिड सिस्टम लागू करने चाहिए जो स्कूल और घर दोनों स्थानों पर, कक्षा में तथा आनलाइन पढ़ाई दोनों स्तरों पर, पढ़ाई करने में सक्षम बनाए।

■ वो क्या सावधानियां हैं जो स्कूलों को अपनानी चाहिए जब वे कोविड के बाद पुनः खुलते हैं?

स्कूल खोलने से पहले, अभिभावकों एवं व्यापक समुदाय के बीच, व्यापक स्तर पर आत्मविश्वास एवं जागरूकता का निर्माण संबंधी अभियान चलाए जाने चाहिए। स्कूलों को छात्रों की सुरक्षा, छात्र स्वास्थ्य एवं हाइब्रिड शिक्षण के उपाय लागू करने चाहिए। इनके बारे में माता पिता को संवाद के जरिए बताया जाना चाहिए। माता पिता को विकल्प दिया जाना चाहिए और जो माता पिता अपने बच्चों को घर से पढ़ाना चाहते हैं, तो उनके पास इस विकल्प की सीमाओं को समझते हुए, घर पर पढ़ाने का विकल्प होना चाहिए।

■ बोर्ड परीक्षाओं में भाग लेने वाले दसवीं कक्षा के छात्रों के माता पिता की बेचैनी कम करने के लिए क्या किया जा सकता है?

जिस तरह हमारी शिक्षा प्रणाली का मौजूदा ढांचा है, दसवीं कक्षा अभी भी बच्चे के भविष्य में खास भूमिका निभाती है। इसलिए यह अनिवार्य है कि अगले तीन महीनों में स्कूल और माता पिता बच्चों को एकाग्रचित्त होने, अभ्यास करने में सक्षम बनाएं तथा जहां खामियां हैं वहां नजदीकी शिक्षक सहयोग पाने में उन्हें सक्षम बनाएं।

■ नयी शिक्षा नीति के मामले में भविष्य कैसा नजर आता है?

यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम जल्द से जल्द शिक्षा में प्रगति एजेंडा और विकास को पुनर्जीवित करें। भारत को न केवल उन सभी छात्रों को वापस लाना होगा जिन्हें 2020 में पढ़ाई का जबरदस्त नुकसान पहुंचा है, बल्कि उसे सुनिश्चित भी करना होगा कि वह अपने स्कूलों में शिक्षण परिणाम की गुणवत्ता का सुधार करने पर एकाग्रचित्त बना रहे। अस्तित्व के साथ जूझते रहने में यह आसान होगा लेकिन सच्चा नेतृत्व ऊंचा लक्ष्य बनाए रखना तथा छात्रों को एक नयी, बेहतर सहजता की ओर लेकर आना होगा, न कि पांच साल पहले के स्तरों की बदतर पहुंच तथा बदतर परिणाम की ओर लौटना।

■ साल 2020 में देखे गए कुछ एडटेक रुझान क्या थे ?

स्कूल वास्तविकता के प्रति जागृत हुए कि वे किसी विध्वंसक, अप्रत्याशित स्थिति के आगे बैठे हुए हैं क्योंकि वे एक सदियों पुरानी तकनीक- पेपर में बंधे हुए हैं। माता पिता को भी अहसास हुआ कि वे दिन की देखभाल के लिए पैसा देते आए थे जबकि वे सोचते थे कि वे पढ़ाई के लिए पैसा दे रहे हैं। आनलाइन आपूर्ति ने तेजी से मूल्यवान खाई को भरा है। पड़ोसी के ट्यूटर से ट्यूशन पढ़ना हमेशा भारत में प्रचलित था। ट्यूशन के स्थानापन्न के रूप में, प्रत्यक्ष या केन्द्र आधारित टेस्ट तैयारी के स्थानापन्न के रूप में, आनलाइन पढ़ाई ने रॉकेट की तरह उड़ान भरी है।

स्कॉलरशिप

उच्च मेधावी अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करने के इरादे से, कनाडा में युनिवर्सिटी आफ वाटरलू इंटरनेशनल स्टूडेंट इंट्रेंस स्कालरशिप प्रस्तावित कर रही है।

लाभः प्रत्येक सफल स्कालर को टयूशन फीस के मद में 10000 डॉलर की धनराशि प्राप्त होगी।

कोर्स लेवलः अंडरग्रेजुएट भारतीय छात्र आवेदन कर सकते हैं।

योग्यता : छात्रों को युनिवर्सिटी आफ वाटरलू में बैचलर डिग्री कार्यक्रम में पंजीकरण कराना होगा।

स्पान्सरशिप युनिवर्सिटी द्वारा प्रस्तावित किसी भी विषय में प्रदान की जाएगी।

संलग्नक दस्तावेज : आवेदक को अपनी समस्त अर्जित पूर्व अकादमिक पांडुलिपियों तथा पासपोर्ट की प्रतिलिपि संलग्न करनी होगी।

प्रवेश शर्तें : दाखिला पाने के लिए, आवेदक ने न्यूनतम औसत के साथ 90 प्रतिशत अंक हासिल किए हों और वे युनिवर्सिटी की प्रवेश शर्तों को भी पूरा करते हों।

भाषा शर्त : युनिवर्सिटी में अंडरग्रेजुएट डिग्री प्रोग्राम में अध्ययन के लिए अंग्रेजी भाषा में बेहतर दक्षता प्राप्त होना अत्यावश्यक है।

आवेदन कैसे करें : यदि आप इस शैक्षणिक प्रोत्साहन प्राप्त करना चाहते हैं तो इच्छुक छात्र को युनिवर्सिटी में अंडरग्रेजुएट कोर्सवर्क में प्रवेश लेना होगा तथा प्रवेश सूचना फार्म को भी भरना होगा।

प्रवेश की अंतिम तिथि : इस स्कालरशिप हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 1 जून, 2021 है।

दनेशनल यूनिवर्सिटी आफ आयरलैंड गाल्वे 2021-2022 अकादमिक सत्र के लिए यूजी मेरिट अवार्ड हेतु आवेदन आमंत्रित करती है।

युनिवर्सिटी द्वारा प्रस्तावित किसी विषय क्षेत्र में अंडरग्रेजुएट डिग्री प्रोग्राम में अध्ययन के लिए यह स्कालरशिप प्रस्तावित है।

योग्यता : आवेदक को गैर यूरोपीय आवेदक होना चाहिए। उसने सितंबर 2021 में आरंभ होने वाले एनयूआई गालवे में पढ़ने का प्रस्ताव पत्र हासिल किया हो, तभी उन पर इन स्कालरशिप के लिए विचार किया जाएगा।

संलग्न दस्तावेज : पूर्व अर्जित डिग्रियां, अकादमिक पांडुलिपियों एवं अवार्ड की प्रतिलिपियां, अंग्रेजी भाषा दक्षता प्रमाणपत्र, एक वक्तव्य, पासपोर्ट की प्रतिलिपि।

प्रवेश शर्तें : प्रवेश शर्तें आवेदन किए गए कोर्स के अनुसार अलग अलग हो सकती हैं। इस संदर्भ में कृपया अधिक जानकारी पाने के लिए इस पेज पर नजर डालें।

भाषा शर्त : पूर्णकालिक यूजी या पीजी में प्रवेश हेतु अंग्रेजी भाषा योग्यता का न्यूनतम स्वीकार्य स्तर है आईईएलटीएस एवं टीओईएफएल।

आवेदन कैसे करें : आवेदकों को एक व्यक्तिगत वक्तव्य (एमएस वर्ड, अधिकतम 500 शब्द में) जमा करना होगा। जिसमें एनयूआई गालवे में पढ़ने में आपकी रूचि क्यों है, आप भविष्य में विकसित होने वाले एनयूआई गालवे के साथ अपने संबंध की कैसी परिकल्पना करते हैं, आप, बतौर अलूमनी तथा अपनी स्कालरशिप अवधि के दौरान, दोनों समयावधियों में किस तरह एनयूआई गालवे के साथ संपर्क को प्रोत्साहित करेंगे, आदि पहलुओं का उल्लेख हो।

आवेदन की अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2021

अपने अंदर विकसित करें नेतृत्व क्षमता

निशा पारिख का कहना है कि आधुनिक नेता न केवल आदेश देते हैं बल्कि सुनते भी हैं। साथ काम भी करते हैं, प्रगति हेतु प्रोत्साहित भी करते हैं और टीम के सदस्यों की सहायता भी करते हैं

यह पता लगाने का कोई राकेट साइंस नहीं है कि प्रत्येक सफल कारोबार के पीछे, रहनुमाओं का एक विलक्षण समूह होता है। लेकिन आप रातों रात नेता नहीं बनते हैं। महान नेता जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से आते हैं। वे नेतृत्व पाने के लिए बिरले ही किसी खास तयशुदा रास्ते का पालन करते हैं। हालांकि कुछ जन्मजात नेता होते हैं, जबकि उनके अलावा बाकी लोग नेता बनने की समूची राह में मुश्किलों व विफलताओं पर विजय पाते हैं। नेतृत्व योग्यताएं अंतर्निहित गुण होते हैं जिन्हें पोषित करना बहुत ही कठिन होता है और इन्हें विकसित करने के लिए जूझना पड़ता है।

वे दिन बीत गए जहां बॉस आदेश देता है और अपने अधीनस्थों से उनका अंधानुकरण करने की अपेक्षा करता है। आधुनिक नेता न केवल आदेश देते हैं बल्कि सुनते भी हैं, साथ काम भी करते हैं, प्रगति हेतु प्रोत्साहित भी करते हैं और टीम के सदस्यों की सहायता भी करते हैं। ये नेता अपने संस्थानों की प्रतिष्ठा को मापने, मजबूत बनाने तथा कायम रखने के लिए हर रोज अथक ढंग से काम करते हैं। संकट के दौरान, नेता संकट से पार पाने के लिए अपने संगठनों को निर्देश देते हुए हमेशा मोर्चे पर बने रहते हैं। वे संगठन की जिम्मेदारी व जवाबदेही संभालते हैं और संगठन के लिए जो उत्तम होता है, वह करते हैं। वे अपने दृष्टिकोणों में बदलाव तथा क्षमता निर्माण के जरिए सबकुछ आरंभ करते हैं।

सांगठनिक विकास में नेतृत्व की महत्ता अद्वितीय है। निम्न सूचित कुछ बुनियादी तरीके हैं जिनके जरिए नेता अपने संगठनों को सहयोग व संभाल सकते हैं-

नेताओं को पैदा करते हैं नेता : अनेक लोग मानते हैं कि नेताओं को अनुयायियों की जरूरत होती है। लेकिन सत्य यह है कि असली नेता ज्यादा नेताओं को पैदा करते हैं, अनुयायियों को नहीं। आधुनिक नेता अब अपने साथ जुड़े अनुयायियों की संख्या से अपने प्रभाव को नहीं मापते हैं। स्थिरता के दौर में, एकल नेता की सोच के इर्दगिर्द संगठन को लामबद्ध करने पर अधिक जोर व सुविधा नजर आती है। हर चीज को सही दिशा, उचित गति एवं सही समय में अकेले हाथ द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है। लेकिन कठिन दौर में, ढलने की योग्यता प्रचंड बन जाती है।

बदलाव की योग्यता अनुयायियों के संगठन तक सीमित है। एकल नेता के नेतृत्व में, टीम नयी ग्राहक आवश्यकताओं, नयी तकनीकों, आर्थिक वातावरण, प्रतिस्पर्धाओं आदि में ढलने में कठिनाई महसूस कर सकती है। इसके विपरीत, वे नेता, जो ज्यादा नेता पैदा करते हैं, वे बदलाव को तेजी से अपना सकते हैं। इस रूप में, नेता पर काम का बोझ कम हो जाता है। उन्नत उत्पादकता, प्रगति एवं आत्मविश्वास संगठन की क्षमता व प्रगति को सुनिश्चित करने वाली होता है।

दूरदर्शी नेतृत्व : नेता महत्वपूर्ण मगर लाभकारी लक्ष्यों व उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए दूरदर्शी नेतृत्व में भरोसा करने के लिए टीम सदस्यों को प्रेरित व प्रोत्साहित करते हैं। ये नेता अपनी टीम को इतना प्रभावी ढंग सेसशक्त बनाते हैं कि कर्मचारी खुद अपने चिन्हित लक्ष्यों को हासिल करने का तरीका तलाश लेते हैं। यदि टीम समर्पित है, तो वे अद्भुत काम कर सकते हैं।

लेकिन यदि टीम सांगठनिक सफलता के प्रति सही दिशा में आगे नहीं बढ़ रही है, तो वे उपयोगी होंगे। लक्ष्य निर्धारण के बिना या प्रक्रिया में भागीदारी के बिना, कोई भी टीम सफल नहीं हो सकती। इसके अलावा, नेताओं को लोगों की सहायता करनी चाहिए ताकि वे संगठन की सोच में साथ आएं और टीम के लक्ष्यों के अनुसार काम कर सकें।

नेता सुनते हैं, पैरवी और सहायता करते हैं: नेता का सबसे महत्वपूर्ण गुण होता है- सुनने में माहिर होना। यह कर्मचारियों के साथ अच्छे संबंधों की बुनियाद का संकेत देता है क्योंकि यह कर्मचारियों को स्पष्ट समझा देता है कि नेता उनकी सचमुच परवाह करते हैं। सुनने की कला नेताओं के प्रभाव की कला का निर्धारण करती है। हालांकि यह आसान लगता है, मगर सुनने में माहिर होना एक कठिन कला है। एक और महत्वपूर्ण योग्यता है टीम सदस्यों के साथ खड़ा होना जब भी कभी उन्हें मदद की जरूरत हो। अपने लोगों की पैरवी करके, दूरगामी प्रतिबद्धता, विश्वास, विश्वसनीयता, व वफादारी स्थापित की जा सकती है जो फिर टीम सदस्यों के आत्मविश्वास के स्तरों में बढ़ोत्तरी लाती है।

टीम वर्क : अपवाद स्वरूप टीमवर्क अकेला ऐसा पहलू है जो संस्थान की सफलता में भारी योगदान करता है। नेता योग्य लोगों की एक टीम बनाकर शुरूआत करते हैं जो पूरी निष्ठा के साथ काम को पूरा करती है। दूसरा कदम जो नेता अपनाते हैं वो यह कि अपनी अपेक्षाओं की जानकारी होना। यह मानना गलत है कि प्रत्येक टीम-सदस्य जानता है कि क्या किए जाने की आवश्यकता है। सबसे महत्वपूर्ण कदम जो नेता को उठाना चाहिए वो यह कि वो अपने टीमवर्क को प्रोत्साहित करे।

- लेखक तेलुबू के एचआर एंड मार्केटिंग उपाध्यक्ष है।